युद्धविराम को लेकर संशय सेंसेक्स 931 अंक लुढ़का निफ्टी भी गिरा - 10

अमेरिका के साथ रक्षा उद्योग प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखला संबंध गहरा करने के प्रयास - 11

ईरान युद्ध के कारण वैश्विक खाद्य कीमतों में वृद्धि का खतरा - 11

आरसीबी रॉयल्स मैच में नजरें शीर्षक्रम के बल्लेबाजों पर - 12

आज का मौसम
30.0° अधिकतम तापमान
18.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.51
सूर्यास्त 06.30

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

बैशाख कृष्ण पक्ष अष्टमी 11:15 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2083

शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026, वर्ष 36, अंक 62, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

ईरान ने होर्मुज में बिछाईं बारूदी सुरंगें

संकट में युद्धविराम...तेहरान की अर्ध-सरकारी न्यूज एजेंसियों ने जारी किया होर्मुज का नक्शा | अमेरिका और ईरान के बीच इस्लामाबाद में 10 सूत्रीय समझौतों पर वार्ता आज

- ईरान ने कहा- यूरेनियम संवर्धन पर हमारा अधिकार, बिना इसके कोई बात नहीं करेंगे
- वार्ता से पहले मोजतबा खामेनेई की चेतावनी होर्मुज पर नियंत्रण हमारा रहेगा, हम बदला लेकर रहेंगे

दुबई/इस्लामाबाद, एजेंसी

ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बागेर कालिबाफ ने गुरुवार को चेतावनी दी कि यदि लेबनान पर इजराइल के हमले जारी रहे तो इसका कड़ा जवाब दिया जाएगा। उन्होंने अन्य ईरानी अधिकारियों की तरह इस बात पर जोर दिया कि दो सप्ताह का युद्धविराम लेबनान में भी लागू होता है, जिसे इजराइल और अमेरिका दोनों ने नकार दिया है। कालिबाफ का नाम संभावित वार्ताकार के रूप में शामिल है, जो इस्लामाबाद में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से मुलाकात कर सकते हैं।

वहीं, ईरानी अर्धसरकारी समाचार एजेंसियों ने एक चार्ट प्रकाशित किया जिससे संकेत मिला कि देश के अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड ने युद्ध के दौरान होर्मुज में समुद्री सुरंगें बिछाई हैं। यह चार्ट ऐसे समय में प्रकाशित हुआ है जब अमेरिका-इजराइल के साथ हुए दो सप्ताह के युद्धविराम को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। पाकिस्तान शुक्रवार को उच्च-स्तरीय वार्ता की मेजबानी करेगा। पाकिस्तान में ईरानी राजदूत रजा अमीरी मोघादम ने तेहरान के प्रतिनिधिमंडल की भागीदारी की पुष्टि करते हुए इस बात पर जोर दिया कि इजराइल द्वारा युद्धविराम के उल्लंघन के कारण उनके देश में शांति वार्ता को लेकर संदेह बना हुआ है। 30 सदस्यीय अमेरिकी दल इस्लामाबाद पहुंच चुका हैं। वहीं, होर्मुज में समुद्री सुरंगें बिछाने का चार्ट आईएसएनए और तस्नीम समाचार एजेंसी ने जारी किया है जिसे रिवोल्यूशनरी गार्ड का करीबी माना जाता है। चार्ट में पोतों द्वारा उपयोग किए जाने वाले मार्ग ट्रैफिक सेपरेशन स्कीम पर फारसी भाषा में खतरे का क्षेत्र अंकित करते हुए एक घेरा दिखाया गया है। जहां बारूदी सुरंगें बिछाई गईं हैं। ईरानी परमाणु एजेंसी ने कहा, यूरेनियम संवर्धन अधिकार के लिए तेहरान को युद्धविराम वार्ता में बात उठानी होगी। वार्ता से पहले मोजतबा की चेतावनी दी है कि होर्मुज पर नियंत्रण ईरान का ही रहेगा और हम बदला लेकर रहेंगे।

लेबनान के बेरूत शहर में बचाव अभियान के दौरान महिला को बचाते दमकलकर्मी।

लेबनान से बातचीत को इजराइल तैयार

वाशिंगटन। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने लेबनान के साथ यथाशीघ्र सीधी बातचीत करने की मंजूरी दे दी है, जबकि पश्चिम एशिया संघर्ष में अस्थायी युद्धविराम बेरूत पर इजराइली बमबारी के कारण कमजोर पड़ता नजर आ रहा है। नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने यह आदेश लेबनानी राष्ट्रपति के अनुरोधों के जवाब में दिया है। समझौता हिजबुल्ला को निरस्त्र करने तथा पड़ोसी देशों के बीच शांतिपूर्ण संबंध स्थापित करने पर होगा।

लेबनान युद्ध-विराम समझौते में शामिल नहीं : ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि हिजबुल्ला की वजह से लेबनान को युद्ध-विराम समझौते में शामिल नहीं किया गया गया है। उन्होंने लेबनान पर इजराइल के हालिया हमलों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि वह एक अलग लड़ाई है। इस बीच, ईरान ने लेबनान पर हमलों को युद्धविराम का उल्लंघन बताया है। उसने इजराइल द्वारा लेबनान में हमले तेज किए जाने के जवाब में होर्मुज को फिर बंद कर दिया जिससे हाल में हुआ युद्धविराम खतरे में पड़ गया है।

ईरान होर्मुज में वसूलेगा 1 डालर प्रति बैरल टोल

ईरान ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले सभी टैंकरों पर 1 डॉलर प्रति बैरल का टोल लगाने की योजना है। वह यह टोल क्रिप्टोकरेंसी में तय करेगा और निरीक्षण पूरा होने के कुछ ही सेकंड के भीतर बिटक्वाइन में भुगतान की मांग करेगा। फाइनेंशियल टाइम्स ने ईरान के तेल, गैस और पेट्रोकेमिकल उत्पाद निर्यातकों के संघ के आधिकारिक प्रवक्ता हामिद होसैनी के हवाले से बताया कि ईरान तेल टैंकरों को प्रति बैरल एक डॉलर के शुल्क पर होर्मुज से गुजरने की अनुमति देने के लिए तैयार है।

स्मार्ट मीटर शिकायतों की जांच करेगी विशेषज्ञ समिति : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बिना गलती न कटे कनेक्शन, ऊर्जा मंत्री और एमडी फील्ड में उतरें, करें समाधान
- गर्मी में बिजली आपूर्ति बाधित न हो, हेल्पलाइन सक्रिय रखने के निर्देश

ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक करते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार: स्मार्ट मीटर को लेकर बढ़ती शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी ने सख्त रुख अपनाते हुए विशेषज्ञ समिति गठित कर जांच कराने के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को ऊर्जा विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि आम उपभोक्ता ईमानदार होता है और यदि बिल सही हो तो वह भुगतान से पीछे नहीं हटता। ऐसे में ओवरबिलिंग या तकनीकी खामियों की निष्पक्ष जांच जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार देर शाम उर्जा विभाग की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि किसी उपभोक्ता की गलती नहीं है तो उसका बिजली कनेक्शन किसी भी स्थिति में नहीं काटा जाए। उन्होंने ऊर्जा मंत्री और पावर कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक को खुद फील्ड में जाकर व्यवस्था देखने और शिकायतों का मौके पर निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निर्बाध, गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी बिजली आपूर्ति सरकार की प्राथमिकता है। स्मार्ट मीटरिंग, बिलिंग प्रणाली और उपभोक्ता सेवाओं को भरोसेमंद बनाना होगा। सभी टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर पूरी तरह सक्रिय रहें और शिकायतों का समयबद्ध समाधान किया जाए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में उपभोक्ताओं की संख्या वर्ष 2017 के 1.65 करोड़ से बढ़कर 2026 में 3.71 करोड़ हो गई है।

इस दौरान बिजली भार में 80 प्रतिशत और ऊर्जा बिक्री में 63 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वर्तमान में कुल ऊर्जा बिक्री 1.27 लाख मिलियन यूनिट से अधिक है। मुख्यमंत्री ने ट्रांसफार्मर बदलने की प्रक्रिया को तेज करने, बिजली लाइनों के आधुनिकीकरण और भूमिगत केबलिंग को गति देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कहीं भी उपभोक्ता को अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में भी विशेष ध्यान देने को कहा गया। न्यूनतम पांच घरों वाले मजरों तक विद्युतीकरण सुनिश्चित करने, कृषि फीडरों के पृथक्करण और ओवरलोडिंग की समस्या दूर करने पर जोर दिया गया।

हरित ऊर्जा परियोजनाओं को समयबद्ध पूरा करें

मुख्यमंत्री ने 'पीएम कुसुम योजना' के तहत सोलर पंपों को बढ़ावा देने और हरित ऊर्जा परियोजनाओं को समयबद्ध पूरा करने के निर्देश दिए। कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी सरकार तेजी से काम कर रही है। 'पीएम सूर्य घर योजना' के तहत 4.60 लाख से अधिक रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं।

विजिलेंस कार्रवाई में भी बरतें संवेदनशीलता

मुख्यमंत्री ने विजिलेंस कार्रवाई में भी संवेदनशीलता बरतने को कहा और स्पष्ट किया कि ऐसी कार्रवाई न हो जिससे आम उपभोक्ता परेशान हो। गर्मी के मौसम को देखते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पीक डिमांड के समय बिजली आपूर्ति में कोई कमी नहीं आनी चाहिए। सभी उत्पादन इकाइयों को पूर्ण क्षमता पर संचालित रखा जाए। घाटमपुर की 660 मेगावाट इकाई जल्द शुरू करने के साथ अन्य परियोजनाओं को भी तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए गए।

ब्रीफ न्यूज

निवेश के नाम 74 लाख रुपये की ठगी के दो मामलों में दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने निवेश पर मोटे मुनाफे का झांसा देकर 74 लाख रुपये की ठगी करने के दो अलग अलग मामलों में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पहले मामले में, ग्रेटर नोएडा निवासी राहुल त्यागी नामक व्यक्ति को 27.82 लाख रुपये की धोखाधड़ी में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता को एक सोशल मीडिया ग्रुप में जोड़ा गया और उसे शेयर बाजार और आईपीओ मंचों में निवेश करने का लालच दिया गया। एक अन्य मामले में, पुलिस ने ग्रेटर नोएडा निवासी रिंकू (36) को 47 लाख रुपये की निवेश धोखाधड़ी में संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया।

नीतीश कुमार शुक्रवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुक्रवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे। उनके राज्यसभा जाने के साथ बिहार में नई सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त होगा। कुमार गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे और हवाई अड्डे पर जद(यू) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा सहित पार्टी के नेताओं ने उनका स्वागत किया। कुमार ने हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा, मैं यहां शपथ लेने आया हूं। उन्हें राज्यसभा सभापति सी पी राधाकृष्णन के कक्ष में उच्च सदन के सदस्य के रूप में शपथ दिलाई जाएगी।

मंदिर में वर्ग के आधार पर प्रवेश रोका तो हिंदू धर्म बुरी तरह होगा प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि यदि मंदिर और मठ पंथ तथा धर्म के भीतर के वर्गों के आधार पर प्रवेश पर रोक लगाते हैं तो इससे हिंदू धर्म बुरी तरह से प्रभावित होगा और समाज बंट जाएगा। नौ जजों की संविधान पीठ ने वरिष्ठ वकील सी एस वैद्यनाथन की दलीलों का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की।

वैद्यनाथन ने दलील दी थी कि संविधान का अनुच्छेद 26(बी) किसी धार्मिक संप्रदाय को अपने कामकाज का प्रबंधन करने का अधिकार देता है और इसे अनुच्छेद 25(2)(बी) पर वरीयता मिलेगी, जो सरकार को सभी सार्वजनिक हिंदू धार्मिक संस्थानों को आम लोगों के लिए खोलने का अधिकार देता है। वैद्यनाथन केरल के सबरीमाला मंदिर के भगवान अयप्पा के भक्तों की ओर से शीर्ष अदालत में उपस्थित हुए। शीर्ष कोर्ट की नौ सदस्यीय पीठ सबरीमालामंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव से जुड़ी याचिकाओं की सुनवाई तथा विभिन्न आस्थाओं के लोगों की धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे और विस्तार पर भी विचार कर रही थी।

वैद्यनाथन ने दलील दी कि किसी वर्ग विशेष का मंदिर अन्य व्यक्ति को प्रवेश की अनुमति दे सकता है और उन्हें पूजा-अर्चना में शामिल कर सकता है या फिर वह इसे केवल अपने वर्ग तक ही सीमित रख सकता है। इस पर, न्यायमूर्ति नागरत्ना ने टिप्पणी की, एक आशंका है। अगर आप प्रवेश के अधिकार की बात करते हैं, खासकर वेंकटरमण देवरू मामले के संदर्भ में, जिसमें कहा गया था कि गौड़ सारस्वत ब्राह्मणों के अलावा किसी और को प्रवेश नहीं मिलेगा, तो इसका हिंदू धर्म पर नकारात्मक असर पड़ेगा। प्रत्येक व्यक्ति को हर मंदिर और मठ में प्रवेश का अधिकार होना चाहिए। सबरीमाला फैसले (2018) से जुड़े विवाद को एक तरफ रख दें। लेकिन अगर आप यह कहते हैं कि यह एक परंपरा है और यह धर्म का मामला है कि मैं दूसरों को बाहर रखूंगा और केवल मेरे वर्ग, मेरे संप्रदाय के लोग ही मंदिर में प्रवेश कर सकते हैं, कोई और नहीं, तो यह हिंदू धर्म के लिए अच्छा नहीं है।

सबरीमाला मामले में सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

- कोर्ट ने कहा- प्रत्येक व्यक्ति को हर मंदिर और मठ में प्रवेश का अधिकार होना चाहिए

केंद्र की दलील... सबरीमाला संबंधी फैसला पुरुषों के श्रेष्ठ होने की धारणा पर आधारित

नई दिल्ली। केंद्र ने केरल के सबरीमाला मंदिर में विशेष आयुवर्ग की महिलाओं के प्रवेश पर पाबंदी का समर्थन करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट का 2018 का फैसला इस धारणा पर आधारित है कि पुरुष श्रेष्ठ हैं और महिलाओं का स्थान उनसे नीचे है। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ से कहा कि उन्होंने लिखित अभ्यावेदन दिया है और ऐसे उदाहरण पेश किए हैं जिनमें पुरुषों को मंदिरों में प्रवेश की अनुमति नहीं है। पीठ से कहा, यह देवी भगवती का मंदिर है, उससे कुछ आस्थाएं और मान्यताएं जुड़ी हैं। केरल में एक मंदिर है, मैंने उसके बारे में पढ़ा है, जहां पुरुष महिलाओँ के वेश में जाते हैं। वे ब्यूटी पार्लर जाते हैं और परिवार की महिलाएं उन्हें साड़ी पहनने में मदद करती हैं। उन्होंने कहा, इसलिए यह पुरुष केंद्रित या महिला केंद्रित धार्मिक मान्यताओं का सवाल नहीं है। मौजूदा मामले में, यह महिला केंद्रित है।

असम-केरलम, पुडुचेरी में रिकॉर्ड मतदान

गुवाहाटी/ तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी, एजेंसी

85.38% वोटिंग असम के इतिहास में सबसे ज्यादा

89.81% मत पड़े पुडुचेरी में 50 साल बाद

78.01% केरलम में 49 साल में दूसरी बार बना रिकॉर्ड

देश के दो राज्यों असम, केरलम और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में गुरुवार को विधानसभा चुनाव के लिए वोट डाले गए। चुनाव आयोग के अनुसार रात 8 बजे तक असम में 85.38% मतदान हुआ। असम के इतिहास में यह सबसे ज्यादा वोटिंग का आंकड़ा है। वहीं, केरलम में पिछले 49 सालों में दूसरी सबसे ज्यादा वोटिंग हुई, यहां 78.01% वोट डाले गए। 1977 में रिकॉर्ड 79.2% मतदान हुआ था। वहीं पुडुचेरी में 50 साल बाद 89.81% मतदान हुआ।

असम में चुनाव संबंधी हिंसा में करीब 30 लोग घायल हो गए और सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। श्रीभूमि जिले के पथारकंडी में कांग्रेस और भाजपा समर्थकों की इस झड़प में करीब 25 लोग घायल हो गए, दो की हालत गंभीर है।

असम में 126 सीटों पर 41 पार्टियों के 722 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, केरलम में 2.71 करोड़ वोटर 890 उम्मीदवारों में से अपना नेता चुनेंगे। यहां 140 सीटें हैं। पुडुचेरी में 30 सीटों के लिए वोटिंग हुई।

केरलम में चुनाव के दौरान कतार में खड़े लोग।

जिला कोर्ट परिसर में अधिवक्ता पर धारदार हथियार से हमला, हालत गंभीर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- तीन नामजद और 25 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार: जिला कोर्ट परिसर में जमीन के विवाद में दबंगों ने अधिवक्ता पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिवक्ता के साथी ने वजीरगंज कोतवाली में तीन नामजद और 25 अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

इंस्पेक्टर राजेश त्रिपाठी ने बताया कि अधिवक्ता आरिफ अहमद का जानकीपुरम निवासी राहुल प्रियदर्शी, महानगर के इंद्रप्रस्थ नगर निवासी विकास प्रताप और रणंजय सिंह निवासी सोनापुरम कॉलोनी से जमीन का विवाद चल रहा है। ठाकुरगंज के बालागंज निवासी अधिवक्ता मो. शहीम ने बताया कि बुधवार दोपहर वह साथी आरिफ के साथ केस की पैरवी करके सिविल कोर्ट लखनऊ से बाहर आ रहे थे। तभी सीडी मलिहाबाद कोर्ट लखनऊ के बाहर पहले से मौजूद राहुल प्रियदर्शी, विकास प्रताप सिंह, रणंजय कुमार सिंह और उसके 25 साथियों ने एक साथ आरिफ पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में सिर फटने से वह खून से लथपथ होकर वहीं गिर पड़ा। फिर आरोपियों ने उन्हें बुरी तरह से लात-घूंसों से पीटना शुरू कर दिया। शहीम ने बताया कि किसी तरह से उन्होंने साथी को बचाया और वजीरगंज कोतवाली पहुंचे। घायल को अस्पताल में भर्ती कराने के बाद आरिफ के मित्र शहीम ने तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई।

दिल्ली में उत्तर प्रदेश भाजपा की मजबूत टीम पर लगेगी मुहर

- संगठन मंत्री धर्मपाल आज करेंगे हाईकमान से मुलाकात

लखनऊ। प्रदेश भाजपा के संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर शुक्रवार को दिल्ली दौरे पर हैं।

लखनऊ में हाल ही में हुई कोर ग्रुप की बैठक के बाद अब दिल्ली में शीर्ष नेतृत्व के साथ महत्वपूर्ण मंथन के बाद नई टीम के गठन, निगमों और बोर्डों में रिक्त अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों के रिक्त पदों पर पार्टी कार्यकर्ताओं के मनोनयन को लेकर वर्ष 2027 के चुनाव के मद्देनजर नामों पर मुहर लगेगी। बीते शुक्रवार को ही प्रदेश भाजपा मुख्यालय पर इसे लेकर घंटों मंथन चला था। सूत्रों के मुताबिक, धर्मपाल सिंह अपने साथ संगठन की नई टीम से जुड़े संभावित नामों की सूची लेकर दिल्ली पहुंच रहे हैं। इन नामों पर पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ विस्तृत चर्चा की जाएगी, जिसके बाद जल्द ही उत्तर प्रदेश भाजपा की नई टीम का ऐलान हो सकता है।

महिला आरक्षण : प्रस्तावित संशोधन करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब: मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

- सभी सांसदों से इस महत्वपूर्ण संशोधन का समर्थन करने के लिए एकजुट होने का किया आग्रह

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि महिला आरक्षण अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन केवल एक विधायी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह देश भर की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। मोदी ने सभी सांसदों से इस महत्वपूर्ण संशोधन का समर्थन करने के लिए एकजुट होने का आग्रह किया।

मोदी ने अपनी वेबसाइट 'नरेन्द्र मोदी डॉट इन' पर प्रकाशित एक लेख में यह भी कहा कि यह पहल उस सिद्धांत की पुष्टि है जिसने लंबे समय से भारत के इस सभ्यतागत लोकाचार का मार्गदर्शन किया है कि समाज तभी प्रगति करता है जब महिलाएं प्रगति करती हैं। कहा कि अब जरूरत है कि 2029 के लोकसभा चुनाव और आने वाले समय में राज्यों के विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ कराए जाएं। इन्हीं प्रेरणादायी अवसरों के बीच, 16 अप्रैल को संसद की ऐतिहासिक बैठक होगी तथा विशेष सत्र महिला आरक्षण को लागू करने से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा और उसे पारित करने के लिए बुलाया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह भारतवर्ष की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है।'

अमेरिका-ईरान जंग ने ले ली बरेली के होनहार की जान

बरेली। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध की विभीषिका में अरब देशों में काम करने वाले भारतीय भी झुलस रहे हैं। बरेली के रहने वाले जीशान अजहरी भी जंग की भेंट चढ़ गए। दुबई में ईरान के मिसाइल हमले में खाई बनी सड़क में कार गिरने से उनके साथ पाकिस्तानी ड्राइवर की भी जान चली गई। 16 दिन बाद दुबई से शव घर पहुंचा तो कोहराम मच गया। विदेश में जान गंवाने वाले जीशान (29) बरेली के बिहारीपुर निवासी बिस्कुट व्यापारी जान मोहम्मद उर्फ लल्ला के तीन पुत्रों में सबसे छोटे थे। वह 2020 से दुबई में नौकरी कर रहा था।

जीशान (फाइल)

उपलब्धि | उप्र ने की 22,337 करोड़ की खरीद, केंद्र सरकार ने सराहा, 3606 करोड़ की खरीद से नगर विकास विभाग सबसे आगे

जेम पोर्टल पर यूपी प्रथम, बना देश का रोल मॉडल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने सरकारी खरीद में पारदर्शिता का नया मानक स्थापित किया है। वित्त वर्ष 2025-26 में जेम के माध्यम से 22,337 करोड़ रुपये की खरीद कर यूपी देश में शीर्ष स्थान पर रहा है। भारत सरकार ने भी यूपी की इस पारदर्शी खरीद प्रणाली की सराहना करते हुए इसे अन्य राज्यों के लिए रोल मॉडल बताया है।

खास बात यह है कि प्रदेश के अधिकांश विभागों ने अपनी खरीद जेम पोर्टल के जरिए सुनिश्चित की, जिससे प्रक्रिया पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी बनी। प्रदेश में नगर विकास विभाग ने सबसे अधिक 3606 करोड़ रुपये की खरीद कर शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके बाद चिकित्सा शिक्षा (2973 करोड़), चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण (2498 करोड़) और गृह विभाग (1852 करोड़) प्रमुख रहे। राष्ट्रीय स्तर पर भी यूपी ने गुजरात (14,009 करोड़), महाराष्ट्र (6113 करोड़), दिल्ली (4278 करोड़) और छत्तीसगढ़ (3935 करोड़) जैसे राज्यों को पीछे छोड़ दिया। जेम पोर्टल के माध्यम से खरीद ने केवल पारदर्शिता ही नहीं बढ़ाई, बल्कि छोटे उद्यमियों, स्टार्टअप और वंचित वर्गों को भी बाजार से जोड़ने का काम किया है। महिला उद्यमियों से खरीद 467 करोड़ (2020-21) से बढ़कर 4755 करोड़ (वर्ष 2025-26) तक पहुंच गई। वहीं एससी/एसटी उद्यमियों से खरीद 54 करोड़ से बढ़कर 752 करोड़ हो गई। स्टार्टअप से खरीद भी 261 करोड़ से बढ़कर 3203 करोड़ तक पहुंची, जबकि एमएसएमई से खरीद 3978 करोड़ से बढ़कर 27,235 करोड़ रुपये हो गई। इससे प्रदेश में स्थानीय उद्यमों को बड़ा प्रोत्साहन मिला है।

जेम खरीद में टॉप-10 राज्य

- उत्तर प्रदेश – 22,337 करोड़
- गुजरात – 14,009 करोड़
- महाराष्ट्र – 6113 करोड़
- दिल्ली – 4278 करोड़
- छत्तीसगढ़ – 3935 करोड़
- बिहार – 3611 करोड़
- मध्य प्रदेश – 2900 करोड़
- जम्मू-कश्मीर – 2653 करोड़
- झारखंड – 2647 करोड़
- असम – 2494 करोड़

विक्रेताओं के कारोबार में भी रिकॉर्ड बढ़ोतरी

जेम पोर्टल के जरिए यूपी के विक्रेताओं का कारोबार लगातार बढ़ रहा है। वर्ष 2020-21 में 5770 करोड़ रुपये से बढ़कर 2025-26 में यह 42,654 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो डिजिटल प्लेटफॉर्म के प्रति बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेम, कृष्ण मुरारी के अनुसार, मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप सभी विभागों को जेम पोर्टल से खरीद के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

आईवीएफ फेल हुआ तो होम्योपैथी ने दिया मां बनने का सुख

विश्व होम्योपैथी दिवस पर विशेष : बांझपन के इलाज में होम्योपैथी बनी उम्मीद की किरण, आईवीएफ के महंगे विकल्प से राहत

पंकज द्विवेदी, लखनऊ

अमृत विचार : अनियमित जीवनशैली, बढ़ता मोटापा, देर से शादी और हार्मोनल असंतुलन जैसी समस्याओं के कारण आज की युवतियां शादी के कई वर्षों बाद भी सामान्य रूप से गर्भधारण नहीं कर पा रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसे में जहां एक ओर महंगा आईवीएफ (इन विट्रो फर्टिलाइजेशन) कई दंपतियों की पहुंच से बाहर है, वहीं होम्योपैथी पद्धति अब एक सस्ती और प्रभावी विकल्प के रूप में उभर रही है।

लखनऊ के जानकीपुरम स्थित केंद्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान संस्थान में हर शनिवार को विशेष इनफर्टिलिटी क्लीनिक का संचालन किया जा रहा है। संस्थान की प्रभारी निदेशक डॉ. लिपि पुष्पा की देखरेख में चल रही इस क्लीनिक में स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. दिव्या वर्मा के अनुसार, प्रत्येक ओपीडी में करीब 50 महिलाएं गर्भधारण और अन्य समस्याओं को लेकर पहुंच रही हैं। पिछले एक वर्ष में यहां इलाज से 11 महिलाओं को मातृत्व का सुख मिल चुका है, जिससे लोगों का होम्योपैथी पर विश्वास भी बढ़ा है।

- जानकीपुरम स्थित केंद्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान संस्थान में संचालित हो रही विशेष इनफर्टिलिटी क्लीनिक, एक साल में 11 महिलाएं बनी मां

प्रभारी निदेशक डॉ. लिपि पुष्पा व डॉ. दिव्या वर्मा

केस-1
आठ साल बाद जगी उम्मीद, पांच महीने में मिली खुशखबरी

अलीगंज की एक युवती शादी के आठ साल बाद भी गर्भधारण नहीं कर सकी। आईवीएफ पर लाखों खर्च करने के बाद भी असफलता हाथ लगी, जिससे दंपति मानसिक रूप से टूट चुके थे। बाद में संस्थान में परामर्श लेने पर काउंसलिंग और होम्योपैथिक उपचार शुरू किया गया। महज पांच महीने में युवती गर्भवती हो गई। जांच में सामने आया कि उसके अंडाशय छोटे थे, जिसका सफल उपचार किया गया।

केस-2
हार्मोनल असंतुलन दूर तीन महीने में गर्भधारण

एक अन्य मामले में बेटे की मृत्यु के बाद दंपति गहरे सदमे में चला गया। कई वर्षों तक गर्भधारण न होने पर उन्होंने संस्थान का रुख किया। जांच में हार्मोनल असंतुलन सामने आया। इलाज शुरू होने के मात्र तीन महीने के भीतर ही युवती ने गर्भधारण कर लिया।

केस-3
बार-बार गर्भपात से मिली राहत

लखनऊ की ही एक महिला को शादी के सात साल बाद भी बार-बार गर्भपात की समस्या का सामना करना पड़ रहा था। आर्थिक तंगी के कारण वह आईवीएफ नहीं करा सकी। होम्योपैथिक इलाज शुरू करने के कुछ ही समय में वह गर्भवती हुई और जांच में गर्भस्थ शिशु स्वस्थ पाया गया।

महिलाओं के साथ पुरुषों का भी होता है इलाज

प्रभारी निदेशक डॉ. लिपि पुष्पा बताती हैं कि बांझपन के मामलों में महिला और पुरुष दोनों की जांच बेहद जरूरी होती है। कई मामलों में समस्या पुरुषों में पाई जाती है, जिसके इलाज से महिला आसानी से गर्भधारण कर सकती है।

शिक्षामित्रों-अनुदेशकों को मिलेगा बढ़ा मानदेय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कैबिनेट के फैसले के बाद बेसिक शिक्षा विभाग से शासनादेश जारी

अमृत विचारः प्रदेश सरकार ने बेसिक शिक्षा से जुड़े शिक्षामित्रों और अंशकालिक अनुदेशकों को बड़ा तोहफा दिया है। गुरुवार को जारी शासनादेश के अनुसार दोनों वर्गों के मानदेय में 8 हजार रुपये प्रति माह की बढ़ोतरी कर दी गई है। अब प्रदेश के 1,42,929 शिक्षामित्रों को 10 हजार रुपये के स्थान पर 18 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय मिलेगा। इसी तरह, उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत 24,717 अंशकालिक अनुदेशकों का मानदेय 9 हजार रुपये से बढ़ाकर 17 हजार रुपये प्रति माह कर दिया गया है। अंशकालिक अनुदेशकों को यह मानदेय वर्ष में 11 महीने दिया जाएगा। यह बढ़ा हुआ मानदेय इसी माह से लागू होगा, जिससे बड़ी संख्या में शिक्षाकर्मियों को राहत मिलेगी। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह निर्णय हाल ही में हुई कैबिनेट बैठक में स्वीकृत प्रस्ताव के अनुरूप लिया गया है।

न्यूज ब्रीफ

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) में निदेशक का कार्यभार ग्रहण करतीं गुंजन द्विवेदी।

मिशन निदेशक गुंजन द्विवेदी ने संभाला कार्यभार

अमृत विचार, लखनऊ : स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) में बुधवार को गुंजन द्विवेदी ने मिशन निदेशक का पदभार संभाल लिया। अलीगंज स्थित पंचायती राज निदेशालय में कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने विभागीय अधिकारियों के साथ पहली समीक्षा बैठक की। बैठक में ग्रामीण स्वच्छता अभियान, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, सामुदायिक शौचालय, प्लास्टिक कचरा प्रबंधन और ग्राम पंचायतों में चल रहे स्वच्छता कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। मिशन निदेशक ने स्पष्ट किया कि स्वच्छता को केवल अभियान नहीं, बल्कि जनभागीदारी से जुड़ा स्थायी व्यवहार परिवर्तन बनाया जाना चाहिए। गुंजन द्विवेदी ने अधिकारियों और कर्मचारियों से टीम भावना के साथ काम करने का आह्वान किया।

इस्लामनगर के बीडीओ निलंबित

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने बदायूं के इस्लामनगर विकास खंड के खंड विकास अधिकारी मुनब्बर खां को निलंबित कर दिया है। प्रथम दृष्टया अपने पदीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही और शिथिलता बरतने के आरोप में गुरुवार को यह कार्रवाई की गई है। यह निर्णय उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देश पर लिया गया है। साथ ही, उनके विरुद्ध उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक नियमावली के तहत विभागीय अनुशासनिक कार्यवाही शुरू करने के भी आदेश दिए गए हैं। मालूम हो कि सरकार की इस कार्रवाई में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर रुख अपनाने के संकेत दिए गए हैं।

लखनऊ में राष्ट्रीय लोक अदालत 9 मई को

अमृत विचार, लखनऊ : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और उप्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर 9 मई (शनिवार) को लखनऊ में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की जाएगी। इसका आयोजन जनपद न्यायालय, कलेक्ट्रेट परिसर और सभी तहसीलों में किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के अध्यक्ष एवं जिला न्यायाधीश मलखान सिंह के निर्देशन में होने वाली इस लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के मामलों का आपसी समझौते के आधार पर निस्तारण किया जाएगा। सचिव जीवक कुमार सिंह ने बताया कि लोक अदालत वैकल्पिक विवाद निस्तारण का मंच है, जहां निर्णय सिविल कोर्ट की डिक्री के समान बाध्यकारी होता है और इसके खिलाफ अपील नहीं की जा सकती। प्राधिकरण ने आमजन से अपील की है कि वे लोक अदालत में पहुंचकर सुलभ, शीघ्र और कम खर्च में न्याय का लाभ उठाएं।

रेतेश्वर महादेव धाम का कायाकल्प तेज

अमृत विचार, लखनऊ : राजधानी के सरोजनी नगर क्षेत्र में सई नदी तट स्थित रेतेश्वर महादेव धाम का कायाकल्प तेजी से जारी है। पर्यटन विभाग की करीब 93.43 लाख रुपये की परियोजना के तहत अब तक लगभग 60 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। योजना का उद्देश्य मंदिर के पारंपरिक स्वरूप को संरक्षित रखते हुए श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'विकास भी, विरासत भी' की परिकल्पना को साकार किया जा रहा है।

स्मार्ट मीटर शिकायतों की जांच करेगी विशेषज्ञ समिति

मुख्यमंत्री के सख्त निर्देश, बिना गलती न कटे कनेक्शन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ऊर्जा मंत्री और एमडी फील्ड में उतरें, करें समाधान
- गर्मी में बिजली आपूर्ति बाधित न हो, हेल्पलाइन रहे सक्रिय

अमृत विचारः स्मार्ट मीटर को लेकर बढ़ती शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अपनाते हुए विशेषज्ञ समिति गठित कर जांच कराने के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को ऊर्जा विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में उन्होंने साफ कहा कि ओवरबिलिंग या तकनीकी खामियों की निष्पक्ष जांच जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को देर शाम ऊर्जा विभाग की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि किसी उपभोक्ता की गलती नहीं है तो उसका बिजली कनेक्शन किसी भी स्थिति में न काटा जाए। उन्होंने ऊर्जा मंत्री और पावर कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक को खुद फील्ड में जाकर व्यवस्था देखने और शिकायतों का मौके पर निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निर्बाध, गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी बिजली आपूर्ति सरकार की प्राथमिकता है। स्मार्ट मीटरिंग, बिलिंग प्रणाली और उपभोक्ता सेवाओं को भरोसेमंद बनाना होगा। सभी टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर पूरी तरह सक्रिय रहें और शिकायतों का समयबद्ध समाधान किया जाए।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में उपभोक्ताओं की संख्या 2017 के 1.65 करोड़ से बढ़कर 2026 में 3.71 करोड़ हो गई है। इस दौरान बिजली भार में 80 प्रतिशत और ऊर्जा बिक्री में 63 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वर्तमान में कुल ऊर्जा बिक्री 1.27 लाख मिलियन यूनिट से अधिक है। मुख्यमंत्री ने ट्रांसफार्मर बदलने की प्रक्रिया को तेज करने, बिजली लाइनों के आधुनिकीकरण और भूमिगत केबलिंग को गति देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कहीं भी उपभोक्ता को अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए।

विजिलेंस कार्रवाई में बरतें संवेदनशीलता

मुख्यमंत्री योगी ने विजिलेंस कार्रवाई में भी संवेदनशीलता बरतने को कहा है। गर्मी के मौसम को देखते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पीक डिमांड के समय बिजली आपूर्ति में कोई कमी नहीं आनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने 'पीएम कुसुम योजना' के तहत सोलर पंपों को बढ़ावा देने और हरित ऊर्जा परियोजनाओं को समयबद्ध पूरा करने के निर्देश दिए।

आपदा प्रभावित जिलों का किया हवाई सर्वे

उप मुख्यमंत्री पाठक और कृषि मंत्री शाही ने किसानों को जल्द राहत के दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में हालिया असामयिक वर्षा, तेज हवाओं और चक्रवात से फसलों को हुए नुकसान के बीच सरकार ने राहत कार्य तेज कर दिए हैं। इसी क्रम में उप मुख्यमंत्री ब्जेरश पाठक और कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने गुरुवार को प्रभावित जिलों का हवाई सर्वेक्षण किया।

दोनों मंत्रियों ने बाराबंकी, अयोध्या, अंबेडकरनगर, आजमगढ़, अमेठी, सुल्तानपुर, फतेहपुर, उन्नाव और लखनऊ सहित कई जनपदों का दौरा कर फसल क्षति का आकलन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सर्वेक्षण कार्य तेजी से पूरा कर प्रभावित किसानों को शीघ्र राहत राशि उपलब्ध कराई जाए।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार किसानों के साथ खड़ी है और हर संभव आर्थिक सहायता दी जाएगी।

हवाई सर्वेक्षण के बाद आजमगढ़ और फतेहपुर में समीक्षा बैठकें भी आयोजित की गईं, जिनमें जिलाधिकारियों व कृषि अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि फसल नुकसान का सही आकलन कर जल्द रिपोर्ट शासन को भेजी जाए, ताकि राहत वितरण में देरी न हो।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के साथ वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करते कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही।

फसलों की सुरक्षा को लेकर एडवाइजरी जारी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में बेमौसम बारिश और कुछ जिलों में आगजनी की घटनाओं के बीच कृषि विभाग ने किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की है। विभाग ने खेत-खलिहानों में फसल की सुरक्षा को लेकर सतर्क रहने और विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। कृषि विभाग ने निर्देश दिया है कि खलिहानों में सिगरेट, बीड़ी या अन्य ज्वलनशील पदार्थों का उपयोग न करें, क्योंकि इससे आग लगने की घटनाएं बढ़ सकती हैं। विभाग ने जनपदों में तैनात कृषि अधिकारियों को भी किसानों से लगातार संपर्क में रहकर उन्हें जागरूक करने के निर्देश दिए हैं। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि कटाई और मड़ाई के दौरान विशेष सतर्कता जरूरी है। किसानों को सलाह दी गई है कि यदि खड़ी फसल भीग गई है तो उसे एक-दो दिन सूखने दें। कटाई के बाद खेत में पड़ी फसल में पानी न ठहरने दें और बोझ बांधकर खड़ा करें। खलिहान में भीगी फसल को खोलकर धूप और हवा लगने दें, ताकि वह जल्दी सूख सके। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि अनाज के दाने भीग गए हैं तो उन्हें तभी भंडारित करें, जब उनमें नमी 10 प्रतिशत तक रह जाए। साथ ही भंडारण से पहले गोदाम, बखारी, बोरे और दीवारों का धूम्रीकरण (फ्यूमिगेशन) कर लेना चाहिए, ताकि अनाज सुरक्षित और कीटमुक्त रह सके।

570 पर्यटन परियोजनाओं के लिए 687 करोड़ जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मंदिरों और ऐतिहासिक स्थलों का होगा विकास

अमृत विचार : उप्र. पर्यटन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के तहत 570 पर्यटन विकास परियोजनाओं के लिए करीब 687 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की है। इन योजनाओं का उद्देश्य प्रदेश के मंदिरों, धामों और ऐतिहासिक स्थलों का सौंदर्यीकरण और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि यह अभियान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है। इससे न केवल श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। आगरा जिले में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को प्राथमिकता दी गई है। बटेश्वर धाम में घाट विकास के लिए 19 करोड़ और प्रवेश द्वार निर्माण के लिए 5 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। वहीं, अटल बिहारी वाजपेयी की जन्मस्थली के विकास के लिए 2 करोड़ रुपये मंजूर हुए हैं। इसके अलावा कैला माता मंदिर, शीतलाकुंड धाम, गुरु का ताल गुरुद्वारा और अन्य धार्मिक स्थलों के विकास के लिए भी बजट आवंटित किया गया है।

12 आईपीएस और 35 पीपीएस अधिकारियों के तबादले

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नोएडा कमिश्नरेट की ट्विंकल जैन लखनऊ की एडीसीपी बनीं
- लखनऊ के ऋषभ रुनवाल को एएसपी नक्सल सोनभद्र बनाया गया

अमृत विचारः शासन ने गुरुवार देर शाम को 12 आईपीएस और 35 पीपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिये हैं। जारी सूची में नोएडा कमिश्नरेट में एडीसीपी रही ट्विंकल जैन को लखनऊ और लखनऊ उत्तरी में एडीसीपी रहे ऋषभ रुनवाल को एएसपी नक्सल सोनभद्र बनाया गया है।

जारी आदेश के अनुसार, सागर जैन एएसपी ग्रामीण सहारनपुर से एडीसीपी प्रयागराज, मनोज कुमार रावत एएसपी पूर्वी गोंडा को संभल दक्षिणी, आयुष विक्रम सिंह को एएसपी सिटी मेरठ से बहराइच, विनायक गोपाल भोंसले को सीतापुर से मेरठ, अंतरिक्ष जैन को मेरठ से बुलंदशहर, लिपि नागयाच को गाजियाबाद कमिश्नरेट से वाराणसी का एडीसीपी, राजकुमार मीणा को प्रयागराज से मीरजापुर नक्सल एएसपी, अलोक कुमार को संभल से प्रतापगढ़, एडीसीपी वाराणसी डॉ. ईशान सोनी को एएसपी जालौन और एएसपी अलीगढ़ मयंक पाठक को सहारनपुर का एएसपी ग्रामीण बनाया गया है।

वहीं 35 पीपीएस अधिकारियों में आलोक कुमार सिंह को बहराइच से एसडीआरएफ मुख्यालय लखनऊ का उपसेनानायक, संजीव कुमार सिन्हा एएसपी रायबरेली को पुलिस मुख्यालय, आलोक सिंह-3 को एसीपी प्रयागराज से एएसपी रायबरेली, अजीत कुमार रजक को जौनपुर से एएसपी गोंडा, डॉ. तेजवीर सिंह को बुलंदशहर से अंबेडकरनगर, श्याम देव को एएसपी अंबेडकरनगर से 12वीं वाहिनी पीएसी उपसेनानायक फतेहपुर, मनीष कुमार मिश्र को मीरजापुर से अलीगढ़, शैलेंद्र लाल को प्रतापगढ़ से उन्नाव, एडीसीपी लखनऊ जया शांडिल्य को एएसपी अभिसूचना मेरठ, कृष्ण कांत सरोज को एएसपी अभिसूचना मेरठ से एएसपी विशेष जांच शाखा लखनऊ, प्रदीप कुमार वर्मा को जालौन से उपसेनानायक 2वीं वाहिनी पीएसी सीतापुर, राजेश कुमार पांडेय-2 को कानपुर देहात से एडीसीपी गाजियाबाद कमिश्नरेट, अवनीश कुमार मिश्र को मथुरा से पीएसी मुख्यालय लखनऊ, श्वेता कुमारी यादव को एडीसीपी गाजियाबाद से एएसपी मथुरा, कृपा शंकर को बलिया से एएसपी कानून-व्यवस्था शाखा डीजीपी मुख्यालय, स्नेहा तिवारी चंदौली से एएसपी बलिया, राघवेंद्र कुमार मिश्रा को मेरठ से उपसेनानायक 2वीं वाहहिनी एसएसएफ गोरखपुर, राजेश कुमार श्रीवास्तव एएसपी केंद्रीय भंडारण सीतापुर से एएसपी यातायात मेरठ, विवेक त्रिपाठी एएसपी यातायात आजमगढ़ से केंद्रीय भंडारण सीतापुर, अभिषेक कुमार सिंह को एटीएस लखनऊ से एएसपी बदायूं, शंकर प्रसाद को बुलंदशहर से पुलिस अकादमी मुरादाबाद, पियूष कांत राय को एडीसीपी आगरा से एएसपी चित्रकूट, सत्यपाल सिंह को चित्रकूट से एएसपी पीटीसी मुरादाबाद, आलोक प्रसाद को एएसपी सीतापुर से कानपुर देहात, अरुण कुमार सिंह-2 को फतेहगढ़ से एएसपी यातायात निदेशालय लखनऊ, गिरीश कुमार सिंह को एडीसीपी आगरा से एएसपी फतेहगढ़, राहुल मिठास को मैनपुरी से एएसपी तकनीकी सेवाएं लखनऊ, अभिषेक तिवारी को मेरठ से एएसपी मैनपुरी, महेंद्र पाल सिंह को फतेहपुर से सीआईडी सेक्टर लखनऊ का सेक्टर ऑफिसर बनाया गया है। इसी तरह ज्ञान प्रकाश राय को एडीसीपी गाजियाबाद से एएसपी फतेहपुर, सतीश चंद्र शुक्ला एएसपी भदोही को एएसपी आपरेशन चंदौली, प्रेमचंद एएसपी उन्नाव को एएसपी राज्य मानवाधिकार आयोग लखनऊ और अभिषेक प्रताप अजेय को एएसपी कन्नौज से बुलंदशहर का एएसपी नगर बनाया गया है।

कृषि विज्ञान कांग्रेस में नई चुनौतियों पर मंथन, आधुनिक, टिकाऊ और लाभकारी खेती पर जोर

अमृत विचार, लखनऊ : कृषि वैज्ञानिकों ने गन्ना आधारित फसल प्रणाली में हल्दी, मूंग, काली मिर्च और अजवाइन जैसी अंतः फसलों को शामिल करने को लाभकारी बताया। मृदा स्वास्थ्य सुधार के लिए जैव-उर्वरक आधारित पोषक तत्व प्रबंधन और कार्बनिक कार्बन बढ़ाने पर बल दिया गया।

कृषि वैज्ञानिक, भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में आयोजित छठवीं उत्तर प्रदेश कृषि विज्ञान कांग्रेस के दूसरे दिन गुरुवार को सात तकनीकी सत्रों में खेती की नई चुनौतियों पर व्यापक मंथन कर रहे थे। "विकसित कृषि विकसित भारत @2047" विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने आधुनिक, टिकाऊ और लाभकारी खेती पर जोर दिया।

तकनीकी सत्रों में प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य, जलवायु सहिष्णु फसल किस्मों के विकास, जैविक तनाव प्रबंधन और फार्म मशीनीकरण जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने कृषि को केवल उत्पादन तक सीमित न रखकर उसे व्यवसाय के रूप में विकसित करने, मार्केटिंग, वैल्यू एडीशन और पैकेजिंग पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई। "खेत एक फसल अनेक" की अवधारणा को अपनाने की भी संस्तुति की गई। इसके साथ ही पोषण सुरक्षा पर जोर देते हुए बेबी फूड में गाजर, आम और अमरूद पाउडर के उपयोग तथा आंवला, जामुन जैसे उत्पादों के प्रसंस्करण को बढ़ावा देने की सलाह दी गई। विशेषज्ञों ने जलवायु अनुकूल खेती और नई तकनीकों के जरिए कृषि को अधिक उत्पादक, सुरक्षित और लाभकारी बनाने पर बल दिया।

विवाद के बाद यूपी लौटे आईएएस अनुराग यादव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- चुनाव आयोग ने मुख्य सचिव को भेजा पत्र, कार्रवाई संभव
- वर्चुअल बैठक में सीईसी से बहस के बाद पर्यवेक्षक पद से हटाए गए

अनुराग यादव

अमृत विचारः पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान विवादों में आए यूपी कैडर के वरिष्ठ आईएएस अनुराग यादव को चुनाव आयोग ने वापस बुला लिया है। वह लखनऊ लौट आए हैं और उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, चुनाव आयोग ने इस मामले में उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव को पत्र भेजा है, जिसमें आगे की कार्रवाई का संकेत दिया गया है। हालांकि, इस पर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि अनुराग यादव को पश्चिम बंगाल के कूच बिहार दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में सामान्य पर्यवेक्षक के रूप में तैनात किया गया था। चुनाव तैयारियों को लेकर आयोजित एक उच्चस्तरीय वर्चुअल बैठक के दौरान उनसे क्षेत्र के पोलिंग बूथ की संख्या पूछी गई, जिसका वह तुरंत सटीक जवाब नहीं दे पाए।

इसी दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त से उनकी तीखी बहस हो गई। बताया जाता है कि उन्होंने बैठक में आपत्ति जताते हुए कहा कि "आप इस तरह बात नहीं कर सकते", जिसके बाद मामला और बढ़ गया। घटना के बाद चुनाव आयोग ने उन्हें पर्यवेक्षक पद से हटाते हुए तत्काल वापस लौटने के निर्देश दिए। अनुराग यादव प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारी हैं और वर्तमान में उत्तर प्रदेश में अहम जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। इस घटनाक्रम के बाद प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारों में इस मामले की चर्चा है।

बढ़ते कदम

'सीएम युवा' योजना बनी गेमचेंजर

नवाचार से प्रदेश के हजारों युवा बने उद्यमी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 10 हजार से अधिक स्टार्टअप नए सत्र में ढाई गुना लक्ष्य
- फूड, डिजिटल, ट्रेनिंग और सर्विस सेक्टर में युवाओं का रुझान

अमृत विचारः योगी आदित्यनाथ सरकार की 'सीएम युवा' पहल ने प्रदेश में स्टार्टअप इकोसिस्टम को जमीनी स्तर पर मजबूत करते हुए इनोवेशन यानी नवाचार आधारित कारोबार को नई गति दी है। अब युवा नौकरी तलाशने के बजाय खुद रोजगार सृजित करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

प्रदेश में अब तक 10 हजार से अधिक इनोवेटिव उद्यम स्थापित हो चुके हैं। अधिकारियों के अनुसार, कुल स्थापित उद्यमों में करीब 10 प्रतिशत इनोवेटिव मॉडल पर आधारित हैं, जिसे चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में 25 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। 'सीएम युवा' योजना के तहत युवाओं को न केवल वित्तीय सहायता मिल रही है, बल्कि उन्हें बाजार, तकनीक और बिजनेस मॉडल की समझ भी दी जा रही है।

उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक ने 2133 इनोवेटिव उद्यमों को वित्तपोषित कर सबसे आगे स्थान बनाया है। इसके अलावा एसबीआई (1549), बीओबी (1170), पीएनबी (1018) समेत अन्य बैंकों ने भी बड़े पैमाने पर ऋण देकर युवाओं के सपनों को हकीकत में बदलने में मदद की है।

नए सेक्टरों में बढ़ा भरोसा, बदल रही सोच

प्रदेश में स्टार्टअप का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। फूड और रेस्टोरेंट सेक्टर में सर्वाधिक 763 उद्यम स्थापित होना इस बदलाव का बड़ा संकेत है। इसके अलावा कंप्यूटर ट्रेनिंग (370), पैथोलॉजी सैंपलिंग (260), फास्ट फूड (253), फ्रेंचाइजी मॉडल (253) और ऑनलाइन टीचिंग (189) में भी तेजी देखी जा रही है। जिम, मोबाइल आईटी प्लेटफॉर्म, ट्रैवल एंड टूरिज्म और क्लाउड किचन जैसे उभरते क्षेत्रों में भी युवाओं की सक्रियता बढ़ी है।

जिलों में प्रतिस्पर्धा, लखनऊ सबसे आगे

जनपदवार आंकड़ों में राजधानी लखनऊ 287 इनोवेटिव उद्यमों के साथ शीर्ष पर है। इसके बाद आजमगढ़ (286) और हरदोई (262) दूसरे व तीसरे स्थान पर हैं। जौनपुर, अंबेडकर नगर, कानपुर, वाराणसी और रायबरेली जैसे जिले भी तेजी से इस दौड़ में आगे बढ़ रहे हैं।

सेवानिवृत्त इंजीनियरों को समयबद्ध पेंशन देने की नई व्यवस्था

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने सेवानिवृत्त इंजीनियरों को समय पर पेंशन भुगतान सुनिश्चित करने के लिए नई व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए हैं। शासन स्तर पर स्पष्ट किया गया है कि पेंशन मामलों में देरी या त्रुटि किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं होगी और सभी लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाएगा। सरकार का फोकस इस बात पर है कि रिटायरमेंट के बाद कर्मचारियों को अपने ही हक के लिए भटकना न पड़े। इसके लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि पेंशन स्वीकृति, भुगतान और अन्य देयकों की प्रक्रिया को समयबद्ध और पारदर्शी बनाया जाए।

न्यूज ब्रीफ

ट्रैवेल्स कार्यालय में घुसकर युवक को पीटा

अमृत विचार, सरोजनीनगर : थाना क्षेत्र के शहीद पथ स्थित महालक्ष्मी ट्रैवेल्स के आपरेटर राहुल ने राजस्थान के जयपुर निवासी दीपक सिंह और संत कबीर नगर निवासी आदित्य राय पर कार्यालय में घुसकर मारपीट और धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित राहुल ने बताया कि 7 अप्रैल की रात करीब 10 :30 बजे वह अपने कार्यालय में काम कर रहा था। उसी दौरान आदित्य राय और दीपक सिंह वहां पहुंचे और बिना किसी कारण गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि राहुल के विरोध करने पर आदित्य राय ने क्रिकेट बैट से उस पर हमला कर दिया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। जबकि दीपक सिंह गाली-गलौज करते हुए पूरी घटना का वीडियो बनाता रहा।

महिला से छेड़छाड़ व युवक का तोड़ा हाथ

अमृत विचार, बख्शी का तालाब : थाना क्षेत्र के चंद्रिका देवी चौकी अंतर्गत कठवारा गांव में महिला से छेड़छाड़ और बचाने आए युवक को मारपीट कर हाथ तोड़ने के मामले में चौकी प्रभारी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। पीड़िता का आरोप है कि 4 अप्रैल को हुई घटना की शिकायत के बाद भी चौकी स्तर से कोई कार्रवाई नहीं की गई। यही नहीं पुलिस ने मेडिकल तक नहीं कराया। चौकी प्रभारी शशि प्रकाश सिंह तहरीर देकर टालमटोल करते रहे। बुधवार को पीड़िता ने प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह को दोबारा शिकायत दी, तब जाकर मामले ने तूल पकड़ा। प्रभारी निरीक्षक ने तत्काल चौकी प्रभारी को कड़ी फटकार लगाई और एफआईआर दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए।

जिम से निकले युवक की पिटाई

अमृत विचार, माल : कस्बा में ब्लॉक कार्यालय के बगल में दूसरी मंजिल पर स्थित जिम से कसरत कर बाहर निकले सोलह वर्षीय करन पर यश सिंह व सक्षम सिंह ने हमला कर दिया। आरोपियों ने उसे जमकर पीटा और धमकाते हुए भाग निकले। कस्बा निवासी दुर्गेश पांडेय ने माल थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है।

सोशल मीडिया पर छात्रा को किया बदनाम

अमृत विचार, लखनऊ : दुबग्गा में सोशल मीडिया के माध्यम से छात्रा को सार्वजनिक रूप से बदनाम किया गया। पीड़िता ने बताया कि 7 अप्रैल को चिरमिरी छत्तीसगढ़ की जीनत खान ने उनके व्हाट्सएप नंबर पर आपत्तिजनक और अभद्र संदेश भेजे। मैसेज में उनके चरित्र पर सवाल उठाए गए। यही नहीं अगले दिन आरोपी ने व्हाट्सएप स्टेटस और इंस्टाग्राम स्टोरी पर पीड़िता को टैग करते हुए अपमानजनक और भ्रामक पोस्ट साझा किए। साथ ही भाई-बहन के रिश्ते को लेकर भी आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

जेवर के साथ तीन चोर धरे गए

अमृत विचार, लखनऊ : सआदतगंज के फाजिलनगर में घर में चोरी करते युवक और दो किशोरों को लोगों ने पकड़कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया। आरोपियों के पास से पुलिस ने करीब तीन लाख के जेवर बरामद किए हैं। पुलिस ने वसी हुसैन की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। आरोपी आमिर उर्फ शालू थाना क्षेत्र के रूस्तमनगर का रहने वाला है।

शराब ठेके के पास मिला युवक का शव

अमृत विचार, लखनऊ : ठाकुरगंज के भुंवर इलाके के चौरसिया विहार में गुरुवार को शराब ठेके के पास राजीव कुमार (36) का शव पड़ा मिला। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव की शिनाख्त कराई। मौके पर पहुंची पूजा ने शव की पहचान पति राजीव के रूप में की। उन्होंने बताया कि पति मजदूरी करते थे। बुधवार सुबह पति काम पर जाने के लिए निकले थे। इसके बाद वह नहीं लौटे। घरवालों ने किसी भी आरोप से इंकार किया है।

मंडी में आग से 20 दुकानें जलीं, सिलेंडरों में धमाके

कृष्णानगर में फिनिक्स मॉल के पीछे बाराबिरवा में धुआं और लपटें देख मची भगदड़, तीन घंटे में कर पाए आग पर काबू

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

कृष्णानगर में फिनिक्स मॉल के पीछे बाराबिरवा में दुकानों में धधकती आग और पास में लगी लोगों की भीड़। अमृत विचार

अमृत विचार: कृष्णानगर में फिनिक्स मॉल के पीछे मंडी में गुरुवार रात एक फल की दुकान में आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग की लपटों में आकर आसपास की सब्जी, कपड़े, जूते-चप्पल और फॉस्ट फूड की दुकानें जलने लगी। धुआं और आग की लपटें देख मंडी में चीखपुकार और भगदड़ मच गयी। आग की तपिश से फॉस्ट फूड दुकानों में रखे सिलेंडर फटने से ताबड़तोड़ धमाके हुए। धमाकों की आवाज सुनकर लोग सहम गए। आग की चपेट में आने से करीब 20 से अधिक दुकानें जलकर बर्बाद हो गयी। मौके पर पहुंची दमकल की 10 गाड़ियों की मदद से करीब तीन घंटे की मशक्कत कर आग पर काबू पाया गया।

बताया जा रहा है कि फिनिक्स मॉल के पीछे बाराबिरवा में सब्जी व फल की मंडी है। दुकानदारों ने बताया कि रात करीब 10 बजे व्यापारी अपनी दुकानें बढ़ा रहे थे। इस बीच अचानक गोपाल की दुकान में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। शोर होने पर दुकानदारों ने पानी फेंककर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। आग बेकाबू होते देख लोगों ने पुलिस कंट्रोल रूम पर सूचना दी। जब तक आग बुझाने के अन्य प्रयास तलाशते, लपटों ने दुर्गेश, सुनील, लाला, संतोष, असलम, राजेश, पम्मी व अन्य की दुकान को अपनी चपेट में ले लिया।आग की तेज लपटें देख मंडी में अफरा-तफरी मच गई। तपिश के चलते पड़ोस स्थित फॉस्ट फूड रेस्टोरेंट में रखा सिलेंडर तेज धमाके के साथ फट गया। आग से जूते-चप्पल, कपड़े, फल, अनाज सब्जी और मसालों की दुकानें जलने लगी। मंडी में बड़ी मात्रा में प्लास्टिक की बोरियां, गत्ते और अन्य ज्वलनशील सामग्री मौजूद होने के कारण आग ने कुछ ही मिनटों में भीषण रूप धारण कर लिया।

आग की सूचना मिलते ही डीसीपी साउथ अमित कुमार आनंद, एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा, इंस्पेक्टर कृष्णानगर पीके सिंह मौके पर पहुंचे। सूचना के करीब घंटे भार बाद दमकल कर्मी पहुंचे। दमकल कर्मियों ने फायर फाइटिंग शुरू की। आग से हालात बिगड़ते देख हजरतगंज, सरोजनीनगर, बीकेटी, आलमबाग और पीजीआई फायर स्टेशन से भी गाड़ियां बुलवाई गई। करीब 10 गाड़ियों की मदद से दमकल कर्मियों ने तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया।

सीएफओ अंकुश मित्तल ने बताया कि मंडी में करीब 200 दुकानें हैं, जिसमें 20-25 दुकानें जली हैं। शुरुआती जांच में आग शार्ट सर्किट के कारण लगने की आशंका है। हालांकि विस्तृत जांच जारी है। व्यापारी नेता शौकत अली ने बताया कि फिलहाल 20 से 25 लाख रुपये के नुकसान का अंदाजा लगाया जा रहा है।

65 दमकलकर्मियों ने बनाईं आठ टीमें

- सीएफओ ने बताया कि 65 दमकल कर्मियों ने अलग-अलग बंटकर आठ टीमें बनाई। जिसके बाद बचाव कार्य शुरु किया। सीएफओ ने बताया कि इस दौरान मेट्रो स्टेशन व होटल से पानी की मदद ली गई है। स्थानीय महिला व्यापारी पम्मी ने बताया कि आग लगने के दौरान व्यापारी दुर्गेश ने काबू पाने का प्रयास किया था, जिसमें वह चोटिल हो गए। लोगों का आरोप है कि सूचना के एक घंटे बाद दमकल कर्मी पहुंचे थे।

आग पर काबू करता दमकल कर्मी।

एक घंटे देर से पहुंची दमकल, हुआ हंगामा

- सूचना के एक घंटे बाद दमकल के पहुंचने पर दुकानदारों ने हंगामा किया। बवाल बढ़ता देख एसीपी और इंस्पेक्टर ने दुकानदारों को समझाकर शांत कराया। इसके बाद दमकल कर्मियों के साथ दुकानदार भी आग बुझाने में जुट गए। दुकानदार हौज पाइप लेकर शटर के अंदर से आग बुझाते रहे। इस दौरान एक-दो दुकानदारों को मामूली चोट भी लगी।

टट्टर तोड़कर निकाला सामान

आग की लपटों के बीच व्यापारियों ने दुकानों के टट्टर तोड़कर अंदर रखा माल निकालने की कोशिश करने लगे। कुछ दुकानदारों ने तो थोड़ा बहुत सामान निकाल लिया, लेकिन कई की नकदी और माल समेत सब कुछ जलकर बर्बाद हो गया। अपनी दुकानें जलती देख महिला व्यापारी पम्मी समेत अन्य दुकानदार रो रहे थे तो कुछ किस्मत को कोस रहे थे। आग बुझने के बाद दुकानदार अंदर पहुंचे तो सब कुछ जला हुआ मिला।

रुपये और मोबाइल छीनने के विरोध में दोस्त ने की थी हत्या

अमृत विचार: निगोहां: नंदौली गांव में मजदूर रैंकिश रावत की हत्या 600 रुपये और मोबाइल छीनने के विरोध में साथी ने की थी। निगोहां पुलिस ने हत्याकांड का खुलासा करते हुए आरोपी धनराज उर्फ टाटू को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में सामने आया कि नशेबाजी के दौरान विवाद होने पर आरोपी ने रैंकिश के रुपये और मोबाइल छीन लिया था। विरोध करने पर आरोपी ने लात-घूंसों से पीटकर उसे मार डाला था। पुलिस ने आरोपी धनराज को जेल भेज दिया।

एसीपी मोहनलालगंज विकास पांडेय ने बताया कि 6 अप्रैल की रात रैंकिश (22) साथी धनराज और नंदकिशोर के साथ मजदूरी कर लौट रहा था। उतरठिया में तीनों ने शराब पी, फिर ऑटो से निगोहां पहुंचे। वहां मेडिकल स्टोर से दवा लेकर नंदकिशोर ऑटो से घर चला गया। धनराज व रैंकिश दोबारा शराब पीने निगोहां के देशी शराब के ठेके पर पहुंच गए। वहां रैंकिश ने अपनी पूरी शराब जल्दी से पी ली। उसके बाद धनराज का पैग पीने लगा। इस पर धनराज ने रैंकिश से बचे 600 रुपये व उसका मोबाइल ले लिए। रैंकिश ने विरोध किया तो उसे पीटने लगा। कुछ ग्रामीणों ने बीच बचाव करा दिया। ग्रामीणों के जाने के बाद धनराज ने जमीन पर पटककर इस कदर पीटा कि रैंकिश की मौत हो गई। शव को बेनीगंज मार्ग किनारे फेंककर भाग गया। पोस्टमार्टम में शरीर पर 10 चोटें मिली थीं। मृतक के भाई लवकुश की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की थी।

महिला की हत्या कर खेत में फेंका शव, दुष्कर्म की आशंका

संवाददाता, काकोरी

- कपड़े अस्त-व्यस्त, शरीर पर कई जगह मिले चोट के निशान
- पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर की जांच
- शिनाख्त नहीं हो पाई, आसपास के जिलों को भेजी गई सूचना

अमृत विचार: इब्राहिमपुर मदारपुर गांव के बाहर खेत में गुरुवार को महिला का खून से लथपथ शव मिला। उसके दोनों हाथ बंधे और कपड़े अस्त-व्यस्त थे। ग्रामीणों ने दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका जताई है। सिर और शरीर पर कई जगह चोटें भी थीं। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। डीसीपी पश्चिम कमलेश दीक्षित ने बताया कि पोस्टमॉर्टम के बाद ही स्थिति साफ हो सकेगी। शव की शिनाख्त के प्रयास किया जा रहा है।

इब्राहिमगंज मदारपुर गांव के बाहर सड़क किनारे रफीक के खेत में गुरुवार को ग्रामीणों ने एक महिला (35) का खून से लथपथ शव पड़ा देखा। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी प्रधान शकील अहमद को दी। प्रधान की सूचना पर काकोरी पुलिस मौके पर पहुंच गई। कुछ ही देर में ग्रामीणों की भीड़ भी जुट गई। ग्रामीणों ने बताया कि महिला का शव एक कथरी में लिपटा था। कथरी खून लथपथ थी। महिला के कपड़े अस्त-व्यस्त थे। ग्रामीणों ने दुष्कर्म की आशंका जताई है। कुछ देर बाद डीसीपी पश्चिम कमलेश दीक्षित, एसीपी काकोरी शकील अहमद पारा, दुबग्गा पुलिस के अलावा फॉरेंसिक टीम भी पहुंच गई। मृतका की शिनाख्त नहीं हो सकी। डीसीपी पश्चिम ने बताया कि महिला के सिर व शरीर के अन्य हिस्सों पर चोटें हैं। सिर और कई चोटों से खून भी निकल रहा था। पूरे शरीर पर नीले निशान पड़े हुए थे। ग्रामीणों का कहना है कि महिला को प्रताड़ित करने के बाद हत्या की गई है। शव के पास प्लास्टिक पाइप और ईंट मिली भी है। आशंका है कि उसी पाइप से पीटने के बाद सिर पर ईंट या किसी अन्य भारी चीज से वार कर हत्या की गई है। इंस्पेक्टर काकोरी सतीश चंद्र राठौर ने बताया कि महिला शादीशुदा लग रही है। उसके पैर में बिछिया, पायल और दोनों हाथों में चूड़ी ओर कंगन थे। पहचान के लिए सोशल मीडिया पर फोटो अपलोड करने के साथ जिले और पड़ोसी जिलों में सूचना व फोटो भेजी गई है। इंस्पेक्टर सतीश चंद्र राठौर ने बताया कि मामले की पड़ताल की जा रही है।

महिला के शव मिलने के बाद जांच करते पुलिस अधिकारी।

हत्यारों से किया था संघर्ष

- बताया जा रहा है कि मृतका के दोनों हाथ बंधे हुए थे। शरीर पर मैक्सी थी, जबकि पास ही काला पेटीकोट और दुपट्टा पड़ा हुआ था। परिस्थितिजन्य साक्ष्यों से लग रहा था कि महिला ने हत्यारों से काफी संघर्ष किया होगा। शरीर पर काफी खरोंचे भी थीं। शुरुआती जांच के आधार पर पुलिस का मानना है कि हत्या कहीं और करके किसी वाहन से शव को लाकर यहां फेंका गया है। महिला नंगे पैर थी। पुलिस को घटनास्थल के पास खून से सने पैरों के निशान भी मिले हैं। फॉरेंसिक टीम ने सभी साक्ष्य जुट लिए हैं।

सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही पुलिस

- डीसीपी कमलेश दीक्षित ने बताया कि पुलिस की एक टीम को बुद्धेश्वर चौराहे से किसान पथ होते हुए मोहान रोड तक लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के लिए लगाया गया है। इसके अलावा अन्य टीमें भी कई अन्य स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक कर रहीं हैं। अभी तक करीब 60 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक किए हैं। फुटेज में कुछ संदिग्ध वाहन गुजरते दिखे हैं। उन वाहनों के नंबर के आधार पर पुलिस छानबीन कर रही है। पड़ोसी जिलों उन्नाव, हरदोई, सीतापुर पुलिस से भी संपर्क किया है।

बंथरा में पेड़ से लटका मिला युवक का शव

- **अमृत विचार, सरोजनीनगर :** बंथरा में बुधवार रात एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ में केबल के सहारे लटका मिला। उसकी बाइक और चप्पल घटनास्थल से करीब 500 मीटर दूर मिले। घरवालों ने हत्या की आशंका जताई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इंस्पेक्टर राणा राजेश सिंह ने बताया कि मवई पड़ियाना गांव के पश्चिम तरफ ग्रामीणों ने गांव निवासी राम प्रकाश के ट्यूबवेल के पास पेड़ से युवक का शव लटका देख डायल 112 पर सूचना दी। जांच के दौरान मृतक की पहचान उसकी जेब में मिले आधार कार्ड से माल थाना क्षेत्र के रामनगर निवासी मजदूर निर्मल कुमार रावत (32) के रूप में की। जांच में पता चला कि निर्मल की ससुराल घटनास्थल से करीब चार किलोमीटर दूर अमावा गांव में है। पुलिस ने ससुराल वालों को बुलाकर इस बारे में पूछताछ की तो पता चला कि निर्मल सोमवार को ससुराल आया था। बुधवार सुबह करीब पांच बजे बिना बताए बाइक से निकल गया, जबकि मोबाइल फोन ससुराल में ही छोड़ गया था। इंस्पेक्टर ने बताया कि निर्मल शराब का आदी था।

कट बंद करने पर लोग भड़के, किया प्रदर्शन

संवाददाता, सरोजनीनगर

- एसीपी ने प्रशासन व एनएचआई अधिकारी संग बैठक कर हल निकालने की कही बात

अमृत विचार: थाना क्षेत्र में चिल्लावां गांव जाने वाले मुख्य मार्ग के सामने कानपुर रोड पर बने कट को गुरुवार को ट्रैफिक पुलिस ने बंद करा दिया। एसीपी ट्रैफिक राधा रमन सिंह की मौजूदगी में शाम करीब पांच बजे जेसीबी मशीन से बड़े-बड़े पत्थर रखकर कट को पूरी तरह बंद कर दिया गया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने विरोध जताया, लेकिन एसीपी ट्रैफिक ने भीषण जाम की समस्या के चलते यह कदम उठाने की बात कही।

कट बंद होने की जानकारी मिलते ही स्थानीय व्यापारी आक्रोशित हो उठे। सूचना पाकर उत्तर प्रदेश जनहित व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में व्यापारी मौके पर पहुंच गए और कट के सामने धरने पर बैठकर इसे दोबारा खोलने की मांग करने लगे। व्यापारियों का कहना है कि कट बंद होने से आम लोगों के आवागमन में दिक्कत होगी और बाजार में ग्राहकों की संख्या घटने से व्यापार प्रभावित होगा। हंगामे की जानकारी पर पहुंचे एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा और एसीपी ट्रैफिक राधा रमन सिंह ने व्यापारियों को समझाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं माने। व्यापारियों ने स्थानीय लोगों को सड़क पार करने के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था की मांग की। इसके बाद एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा ने एसडीएम सरोजनी नगर और एनएचएआई अधिकारियों से बात की। जिसके बाद निर्णय लिया गया कि शुक्रवार को सरोजनीनगर एसडीएम, एनएचएआई अधिकारी, एसीपी कृष्णा नगर और एसीपी ट्रैफिक के अलावा व्यापारी नेताओं के साथ सरोजनी नगर थाने पर बैठक कर इस मामले में वार्ता की जाएगी। इसके बाद व्यापारी शांत हुए और धरना प्रदर्शन समाप्त कर दिया।

बताया जाता है कि डिवाइडर में बना यह कट मुख्य रूप से चिल्लावां गांव के लोगों के पैदल आवागमन के लिए छोड़ा गया था। इसके अलावा अवध विहार, तपोवन नगर, आजाद नगर और बंधवा तालाब के निवासी भी इसी रास्ते का उपयोग करते थे। खासकर साप्ताहिक बाजार के दिन मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को यहां भारी भीड़ रहती थी, जिससे जाम की समस्या और गंभीर हो जाती थी।

जिला बदर गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊः छह माह के लिए जिला बदर किए गए अपराधी को विकासनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। एसओ आलोक सिंह ने बताया कि आरोपी रजत चौधरी सेक्टर-एम अलीगंज का रहने वाला है। 31 अक्टूबर 2025 को जिला बदर का आदेश जेसीपी क्राइम ने किया था।

25 लाख की लूट में कई हिरासत में, हवाला से जुड़ा है मामला

अमृत विचार, लखनऊ : विभूतिखंड स्थित में सेवी ग्रैंड होटल के पास चार अप्रैल को निजी कंपनी के कलेक्शन एजेंट निकुल सिंह से 25 लाख की लूट के मामले में जांच कर रही पुलिस को चौंकाने वाली जानकारी मिली है। पड़ताल में सामने आया कि मामला लूट का नहीं बल्कि हवाला से जुड़ा है। गुरुवार को पुलिस ने अर्जुनगंज स्थित एक होटल से नाका निवासी युवक के अलावा कई अन्य संदिग्धों को पकड़ा है। पूछताछ में उनसे कई अहम जानकारियां मिली है। जिसके आधार पर पुलिस वारदात की कड़ियां जोड़ रही है। पुलिस अधिकारियों ने जल्द ही घटना का राजफाश करने का दावा किया है। मूल रूप से गुजरात निवासी निकूल सिंह यहां विभूतिखंड में रहते हैं। वह रिवर व्यू आर्केड शापिंग माल स्थित मरकुलिक्स बिजनेज सॉल्यूशन कंपनी में कलेक्शन एजेंट हैं। उन्होंने ही 4 अप्रैल को 25 लाख की लूट की रिपोर्ट दर्ज करायी थी। उन्होंने बताया था कि वह विभूतिखंड स्थित विश्वरूपा इंफ्राटेक कंपनी से रुपयों का कलेक्शन कर स्कूटी से अपने आफिस जा रहे थे। इस बीच सेवी ग्रांड होटल के पास स्कार्पियो सवार बदमाशों ने उनकी स्कूटी में टक्कर मारकर गिराया। फिर मारपीट कर रुपये से भरा बैग लूट ले लिया था। केस पर क्राइम ब्रांच समेत 10 टीमें लगाई गई है। सीसीटीवी कैमरे में बिना नंबर की स्कार्पियो दिखी थी।

आवास का झांसा देकर हड़पे साढ़े चार लाख

- अमृत विचार, निगोहां : प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर 29 ग्रामीणों से लाखों रुपये की ठगी की गयी। पीड़ितों ने मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजकर न्याय की गुहार लगाई। साथ ही आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की है। निगोहां के लालता खेड़ा मजरा रामदासपुर के ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के ही एक व्यक्ति की रिश्तेदार खुद को मोहनलालगंज चेयरमैन प्रतिनिधि का करीबी बताती थी। वह अक्सर गांव आती थी। महिला और उसके पति ने आवास दिलाने का भरोसा देकर करीब साढ़े चार लाख रुपये ऐंठ लिए।

नुकसान

कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ विज्ञानी ने दी दवा का छिड़काव करने की सलाह

आम में फैलने लगा दहिया रोग, घटेगा उत्पादन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : जिले में आंधी और बारिश से आम व गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचा है। इससे फसल की गुणवत्ता खराब होने के साथ पैदावार भी कम हो जाएगी। आम की फसल में दहिया रोग भी फैलने लगा है।

मलिहाबाद आम बेल्ट में सबसे ज्यादा नुकसान की आशंका जताई गई है। बागवान सचिन यादव ने बताया कि इस वर्ष फसल अच्छी आई थी, लेकिन आंधी-बारिश से 60 फीसद से अधिक नुकसान हुआ है। पेड़ में फफूंदी की तरह दहिया रोग फैलने लगा है। इससे बची फसल को भी नुकसान पहुंचेगा। बागवान पद्मश्री हाजी कलीम उल्ला खान ने फसल के चिंता जताई। उन्होंने कहा कि, लगातार बारिश से पेड़ो में रोगों का खतरा बढ़ गया है। आम के कल्लो में हॉपर नुकसान पहुंचा रहा है। आगे चलकर फंगस और गालमिच का खतरा बढ़ेगा।

कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ विज्ञानी डॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने भी माना कि बारिश से आम की फसल को अधिक नुकसान पहुंचा है। दहिया के अलावा कीटरोग लगेंगे। इसकी रोकथाम के लिए बागवान एक लीटर पानी में 1 एमएल प्रोपिकोनाजोल और 0.3 एमएल इमिडाक्लोप्रिड दोनों मिलाकर एक बार पेड़ों पर स्प्रे करें।

खेत पर किसान से जानकारी करते जिला कृषि अधिकारी तेग बहादुर सिंह।

गेहूं सूखने पर करें कटाई

- गुरुवार को जिला कृषि अधिकारी तेग बहादुर सिंह ने क्षेत्रों में सर्वे किया। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ विज्ञानी डॉ. अखिलेश कुमार द्विवेदी भी क्षेत्रों में निकले। उन्होंने आम और गेहूं की फसल में अधिक नुकसान होना बताया। कहा कि आंधी से खेतों पर बिछी गेहूं की फसल भीगने से बर्बाद हुई है। इसे बचाना मुश्किल है। इससे गेहूं की गुणवत्ता खराब होगी और उत्पादन कम होगा। फिलहाल किसान नमी रहते कटाई न करें। इससे भूसा भी खराब होगा।

शुल्क वृद्धि पर नोडल अफसर से करें शिकायत

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

- जिलाधिकारी ने ली जिला शुल्क नियामक समिति की बैठक

अमृत विचार : जिलाधिकारी विशाख जी की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला शुल्क नियामक समिति की बैठक हुई। जिलाधिकारी ने एडीएम आपूर्ति ज्योति गौतम एवं जिला विद्यालय निरीक्षक को जिला शुल्क नियामक समिति का नोडल अधिकारी नामित किया। उन्होंने बताया कि राजधानी के विद्यालयों द्वारा प्रस्तावित शुल्क वृद्धि एवं विद्यालयों से संबंधित शिकायतों के लिए अभिभावक इन अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं। प्राप्त शिकायतो की प्रारंभिक जांच के लिए क्षेत्रीय उप जिलाधिकारी अथवा अपर नगर मजिस्ट्रेट एवं राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यो की संयुक्त टीम का गठन किया गया है। शिकायत सही पाए जाने पर 5 लाख रुपए का अर्थदंड या विद्यालय की मान्यता समाप्त करने की कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी ने सभी अपर नगर मजिस्ट्रेटों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में प्राप्त शिकायतों के आधार पर शिक्षा विभाग के साथ समन्वय स्थापित करते हुए संयुक्त निरीक्षण कराएं तथा अपनी आख्या समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराएं।

जिलाधिकारी एवं जिला शुल्क नियामक समिति के अध्यक्ष विशाख जी ने निर्देश दिया कि प्रत्येक विद्यालय रा अपनी वेबसाइट एवं सूचना पट्ट पर शुल्क का पूर्ण विवरण प्रदर्शित करेगा। किसी भी विद्यालय द्वारा निर्धारित शुल्क से अधिक कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। कैपिटेशन शुल्क पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। प्रत्येक शुल्क के लिए रसीद देना अनिवार्य होगा एवं विद्यार्थियों को किसी विशेष दुकान से सामग्री खरीदने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि विद्यालय पांच शैक्षणिक वर्षों तक यूनिफॉर्म में कोई परिवर्तन नहीं करेंगे। शुल्क वृद्धि के संबंध में स्पष्ट किया कि वर्तमान छात्रों के लिए शुल्क में वृद्धि केवल उपभोक्ता मूल्य सूचकांक एवं छात्र से वसूल किए गए पांच प्रतिशत शुल्क के योग की सीमा से अधिक नहीं होगी। किसी छात्र को पुस्तके, जूता, मोजे व यूनिफार्म आदि किसी विशिष्ट दुकान से क्रय करने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा।

बुनकरों के हित में तैयार करें क्लस्टर आधारित नई कार्य योजना : योगी

उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने तय कीं बुनकरों की आय, सम्मान और स्थायित्व को लेकर प्राथमिकताएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- क्लस्टरों को आधुनिक तकनीक उन्नत उपकरणों और कौशल प्रशिक्षण से जोड़ा जाए

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी ने बुनकरों के लिए परिणामोन्मुख क्लस्टर आधारित नई कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बुनकर केवल परंपरा के संवाहक नहीं, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था के सशक्त आधार हैं। ऐसे में उनकी आय, सम्मान और आजीविका की स्थिरता सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है।

योगी ने गुरुवार को हथकरघा विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक करते हुए कहा कि वर्तमान में बुनकरों के सामने कच्चे माल की बढ़ती लागत, डिजाइन और आधुनिक तकनीक का अभाव तथा सीमित बाजार पहुंच जैसी चुनौतियां हैं। इन समस्याओं का समाधान केवल योजनागत सहायता से नहीं, बल्कि एक सुदृढ़ एवं समन्वित तंत्र विकसित कर ही संभव है। बैठक में क्लस्टर चयन, बेसलाइन सर्वे, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने, प्रभावी क्रियान्वयन तथा सतत अनुश्रवण जैसे पहलुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक क्लस्टर में सीमित संख्या में बुनकरों को संगठित कर पंजीकृत इकाइयों के रूप में विकसित किया जाए, जिससे सामूहिक उत्पादन और विपणन को बढ़ावा मिले। साथ ही, इन क्लस्टरों को आधुनिक तकनीक, उन्नत उपकरणों और कौशल प्रशिक्षण से जोड़ा जाए, ताकि उत्पादों की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार हो। डिजाइन और विपणन को सुदृढ़ बनाने पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्पाद की सफलता बाजार की मांग के अनुरूप होने पर ही संभव है। उन्होंने 'डिजाइनर-कम-मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव' तथा 'डिजाइन हाउस/सोर्सिंग-बाइंग एजेंसी/एक्सपोर्ट हाउस' जैसे संस्थागत तंत्र को प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश दिए।

एमएसएमई मंत्री और उच्चाधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री योगी। अमृत विचार

बिजली बिल में राहत

पॉवरलूम बुनकरों के विद्युत बिल में कमी लाने के लिए हथकरघा विभाग और पावर कॉर्पोरेशन संयुक्त कार्य योजना तैयार करेंगे। मुख्यमंत्री ने सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि इससे बुनकरों की लागत घटेगी और उन्हें दीर्घकालिक राहत मिलेगी।

वैल्यू चेन मॉडल

सरकार हथकरघा क्षेत्र को वैल्यू चेन मॉडल पर विकसित करेगी। क्लस्टर केवल उत्पादन तक सीमित नहीं रहेंगे। बल्कि डिजाइन, ब्रांडिंग, पैकेजिंग और बाजार तक पहुंच को एकीकृत कर बुनकरों को बेहतर मूल्य और स्थायी बाजार उपलब्ध कराया जाएगा।

हरौनी में आरओबी तैयार अब जाम से मिलेगी राहत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- उद्घाटन के लिए रक्षामंत्री राजनाथ को भेजा गया आमंत्रण

अमृत विचारः लखनऊ-कानपुर रेलखंड पर हरौनी रेलवे स्टेशन के पास निर्मित रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) अब पूरी तरह तैयार हो चुका है। इसके उद्घाटन के लिए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को आमंत्रण भेजा गया है। सूत्रों के मुताबिक, 15 अप्रैल को प्रस्तावित कार्यक्रम में वे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हो सकते हैं।

करीब 43.19 करोड़ रुपये की लागत से बना यह आरओबी लगभग 589.30 मीटर लंबा है। इस रेलखंड से प्रतिदिन 100 से अधिक ट्रेनों का संचालन होता है, जिसके चलते रेलवे फाटक अक्सर बंद रहता था और लंबा जाम लग जाता था। इससे राहगीरों, स्कूल बसों और एंबुलेंस को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। आरओबी के शुरू होने से हसनगंज (उन्नाव), हरदोई और सीतापुर रोड की ओर जाने वाले वाहनों की आवाजाही तेज और सुगम हो जाएगी। हरौनी, बनी, मोहान, जुनाबगंज और नारायणपुर सहित आसपास के कई गांवों के लगभग 4 से 5 लाख लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही भारी वाहनों की निर्बाध आवाजाही से व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

न्यूज ब्रीफ

स्मार्ट प्रीपेड मीटर पर स्थिति साफ करे पावर कॉरपोरेशन

अमृत विचार, लखनऊ : स्मार्ट प्रीपेड मीटर को लेकर जारी विवाद के बीच उपभोक्ता परिषद ने पावर कॉरपोरेशन से अपनी स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। परिषद अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार के संशोधित आदेश में साफ है कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने के लिए उपभोक्ताओं की सहमति अनिवार्य होगी, लेकिन इस पर बिजली कंपनियों की ओर से कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं आई है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा मंत्री की ओर से भी कोई आधिकारिक संदेश न आने से उपभोक्ताओं में असमंजस बना हुआ है। परिषद ने सवाल उठाया कि केंद्र सरकार के इस आदेश को प्रदेश में कब लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं का विश्वास बनाए रखने के लिए पारदर्शिता जरूरी है और कंपनियों को जल्द स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। मामले की जानकारी विद्युत नियामक आयोग को भी दे दी गई है।

बिजली निजीकरण पर सवाल, सीएम से हस्तक्षेप की मांग

अमृत विचार, लखनऊ : विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने बिजली वितरण के निजीकरण के उड़ीसा मॉडल को विफल बताते हुए उत्तर प्रदेश में लागू नीति पर सवाल उठाए हैं। समिति ने मुख्यमंत्री से पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण का निर्णय तत्काल रद्द करने की मांग की है। समिति के अनुसार, जून 2020 में उड़ीसा की वितरण कंपनियों का संचालन टाटा पावर को सौंपा गया था। इसके बाद राज्य सरकार को करीब 7200 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता देनी पड़ी, जबकि स्मार्ट मीटरिंग पर भी लगभग 900 करोड़ रुपये खर्च हुए। बिजली सब्सिडी का बोझ भी सरकार पर बना हुआ है। समिति ने सवाल उठाया कि कंपनी मुनाफा दिखाने के बावजूद बिजली दरों में बढ़ोतरी क्यों चाहती है। चेतावनी दी गई है कि निर्णय वापस न लेने पर प्रदेशभर में आंदोलन तेज किया जाएगा।

संदिग्ध हालात में युवक का शव लटका मिला

अमृत विचार, हरदोई : कछौना थाना क्षेत्र के सेदूपुर गांव में एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में लटका मिला। सोनू पुत्र पुत्तूलाल (26) की शादी 25 मई 2025 को बघौली थाना क्षेत्र के मेरउरा निवासी प्रांशी से हुई थी। दो भाइयों में छोटा सोनू बड़े भाई बिनोद के साथ रहता था। सुबह कमरे में सोनू का शव फंदे से लटका मिला। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की पुष्टि हुई है।

डॉ. केके सिंह प्रकरण की होगी हाई-लेवल जांच

प्रदेश सरकार ने केजीएमयू प्रशासन से रिपोर्ट तलब की

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नियुक्ति, बर्खास्तगी और पुनः बहाली की होगी जांच
- कुलपति की भूमिका पर भी उठे सवाल
- भाजपा विधायक रमा निरंजन ने लगाए गंभीर आरोप

अमृत विचार: किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में सर्जरी विभाग के प्रोफेसर और डीन फैकल्टी प्रवक्ता डॉ. केके सिंह को लेकर विवाद एक बार फिर उभर गया है। उनके पूरे चिकित्सकीय कार्यकाल में नियुक्ति, बर्खास्तगी और पुनः बहाली मामलों की अब व्यापक जांच होगी। अतीत के पन्ने खुलेंगे। इस मामले में मौजूदा कुलपति की भूमिका भी सवालों के घेरे में आ गई है। राज्य सरकार ने केजीएमयू प्रशासन से विस्तृत आख्या तलब की है, जिससे यह स्पष्ट है कि मामला अब उच्च स्तर पर गंभीरता से लिया जा रहा है।

भाजपा विधायक रमा निरंजन ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि केजीएमयू में नियुक्तियां, खरीद और निर्माण जैसे बड़े फैसले डॉ. सिंह के प्रभाव में होते हैं। इससे राज्य सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इतना ही नहीं कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद के पति शरद मिश्र की भूमिका भी संदिग्ध बताई गई है, उन्हें डॉ.केके सिंह का हमप्याला (निकटता) बताया गया है।

विधायक ने उठाई जांच की मांग : भाजपा विधायक रमा निरंजन ने केके हॉस्पिटल और डिग्री कॉलेज सहित अरबों की अकूत संपत्ति की जांच राष्ट्रीय एजेंसी से कराने की मांग की है और कहा है कि उप्र. सरकार एवं शासन की माफिया-विहीन छवि को अक्षुण्य रखने के लिए सभी पदों से हटाया जाए।

अतीत के विवाद फिर सुर्खियों में

वर्तमान में वे केजीएमयू प्रशासन में प्रभावशाली भूमिका में माने जाने वाले डॉ. केके सिंह का अतीत विवादों में रहा है। वर्ष 2002 में नियुक्त चिकित्सा अधिकारी को चयन समिति द्वारा अयोग्य ठहराए जाने के बावजूद नियम विरुद्ध लेक्चरर नियुक्ति करने के आरोप लग चुके हैं। वर्ष 2006 में केजीएमयू परिसर में आगजनी और तोड़फोड़ के आरोप में जेल भेजे गए, एमबीबीएस प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली तत्कालीन सीपीएमटी परीक्षा पेपर लीक मामले में एनएसए के तहत जेल जाना, 2012 में बर्खास्तगी, 2014 में सीबीआई द्वारा गिरफ्तारी और 2018 में न्यायालय के आदेश पर पुनः बहाली के घटनाक्रम सुर्खियों में रहे हैं।

जून में लांच होगी एलडीए की वरुण विहार योजना

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- कैलाश-काशी नाम से खंड में नियोजित होंगे 2100 भूखंड
- मंडलायुक्त ने एलडीए सभागार में बैठक कर जानी प्रगति

अमृत विचार : आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे स्थित लखनऊ विकास प्राधिकरण की वरुण विहार योजना जून में लांच होगी। पहले चरण में कैलाश और काशी नाम से खंड विकसित करके 2100 भूखंडों की बिक्री का पंजीयन खोला जाएगा। इसी तरह नैमिष नगर योजना सितंबर में लांच की जाएगी। गुरुवार को प्राधिकरण के पारिजात सभागार में मंडलायुक्त/अध्यक्ष विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने यह जानकारी दी।

उपाध्यक्ष ने 2270 हेक्टेयर में विकसित की जा रही वरुण विहार योजना की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। अवगत कराया कि सदर व सरोजनी नगर तहसील के ग्राम भलिया, आदमपुर इन्दवारा, बहरू, जलियामऊ एवं मदारपुर, इब्राहिमगंज, नकटौरा, गहलवारा, तेजकृष्ण खेड़ा, रेवरी, सकरा एवं दोना की भूमि किसानों से सहमति के आधार पर खरीद रहे हैं। अब तक 1300 किसानों से 330 हेक्टेयर से अधिक भूमि खरीद कर 1160 करोड़ रुपये भुगतान किया है। 853 हेक्टेयर भूमि के सहमति पत्र प्राप्त हुए हैं। स्थल पर काम तेज कर दिया है। मंडलायुक्त ने समीक्षा करके राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि भूमि के दाखिल खारिज आदि की कार्यवाही शीर्ष प्राथमिकता पर करें। इससे आम लोगों को जल्द बेहतर आवासीय सुविधाएं मिल सकें।

बैठक में सचिव विवेक श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राकेश कुमार सिंह, अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव, एलडीए के अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा एवं सीपी त्रिपाठी, मुख्य नगर नियोजक केके गौतम रहे।

एलडीए सभागार में बैठक करते मंडलायुक्त/अध्यक्ष विजय विश्वास पंत।

भूमि मुद्रीकरण का प्रस्ताव, नगर निगम करेगा परीक्षण

बैठक में भूमि मुद्रीकरण के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। इसमें 1090 चौराहा, ऐशबाग, हरिहरपुर एवं जानकीपुरम योजना के पास अतरौली में स्थित नगर निगम के स्वामित्व वाली भूमि के मुद्रीकरण का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। उपाध्यक्ष ने बताया कि भूमि प्राइम लोकेशन पर हैं और आवासीय एवं अन्य नागरिक सुविधाओं के लिए काफी उपयोगी होंगी। मंडलायुक्त ने नगर निगम के अधिकारियों को प्रस्ताव का परीक्षण कराने के निर्देश दिये। कहा कि सक्षम स्तर से सहमति प्राप्त करके प्रस्ताव को जनहित में आगे बढ़ाया जा सकता है।

निजी टाउनशिप की सुविधाओं का थर्ड पार्टी करेगी ऑडिट

शहर में निजी विकासकर्ताओं द्वारा विकसित की जा रही टाउनशिप में सार्वजनिक सुविधाओं का थर्ड पार्टी ऑडिट होगा। इससे कि यह सुनिश्चित होगा कि विकासकर्ताओं ने मौके पर स्वीकृत डीपीआर के अनुसार एसटीपी, पार्क, विद्युत उपकेंद्र आदि विकास कार्य कराये हैं या नहीं। मंडलायुक्त ने निर्देश दिये कि दिल्ली, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्ट को इसके लिए अधिकृत करते हुए थर्ड पार्टी ऑडिट की कार्रवाई कराई जाए।

आवंटियों के लिए लगेगा विशेष रजिस्ट्री कैंप

मंडलायुक्त ने प्राधिकरण की अनिबंधित सम्पत्तियों की भी समीक्षा की। बहुमंजिला आवासीय योजनाओं की समीक्षा में पाया कि कुल 19,230 फ्लैट निर्मित हैं। इनमें से 18,953 फ्लैट आवंटित हैं। 2,930 फ्लैट की रजिस्ट्री अभी नहीं हुई है। इसी तरह विभिन्न योजनाओं में आवासीय एवं व्यावसायिक भूखंडों की रजिस्ट्री लंबित है।

भाजपा सरकार पंचायत चुनाव नहीं कराएगी: अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि जो लोग प्रधानी चुनाव की तैयारी कर रहे हैं, वे अभी खर्चा न करें। उन्होंने तंज कसते हुए दावा किया कि भाजपा सरकार पंचायत चुनाव नहीं कराएगी। लोग अपना पैसा बर्बाद न करें।

दरअसल, ग्राम प्रधानों का मौजूदा कार्यकाल 26 मई 2026 को खत्म हो रहा है, लेकिन अभी तक चुनाव की कोई साफ तारीख घोषित नहीं हुई है। इस वजह से उम्मीदवारों और गांव के लोगों में भ्रम की स्थिति बनी हुई है। सपा प्रमुख के इस बयान से उन लोगों में चिंता बढ़ गई है, जो इस बार प्रधान का चुनाव लड़ने की सोच रहे हैं। कई उम्मीदवार अब सोच में पड़ गए हैं कि तैयारी शुरू करें या नहीं।

भाजपा का राजनीतिक चरित्र जनविरोधी

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा का राजनीतिक चरित्र जनविरोधी है। वह राजनीति के साथ छल करती है। लोकतंत्र के साथ धोखा करती है। सपा प्रमुख गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में आये कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में 2024 लोकसभा चुनाव से ज्यादा सावधानी बरतना है। भाजपा की साजिश से सावधान रहना है।

पार्टी मुख्यालय में सपा प्रमुख अखिलेश यादव को चित्र भेंट करते कार्यकर्ता। अमृत विचार

गोमती नगर विस्तार में अवैध मैरिज लॉन ध्वस्त

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- एलडीए के अर्जन व प्रवर्तन की संयुक्त टीम ने की कार्रवाई

अमृत विचार : लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर गुरुवार को गोमती नगर विस्तार में जमीन पर कब्जा करके बनाया मैरिज लॉन बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। ये कार्रवाई अर्जन और प्रवर्तन विभाग की संयुक्त टीम ने स्थानीय पुलिस बल के साथ की।

सचिव विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि जल निगम ने एसटीपी निर्माण के लिए गोमती नगर विस्तार में भूमि मांगी गई थी। इस क्रम में भूमि के चिह्नाकन की प्रक्रिया शुरू की। सेक्टर-1 में ग्वारी पुल के नीचे सीएमएस की ओर जाने वाली सड़क पर प्राधिकरण की लगभग 4000 वर्गमीटर अर्जित भूमि पर वीके सिंह व अन्य द्वारा अवैध रूप से कब्जा करके मैरिज लॉन संचालित करना पाया। प्रभारी अधिकारी-अर्जन विपिन कुमार शिवहरे ने बताया कि लगभग तीन घंटे तक चली कार्रवाई के दौरान अवैध मैरिज लॉन पूरी तरह ध्वस्त करके भूमि को कब्जा मुक्त कराई।

प्रवर्तन जोन-1 के जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी ने बताया कि वेद प्रकाश व अन्य द्वारा सुशांत गोल्फ सिटी थानाक्षेत्र के सरसवां में लगभग चार बीघा क्षेत्रफल में अनाधिकृत रूप से की गई प्लाटिंग ध्वस्त की गई। वहीं, प्रवर्तन जोन-4 के जोनल अधिकारी माधवेश कुमार ने बताया कि प्रवीण महतो, रामेश्वर यादव व अन्य द्वारा सैरपुर के मुबारकपुर की प्रशांत नगर कालोनी में लगभग 400 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखंड पर बिना मानचित्र स्वीकृत के चार रो-हाउस भवन ध्वस्त कर दिए। प्रवर्तन जोन-6 के जोनल अधिकारी प्रभाकर सिंह ने बताया कि वजीरगंज, हसनगंज, हजरतगंज व अमीनाबाद में अभियान चलाया गया। इस दौरान शहजाद, परवेज खालिद, अनूप अग्रवाल, राम रस्तोगी व अन्य द्वारा अवैध रूप से निर्मित किये जा रहे तीन व्यावसायिक व एक आवासीय भवन सील किया।

मैरिज लॉन ध्वस्त करता बुलडोजर।

शोध कार्य पेटेंट कराएं और प्रचार करें : राज्यपाल

अमृत विचार, लखनऊ : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय, कानपुर (एचबीटीयू) प्रशासन से शोध कार्यों के पेटेंट और उनके व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर विशेष बल दिया गया। उन्होंने कहा कि शोध तभी सार्थक है, जब उसका लाभ आम जनमानस तक पहुंचे। प्रमुख शोध कार्यों को संकलित कर प्रकाशित करने और अन्य संस्थानों के साथ साझा करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल गुरुवार को जनभवन में एचबीटीयू की समीक्षा बैठक कर रही थीं। उन्होंने छात्रावासों में स्वच्छता और गुणवत्तापूर्ण भोजन सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए। विश्वविद्यालय भवनों का निर्माण छात्रों की जरूरतों के अनुरूप करने और बजट का पारदर्शी उपयोग सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

बैठक में इसके अलावा एमओयू के माध्यम से शोध गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण छात्रों के लिए उपयोगी डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करने की बात कही गई। बैठक में छात्र सुविधाओं, प्लेसमेंट, स्वास्थ्य, पेयजल और अन्य व्यवस्थाओं की भी विस्तृत समीक्षा की गई।

जाति जनगणना और अधिकारों को लेकर आंदोलन करेगी कांग्रेस

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. कांग्रेस, सामाजिक न्याय, जाति जनगणना और ओबीसी अधिकारों को लेकर आंदोलन करेगी। महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती पर 11 अप्रैल को लखनऊ में कार्यक्रम करेगी, जिसमें कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता शामिल होंगे। यह घोषणा गुरुवार को ओबीसी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जयहिंद ने प्रेसवार्ता में की। उन्होंने केंद्र सरकार से वैज्ञानिक जाति जनगणना कराने की मांग करते हुए कहा कि केवल गिनती नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक स्थिति का पूरा डेटा जुटाया जाना चाहिए। उन्होंने महिला आरक्षण विधेयक में ओबीसी महिलाओं के लिए प्रावधान न होने पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि जनगणना प्रक्रिया में ओबीसी वर्ग की अनदेखी हो रही है।

ससुराल वालों की पिटाई से आहत युवक ने की खुदकुशी

अमृत विचार, हरदोई : फ्लोर मिल में हेल्पर के रूप में कार्यरत 25 वर्षीय युवक ने कथित रूप से ससुराल पक्ष की पिटाई से आहत होकर घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अनुपम की फाइल फोटो।

पचदेवरा थाना क्षेत्र के रामपुर घासा निवासी अनुपम सिंह सण्डीला इंडस्ट्रियल एरिया की एक फ्लोर मिल में नौकरी करता था। परिजनों के मुताबिक, उसकी शादी करीब तीन वर्ष पहले शाहजहांपुर जिले के अल्हागंज थाना क्षेत्र में हुई थी। उसकी पत्नी इन दिनों गर्भवती थी और मायके में रह रही थी। मंगलवार को ससुराल से पत्नी की तबीयत खराब होने की सूचना मिलने पर अनुपम वहां पहुंचा। आरोप है कि पत्नी को इलाज के लिए ले जाते समय रास्ते में ससुराल पक्ष के लोगों ने उसकी पिटाई कर दी और उसे वाहन से उतारकर भगा दिया। इस घटना से आहत होकर वह बुधवार को घर लौटा और कमरे में फंदा लगा लिया। काफी देर तक बाहर न आने पर परिजनों ने दरवाजा खुलवाया तो घटना का पता चला।

परियोजना

ग्राम पंचायत नबीपनाह और बक्कास में बनेंगे प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र

प्लास्टिक प्रबंधन से आय बढ़ाएंगी पंचायतें

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- घर व व्यावसायिक क्षेत्र से एकत्र करेंगे अपशिष्ट प्लास्टिक

अमृत विचार : गोसाईगंज ब्लॉक की ग्राम पंचायत बक्कास और माल की ग्राम पंचायत नबीपनाह एक तरफ अपशिष्ट प्लास्टिक का निस्तारण करेंगी तो दूसरी तरफ इसकी बिक्री से पंचायतों की आय बढ़ाएंगी। स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण के तहत दोनों ग्राम पंचायतों में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र (पीडब्ल्यूएमयू) बनेंगे।

जिला समन्वयक अभिनव त्रिवेदी ने बताया कि एक मॉडल पर 16-16 लाख रुपये से 1500 स्क्वायर फीट में केंद्र निर्मित किया जाएगा। इसमें बेलर और श्रेडर मशीन के साथ एयर ब्लोअर लगेगा। कूड़ा कलेक्शन के दौरान घर और प्रतिष्ठानों से एकत्र अपशिष्ट प्लास्टिक जैसे बोतल, नमकीन, बिस्किट, चिप्स आदि खाद्य सामग्री की पन्नी का निस्तारण करके छोटे टुकड़े और दाने बनेंगे। इसकी बिक्री कंपनियों को उत्पाद बनाने के लिए की जाएगी। इससे सीमेंट की डाई, चप्पल, इंटरलाकिंग, बेंच व सड़क निर्माण आदि में प्रयोग किया जाता है। इससे जो आमदनी होगी उससे गांव के विकास में खर्च की जाएगी।

कठवारा केंद्र पर भार होगा कम

ग्रामीण क्षेत्रों में अपशिष्ट प्लास्टिक के बेहतर निस्तारण के लिए प्रशासन ने दो नए पीडब्ल्यूएमयू (प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट) केंद्रों को स्वीकृति दी है। अब बक्कास में बनने वाले पीडब्ल्यूएमयू से गोसाईगंज, सरोजनी नगर और मोहनलालगंज ब्लॉक को जोड़ा जाएगा, जहां ग्राम पंचायतों से प्लास्टिक कचरा एकत्र कर उसका निस्तारण किया जाएगा। इसी तरह नबीपनाह में स्थापित होने वाले केंद्र से माल और मलिहाबाद ब्लॉक को लिंक किया जाएगा। वहीं, पिछले वर्ष बीकेटी के कठवारा में बने केंद्र से चिनहट और काकोरी ब्लॉक जुड़े हुए हैं। कठवारा केंद्र पर आठ ब्लॉकों का भार होने के कारण कार्य प्रभावित हो रहा था। यहां से एक वर्ष में 58 हजार रुपये की आय भी हुई है। बढ़ते दबाव को देखते हुए प्रशासन ने दो नए केंद्रों को मंजूरी दी है, जिससे अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को और मजबूत किया जा सकेगा।

कब्जा हटाने गई राजस्व टीम पर हमला, तीन पर एफआईआर

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

- सीतापुर के महमूदाबाद कोतवाली क्षेत्र के ग्राम घुरेहटा का मामला

अमृत विचारः महमूदाबाद कोतवाली क्षेत्र के ग्राम घुरेहटा में सरकारी जमीन से अवैध कब्जा हटाने पहुंची राजस्व और पुलिस टीम पर हमला कर दिया गया। लेखपाल की तहरीर पर महिला समेत तीन लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।

ग्राम घुरेहटा की नवीन परती भूमि पर इंद्रपाल नामक व्यक्ति ने अवैध रूप से दीवार खड़ी कर कब्जा कर रखा था। तहसीलदार न्यायालय द्वारा जारी बेदखली आदेश के अनुपालन में बुधवार को नायब तहसीलदार राकेश पाल और लेखपालों की टीम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची थी। जैसे ही टीम ने कार्रवाई शुरू की, आरोपी इंद्रपाल ने अपने बेटे राम प्रताप और पत्नी गायत्री के साथ मिलकर टीम पर हमला कर दिया। आरोप है कि तीनों ने सरकारी कार्य में बाधा डाली, मारपीट की और लेखपाल को जातिसूचक गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी। लेखपाल कृतिका सिंह की तहरीर पर पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकारी कार्य में बाधा डालने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

फर्जी दस्तावेजों से किया 9 करोड़ का लोन

पुलिस अधीक्षक ने किया मामले का खुलासा, बैंक अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध, पांच गिरफ्तार

संवाददाता, रायबरेली

फर्जी दस्तावेज से लोन कराने में पकड़े गए आरोपी और मामले की जानकारी देते पुलिस अधीक्षक रवि कुमार व मौजूद अन्य अधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार। बैंक में खाता खुलवाने जैसे मामूली प्रक्रिया से गुजरने में जहां आम नागरिकों को नाकों चने चबाने पड़ जाते हैं। वहीं बैंक अधिकारियों की सांठ-गांठ से करीब नौ करोड़ का लोन कर दिया गया। करीब चार महीने पहले एफआईआर के बाद बैंक अधिकारियों के होश उड़ गए। पुलिस ने जांच करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं बैंक अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध है। अंदरखाने की मानें तो यह मामला करीब दो साल पुराना है। इसमें संलिप्त अधिकारी और कर्मचारी जैसे तैसे मामले को सुलटाने में लगे हुए हैं। एसपी रवि कुमार ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि बैंक आफ बडौदा की मुख्य शाखा रायबरेली में 48 पर्सनल लोन बैंक खातों में लोन पास हुआ। लोन लेने वाले ऋण खाता धारकों के द्वारा फर्जी सैलरी स्लिप, फर्जी नियुक्ति पत्र व आधार पर पता बदलवाकर पर्सनल लोन लिया गया, जिसमें बैंक ऑफ बड़ौदा के अधिकारियों द्वारा जांच कराने के बाद 29 दिसंबर 2025 को मुकेश निवासी सुधा समृद्धि, तारा नगर, जेल रोड थाना कोतवाली नगर रायबरेली वर्तमान पता मुख्य प्रबन्धक बैंक ऑफ बड़ौदा, मुख्य शाखा रायबरेली द्वारा थाना कोतवाली नगर पर 48 पर्सनल लोन बैंक खाता धारको के विरुद्ध केस दर्ज करवाया गया था।

एसपी ने बताया कि एएसपी संजीव कुमार सिन्हा के कुशल पर्यवेक्षण में सीओ नगर अरुण कुमार नौहवार के नेतृत्व में लालगंज रोड पर राना नगर कब्रिस्तान के पास से राजेश सिंह निवासी मोहल्ला इन्दिरा नगर प्रथम कस्बा हैदराबाद थाना आसीवन जनपद उन्नाव, बब्लू राठौर निवासी 234 गुप्ता कालोनी तरीनपुर थाना कोतवाली नगर सीतापुर अन्य पता- मोहल्ला पूर्णागिरी मुंशीगंज थाना कोतवाली नगर सीतापुर, गोपाल सिंह निवासी गाजीपुर मजरा भैसामऊ थाना बीकेटी बक्शी का तालाब लखनऊ, राधिका देवी निवासी ग्राम गाजीपुर मजरा भैसामऊ थाना बीकेटी बक्शी का तालाब लखनऊ, कामिनी राठौर पत्नी बब्लू राठौर को गिरफ्तार किया है। मामले में अन्य लोगों की तलाश जारी है।

सपा विधायक की सभा में सैन्यकर्मी को पीटा

बाराबंकी, अमृत विचार : सपा विधायक की जनसभा में पीएम मोदी को लेकर की गई टिप्पणी का विरोध करने पर एक सैन्यकर्मी की पिटाई कर दी गई। सतरिख थाना क्षेत्र के हांसेमऊ मजरे असैनी गांव निवासी फौजी विकास दीप ने पुलिस से की गई शिकायत में बताया कि वह भारतीय सेना में कार्यरत हैं और इन दिनों छुट्टी पर अपने घर आया हुआ है। आरोप है कि गुरुवार को गांव में सपा के सदर विधायक सुरेश यादव द्वारा एक जनसभा आयोजित की गई थी। सभा के दौरान विधायक द्वारा देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया गया। पीड़ित के अनुसार उन्होंने शांतिपूर्ण तरीके से इसका विरोध करते हुए माइक लेकर ऐसी भाषा के प्रयोग को अनुचित बताया। इसी को लेकर बात बढ़ गई।

राम मंदिर के 14 उपमंदिरों में जल्द शुरू होंगे दर्शन

अयोध्या कार्यालय : राम जन्मभूमि परिसर में बने संपूर्ण उप मंदिरों को दर्शनार्थियों के लिए खोले जाने का इंतजार समाप्त होने जा रहा है। राम मंदिर ट्रस्ट के मुताबिक इसी माह से दर्शन की नई प्रणाली लागू होगी। आज शुक्रवार से शुरू हो रही मंदिर निर्माण समिति की दो दिवसीय बैठक में मार्ग को खोले जाने और दर्शन व्यवस्था की नई प्रणाली लागू किए जाने पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। हालांकि इसके पहले राम नवमी से दर्शन प्रारंभ होने थे, लेकिन सुरक्षा एजेंसी के द्वारा एनओसी नहीं दी गई थी। श्री राम मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को भूतल में विराजमान रामलला, प्रथम तल पर राम दरबार में दर्शन होने के बाद परकोटा कॉरिडोर और उसमें स्थापित भगवान गणेश, हनुमानजी, भगवान सूर्य, माता भगवती, मां अन्नपूर्णा देवी, भगवान शिव के दर्शन प्राप्त के बाद परकोटा के बाहर शेषावतार मंदिर, महर्षि अगस्त्य, महर्षि बाल्मीकि, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि वशिष्ठ, शबरी, निषादराज व अहिल्या देवी के बाद अंत में कुबेर टीला पर कुबेश्वर महादेव, जटायु और अंगद टीला पर गिलहरी की प्रतिमा को देखने का अवसर प्राप्त होगा। इसके लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट विशेष सॉफ्टवेयर को तैयार किया है। जिसके तहत भक्तों सुरक्षा कोड युक्त पास जारी किया जाएगा। प्रारंभ में यह संख्या सीमित रखी जाएगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय के मुताबिक इसके लिए सिर्फ ट्रस्ट ही नहीं बल्कि सीआरपीएफ, एसपी सुरक्षा और मजिस्ट्रेट की भी सहमति चाहिए।

केंद्र और प्रदेश सरकार की गिनाईं उपलब्धियां

भाजपा के स्थापना दिवस पर लोगों को गिनाई गईं पार्टी की उपलब्धियां।

लखनऊ, अमृत विचार: भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को भाजपा संगठन के निर्देशानुसार गांव/वार्ड चलो अभियान अंतर्गत पश्चिम मंडल- 3 के आलमनगर वार्ड पारा मोहल्ला में क्षेत्रवासियों ने घर- घर जाकर जनसंपर्क करते हुए केंद्र एवं प्रदेश सरकार की अब तक के किए गए विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को पत्रक के माध्यम से वितरण करते हुए जनसंपर्क किया। इस मौके पर मौजूद स्थानीय वरिष्ठजनों को अंगवस्त्रम भेट कर सम्मानित किया गया। साथ ही शिव मंदिर में साफ-सफाई की गयी। कहा गया कि भारतीय जनता पार्टी ही एक ऐसी पार्टी है जिसने सभी वर्गों के विकास का पूरा-पूरा ध्यान रखा। सभी ने सभी लोगों का विकास करते हुए पात्र लाभार्थियों को सरकार की ओर से संचालित योजनाओं का पूरा-पूरा लाभ भी प्रदान किया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री प्रकाश मिश्रा, पश्चिम मंडल-1 पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेश मिश्रा (राजन), पूर्व पार्षद नागेंद्र सिंह, मंडल उपाध्यक्ष मनीष पांडे, विवेक श्रीवास्तव, नगर कार्यसमिति सदस्य गौतम कुमार, रानी समेत क्षेत्रवासी गण एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

किसानों ने घेरा नेशनल हाईवे

बाराबंकी : गुरुवार को नवाबगंज में भाकियू (अराजनैतिक) के बैनर तले सैकड़ों किसानों ने मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। यहां से बुलावे पर सभी डीएम कार्यालय पहुंचे जहां डीएम, एसपी से बातचीत के बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ। यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश सिंह चौहान, जिलाध्यक्ष रामबरन के नेतृत्व में गन्ना संस्थान परिसर में गुरुवार को धरना दिया गया। इनकी मांगों में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से हुई फसल क्षति का मुआवजा और धान खरीद में हो रही अनियमितताओं को दूर करना शामिल है।

डीएम की तत्परता से 14 साल बाद मिली पेंशन

रायबरेली, अमृत विचार : डीएम हर्षिता माथुर की सक्रियता से एक जरूरतमंद महिला को वर्षों से लंबित पेंशन का लाभ मिला है। ग्राम छोटी केसरिया निवासी उषा सिंह ने पेंशन बहाली के लिए प्रार्थना पत्र दिया। जिसमें कहा गया कि पीड़िता के पिता स्व. शिव बक्श सिंह पंचायती राज विभाग में सचिव पद से सेवानिवृत्त थे। उनके और उनकी पत्नी के निधन के बाद उषा सिंह को वर्ष 2005 तक पारिवारिक पेंशन मिली लेकिन बाद में यह भी बंद हो गई। वर्ष 2012 में शासन द्वारा अविवाहित आश्रित पुत्री को आजीवन पेंशन देने का प्रावधान किया गया था जिसकी जानकारी उन्हें नहीं थी। डीएम ने वरिष्ठ कोषाधिकारी डॉ. भावना श्रीवास्तव को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना

NER-LJN-2026-56

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु आनलाईन 'खुली' ई–निविदायें आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण नीचे निम्नवत है– **ई निविदा संख्या:–** NER-LJN-2026-56, **कार्य का नाम:–** पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ मडल के लखीमपुर स्टेशन पर प्रवेश/निकास द्वार का विकास कार्य, स्टेशन भवन के फसाद एवं सरकुलेटिंग क्षेत्र से जुड़े अन्य विविध कार्य।, **अनुमानित लागत (रु):–** 14008733.18, **अग्रिम धन (रु):–** 280200.00, **समापन अवधि:–** 04 माह, **1** उपरोक्त ई–निविदा संख्या **NER-LJN-2026-56** के लिये ई–निविदा दिनांक 29.04.2026 को 15.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15.00 बजे के बाद ई–निविदा खोली जायेंगी।, **2** उपरोक्त ई–निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तों का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकार ई निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई–निविदा सूचना से सम्बन्धित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग
मुजाधि/डब्लू–13 लखनऊ

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

कार्यालय जिला प्रोबेशन अधिकारी रायबरेली।

पत्रांक C-10/जि0 प्रो0का0 / कोर्ट केस /2026–27 दिनांक 8 अप्रैल ,2026

विज्ञप्ति

उपयुक्त व्यक्ति (फिट पर्सन) / उपयुक्त सुविधा (फिट फैसिलिटी) /फास्टर केयर / ग्रुप फास्टर केयर के रूप में मान्यता हेतु आवेदन

किशोर न्याय (बालकों की देख–रेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 के अंतर्गत बालकों को सुरक्षित पारिवारिक वातावरण में देखरेख, संरक्षण, पुनर्वास एवं सामाजिक पुनःएकीकरण कराने हेतु उपयुक्त व्यक्ति, उपयुक्त सुविधा, फास्टर केयर तथा ग्रुप फास्टर केयर के रूप में जनसामान्य में लोकहितैषी भावना से कार्य करने वाले इच्छुक व्यक्तियों, स्वयंसेवी संस्थाओं से अपनी सेवायें देने हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। उपयुक्त व्यक्ति तथा उपयुक्त सुविधा की सेवायें निःशुल्क प्रदान की जायेगी।

ऐसे व्यक्ति / संस्थायें जो बालकों को बुनियादी सेवायें उपलब्ध कराने में शारीरिक, मानसिक एवं आर्थिक रूप से सक्षम हों, किसी भी अनैतिक या आपराधिक कार्य में संलिप्त न हों तथा बाल संरक्षण अथवा सामाजिक कार्य करने क्षेत्र में अनुभवी हों, आवेदन हेतु पात्र होंगे।

विस्तृत जानकारी तथा आवेदन का प्रारूप विभागीय वेबसाइट https://mahilakalyan.up.nic.in से डाउनलोड करें अथवा कार्यालय जिला प्रोबेशन अधिकारी /जिला बाल संरक्षण इकाई विकास भवन, जनपद रायबरेली से प्राप्त कर उक्त कार्यालय में जमा करें।

जिला बाल संरक्षण इकाई /जिला प्रोबेशन अधिकारी रायबरेली।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम ADNAN KHAN था से बदलकर MO ADNAN KHAN रख लिया है अब मुझे MO ADNAN KHAN के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-SAFAT KHAN ADD-PURE BADAL POST-RUKUNPUR JUGRAJPUR DIST-AMETHI-227405 (U.P.)

सूचना

मैं राम प्यारी सिंह माता आमी नं0– JC-472503P रैंक– सुबेदार, नाम– अजय प्रताप सिंह, ग्राम– म0नं0– A-739A आश्रय एल्डिको उद्यान–2 पोस्ट डा0 भीमराव अम्बेडकर यूनिवर्सिटी, तहसील– सरोजनी नगर जिला– लखनऊ, उत्तर प्रदेश, पिन– 226025 मेरा नाम बदलकर राम प्यारी सिंह से राम प्यारी किया जाये। मैंने एफीडेविट नं0 – IN-UP 90399001296254Y दिनांक 4 अप्रैल 2026 को नोटरी पब्लिक मोहन लालगंज से किया गया है।

सूचना

मैने अपना नाम VIMAL KUMAR से बदलकर VIMAL KUMAR VERMA रख लिया है आज से मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-ANANT PRASAD VERMA R/0-5388/233/1 TAPASWI NAGAR, SITAPUR ROAD TRIVENI NAGAR-II DIST-LUCKNOW-226020 (U.P.)

सूचना

मैं शांसाक सिंह पुत्र आर्मी नं0– JC-472503P रैंक – सुबेदार नाम– अजय प्रताप सिंह ग्राम– म0नं0– A-739A आश्रय एल्डिको उद्यान–2 पोस्ट डा0 भीमराव अम्बेडकर यूनिवर्सिटी, तहसील– सरोजनी नगर जिला– लखनऊ, उत्तर प्रदेश, पिन– 226025, मेरा नाम बदलकर शांसाक सिंह से शाशाक सिंह किया जाये। मैंने एफिडेविट नं0– IN UP 90451133554491Y दिनांक 4 अप्रैल 2026 को नोटरी पब्लिक मोहन लालगंज से किया है।

सूचना

पहले मेरा नाम AMIT KUMAR RAJESH SINGH था अब मैने अपना नाम बदलकर AMIT RAJESH SINGH रख लिया हूँ। अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। AMIT RAJESH SINGH S/0-RAJESH BRIGUNATH SINGH ADD-VIRAT KHAND GOMTINAGAR DIST-LUCKNOW-226010(U.P.)

सूचना

सूचित हो मेरी हाईस्कूल वर्ष 2011 अनुक्रमांक 1344349 का मूल अंक प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गया है। जिसकी मुझे आवश्यकता है। अतः मुझे उपरोक्त कक्षा – 10 के अंक प्रमाण पत्र की मूल द्वितीय प्रति जारी की जाये। **राम नरायन पुत्र राजा राम निवासी– ग्राम– बुधड़िया, परगना व तहसील– मलिहाबाद, जिला– लखनऊ, उ0प्र0**

सूचना

मैने अपना नाम HARISH KUMAR से बदलकर HARISH CHANDI RANI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-HASSA RAM ADD-T-3/1202 12TH FLOOR ELDECO ETERNIA SITAPUR ROAD MADIYAON KOTWALI DIST-LUCKNOW(U.P.)

सूचना

मैं अपने पुत्र विशाल को उसके गलत चाल–चलन एवं व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। उसके द्वारा किए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा, हमारा और हमारे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। **उमाकांत पुत्र दयाराम निवासी– ग्राम व पोस्ट– कुशमौरा, थाना– निगोहा, जिला – लखनऊ।**

सूचना

मैने अपने (माइनर) पुत्र का नाम MOHD HASHIR MOHAMMAD NAFIS से बदलकर MOHD HASHIR रख लिया है अब भविष्य मे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MOHAMMAD NAFIS ADD-KASAI TOLA WORD NO-9 NANPARA DIST-BAHRAICH-271865 (U.P.)

सूचना

सूचित हो कि मैं अपने छोटे पुत्र मो0 शारिक सिद्दीकी पुत्र स्व0 हाजी इसरार हुसैन सिद्दीकी के गलत कृत्यों, लड़ाई झगड़ा व मारपीट करने के कारण उससे अपने सभी सम्बन्ध समाप्त करते हुऐ अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूँ। उसके किसी भी उधार लेन–देन, झगड़े तथा किसी भी कृत्य से मेरा व मेरे परिवार के अन्य सदस्यों का कोई लेना देना व सरोकार नहीं होगा। **जरीना खातून पत्नी स्व0 इसरार हुसैन सिद्दीकी निवासिनी– उजरियांव, गोमती नगर, लखनऊ।**

सूचना

मैने अपना नाम KRITICKA KAPOOR से बदलकर KRITTIKA KAPOOR रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-ANUJ SETH ADD-1, MADAN MOHAN MALVIYA MARG, OPP-BUTTLER, DALIBAGH DIST-LUCKNOW-226001(U.P)

सूचना

सूचित हो कि मेरे पुत्र के स्कूल अभिलेखों में त्रुटिवश उसका नाम अधिनव गुप्ता अंकित हो गया है जो कि गलत है। जबकि उसका सही नाम नैतिक गुप्ता (Naitik Guputa) है जो उसके आधार कार्ड में अंकित है। उपरोक्त दोनों नाम एक ही व्यक्ति (मेरे पुत्र) के हैं। अतः उसके स्कूल अभिलेखों में उसका नाम अधिनव गुप्ता के स्थान पर नैतिक गुप्ता दर्ज किया जाये। **सुधीर गुप्ता पुत्र स्व0 रामेश्वर दयाल गुप्ता निवासी रेलवेगंज, लोहा मण्डी, हरदोई।**

फर्जी प्रमाणपत्र बनाने पर एएनएम निलंबित ऑपरेटर को नोटिस

जहांगीरगंज, अंबेडकरनगर : जनपद में फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बनाने के मामले में स्वास्थ्य विभाग ने जहांगीरगंज सीएचसी के तहत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नरियांव में कार्यरत एएनएम रामरती देवी को निलंबित कर दिया है। वहीं कंप्यूटर ऑपरेटर अंजनी कुमार को सेवा समाप्त करने का नोटिस जारी किया है। यह कार्रवाई एक शिकायत और जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई है। मामला राजेसुल्तानपुर के घिन्हापुर गांव निवासी पंकज कुमार की शिकायत के बाद सामने आया। पंकज ने लगभग 15 दिन पहले जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय कुमार शैवाल को एक शिकायत पत्र सौंपा था। उन्होंने आरोप लगाया था कि स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारी अवैध रूप से जन्म प्रमाणपत्र जारी कर रहे हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार फर्जी प्रमाणपत्र बनाने के लिए एक से दो हजार रुपए तक की वसूली की जाती थी। पंकज कुमार ने पैसे मांगने का एक ऑडियो भी साक्ष्य के तौर पर अधिकारियों को प्रस्तुत किया। सीएमओ ने जांच की जिम्मेदारी डिप्टी सीएमओ डॉ. उदयचंद को सौंपी थी। जांच में आरोपों में अनियमितता की पुष्टि हुई। रिपोर्ट सीएमओ को प्रस्तुत की गई।

पासपोर्ट जांच में खुली फर्जी मार्कशीट की पोल

सुलतानपुर, अमृत विचार : करीब दस साल पहले हाईस्कूल पास छात्र की मार्कशीट सत्यापन में फर्जी मिली। जिस पर छात्र ने कूरेभार थाने पर आरोपियों के खिलाफ शिकायती पत्र सौंपा है। शिकायत पर बल्दीराय सीओ ने जांच व कार्रवाई की बात कही है। कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के धरौली गांव निवासी दिलीप कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वर्ष 2014-15 में कक्षा 9 पास करने के बाद उसके परिचित दीपक मिश्रा ने उसे अच्छे अंकों से हाईस्कूल पास कराने का लालच दिया। इसके बाद उसे कूरेभार स्थित एक इंटर कॉलेज के शिक्षक रमाशंकर वर्मा से मिलवाया गया। आरोप है कि दोनों ने प्रवेश और परीक्षा पास कराने के नाम पर 20 हजार रुपये ले लिया। मई 2025 में उसने अलग-अलग माध्यमों से 18 से 20 हजार रुपये दिए, लेकिन न तो उसे विद्यालय में प्रवेश मिला और न ही परीक्षा का प्रवेश पत्र। उल्टा 'व्यवस्था' के नाम पर तीन हजार रुपये और ले लिए गए। बाद में उसे दो संदिग्ध मार्कशीट थमा दी गईं, जिनमें कई त्रुटियां थीं।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, परिमण्डल–लखनऊ।

निकट–विकास भवन, सर्वोदय नगर, लखनऊ।

E_mail:-seredlucknow@gmail.com

ई–प्रोक्योरमेन्ट नोटिस

पत्रांक :–022/ग्रा0अ0वि0/निविदा/लखनऊ/2026–27 दिनांक–02.04.2026

महामहिम श्री राज्यपाल, उ0 प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, परिमण्डल–लखनऊ के द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उ0प्र0 में ए, बी एवं सी श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। बिड डाक्यूमेन्ट के साथ संलग्न बिल ऑफ क्वान्टिटी के अंकित दरों में जी0एस0टी0 के अतिरिक्त अन्य सभी कर सम्मिलित है, जी0एस0टी0 का भुगतान सरकार के निर्देशानुसार नियमानुसार अलग से किया जायेगा। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यों के लिए निविदा दे सकता है।

1. कार्य से सम्बंधित विवरण निम्नवत् हैः–

क्र0सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	कार्य की कुल लागत (लाख रु0 में) (जी0एस0टी0 सहित)	बिड सिक्योरिटी (लाख रु0 में)	जी0एस0टी0 सहित बिड डाक्यूमेंट का मूल्य (रु0 में)	वर्षा ऋतु सहित कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	लखनऊ	जानकीपुरम प्रथम वार्ड के अन्तर्गत जानकी विहार कालोनी में सेन्ट एन्टोनी स्कूल के बगल से राजेश्वरी लॉन तक सड़क सी0सी0 एवं नाली निर्माण कार्य।	50.85	1.02	5000.00	03 माह
2	लखनऊ	लालालाजपथ राय वार्ड के अन्तर्गत मामा चौराहे से वर्मा पेट्रोल पम्प तक सड़क व नाली का निर्माण कार्य।	86.99	1.74	5000.00	03 माह
3	लखनऊ	लखनऊ पश्चिम क्षेत्र के कन्हैया माधवपुर द्वितीय वार्ड के कानपुर रोड बाईपास/रिंग रोड मोड़ से लेकर नूरानी मस्जिद होते हुए संगीता पब्लिक स्कूल के आगे तक डामरीकरण एवं आस–पास की गलियों का आंतरिक कार्य।	95.53	1.91	5000.00	03 माह
4	लखनऊ	1090 चौराहे से जियामऊ ढाल से लॉमार्ट कॉलेज के पीछे वाले गेट तक डामर सड़क व साइड इण्टरलाकिंग एवं नाली निर्माण कार्य।	141.96	2.84	5000.00	04 माह
5	लखनऊ	ऐशबाग वार्ड के अन्तर्गत ऐशबाग पीली कालोनी के अन्तर्गत राधा कृष्ण मन्दिर से रंजना नर्सिंग होम होते हुए एस0एन0 मिश्रा द्वार तक सड़क निर्माण एवं साइड पट्री इण्टरलाकिंग कार्य।	235.36	4.71	5000.00	04 माह

2. वेब साइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि :– 15.04.26 को दोपहर 12.00 बजे से।
3. बिड डाक्यूमेन्ट डाउन लोडींग प्रारंभ करने की तिथि एवं समय :– 15.04.26 को दोपहर 12.00 बजे से।
4. प्रि–बिड मीटिंग की तिथि एवं समयः– 08.05.26 को प्रातः 11.00 बजे से।
5. ई–निविदा के माध्यम से निविदा डालने की प्रारंभ तिथि/समय :– 15.04.26 .को अपरान्ह 12:30 बजे से।
6. ई–निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि/समयः– 14.05.26 को दोपहर 12:00 बजे तक।
7. ई–निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समयः– 15.05.26 को अपरान्ह 12:30 बजे।
8. टेण्डर प्रकिया से पूर्व का कोई भी शपथ पत्र मान्य नहीं होगा।
9. निविदा आन–लाईन वैब साइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होगा एवं उसी साइट पर डाला जायेगा।
10. निविदा आमंत्रण कर्ता को आईटीबी के क्लॉज–10 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा।सभी संभावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती हैकि वह नियमित रूप से ई–निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।
11. समस्त स्टाम्प ई–स्टाम्प के रूप में ही स्वीकार किये जायेगें।

अधिक जानकारी के लिए कृपया वेब साइट https://etender.up.nic.in पर लॉग इन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें।

सभी सम्भावित निविदादाता को सलाह है कि बिड सब्मिट करने से पूर्व बिड डाक्यूमेन्ट को भली भॉति पढ़ लें।

UP - 249419 दिनांकः 08/04/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अधीक्षण अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग
परिमण्डल–लखनऊ।
श्री राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से।

आवश्यक सूचनाः

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्लॉट/भूखण्ड सं0 एन–15 श्री सुनील नारायण पुत्र स्व0 मेघराज पोकरदास नारायण प्रोपराइटर मेसर्स प्योर प्रोडक्ट्स एल0डी0 197 सेक्टर एफ एल0डी0ए0 कालोनी को उ0प्र0 लघु उद्योग निगम लिमिटेड के द्वारा आवंटित की गई थी जिसकी लीज डीड दिनांक 22.10.2007 को निष्पादित की गई थी। इकाई की स्थापना के बाद दिनांक 10.03.2011 को सुनील नरायन की मृत्यु हो गई। श्री सुनील नारायन अविवाहित थे, इनके माता–पिता की मृत्यु पहले ही हो चुकी थी। सुनील नारायण तीन भाई थे जिनमें उनके भाई श्री गौतम नारायण की मृत्यु दिनांक 01.08.2022 को हो गई। गौतम नारायण भी अविवाहित थे इसलिए सुनील नारायण के तीसरे भाई श्री विवेक नारायण ने अपने पत्र दिनांक 27.06.2024 के माध्यम से भूखण्ड सं0 एन–15 उ0प्र0 लघु उद्योग निगम, नादरगंज, अमौसी, लखनऊ का नामांतरण स्वयं के पक्ष में कराने हेतु अनुरोध किया है तथा इनके द्वारा जिलाधिकारी कार्यालय लखनऊ द्वारा जारी पारिवारिक सदस्यता प्रमाण–पत्र भी निगम में प्रस्तुत किया है जिसके अनुसार श्री सुनील नारायण के विधिक वारिस श्री विवेक नारायण है। अतः भूखण्ड सं0 एन–15 मेसर्स प्योर प्रोडक्ट्स, लखनऊ का नामांतरण श्री विवेक नारायन के पक्ष में किये जाने में यदि किसी व्यक्ति का आपत्ति हो या कोई अन्य अपना अधिकार रखता हो तो अपने सम्पूर्ण साक्ष्यों सहित प्रकाशन तिथि से तीस दिन के अन्दर लिखित आपत्ति अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय उ0प्र0 लघु उद्योग निगम लि0 110, इण्डस्ट्रियल स्टेट, फजलगंज, कानपुर में दाखिल कर सकता है। उक्त अवधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। निर्धारित समयावधि में आपत्ति प्राप्त न होने की दशा में इनके पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही करा दी जायेगी तथा भविष्य में किसी क्लेम / दावा पर विचार किया जाना सम्भव न होगा।

पी0के0 बाजपेई
विभागीय प्रबन्धक पैकेज

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों की संचालन अवधि में वृद्धि

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु रेलवे द्वारा निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियों की संचालन अवधि को निम्नानुसार बढ़ाने का निर्णय लिया गया है :-

रेलगाड़ी संख्या	स्टेशन से	स्टेशन तक	चलने के दिन	पूर्व अधिसूचित तिथि	विस्तार की अवधि
09465	अहमदाबाद जं.	दरभंगा जं.	साप्ताहिक - शुक्रवार	27.03.2026	15.05.2026 से 26.06.2026 तक
09466	दरभंगा जं.	अहमदाबाद जं.	साप्ताहिक - सोमवार	30.03.2026	18.05.2026 से 29.06.2026 तक
09451	गांधीधाम जं.	भागलपुर जं.	साप्ताहिक - शुक्रवार	27.03.2026	15.05.2026 से 26.06.2026 तक
09452	भागलपुर जं.	गांधीधाम जं.	साप्ताहिक - सोमवार	30.03.2026	18.05.2026 से 29.06.2026 तक
09093	उधना जं.	अयोध्या छावनी	साप्ताहिक - शुक्रवार	27.03.2026	15.05.2026 से 31.07.2026 तक
09094	अयोध्या छावनी	उधना जं.	साप्ताहिक - शनिवार	28.03.2026	16.05.2026 से 01.08.2026 तक
09097	उधना जं.	अयोध्या छावनी	साप्ताहिक - मंगलवार	24.03.2026	19.05.2026 से 28.07.2026 तक
09098	अयोध्या छावनी	उधना जं.	साप्ताहिक - बुधवार	25.03.2026	20.05.2026 से 29.07.2026 तक
09189	मुम्बई सेन्ट्रल	कटिहार जं.	साप्ताहिक - शनिवार	28.03.2026	16.05.2026 से 25.07.2026 तक
09190	कटिहार जं.	मुम्बई सेन्ट्रल	साप्ताहिक - मंगलवार	31.03.2026	19.05.2026 से 28.07.2026 तक
09183	मुम्बई सेन्ट्रल	बनारस	साप्ताहिक - बुधवार	25.03.2026	20.05.2026 से 29.07.2026 तक
09184	बनारस	मुम्बई सेन्ट्रल	साप्ताहिक - शुक्रवार	27.03.2026	22.05.2026 से 31.07.2026 तक

नोटः– शेष जानकारी पूर्ववत् है

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग में पड़ने वाले अन्य स्टेशनों की विस्तृत समय–सारणी और श्रेणियों की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in देखें अथवा NTES App देखें। पर हमें फॉलो करें

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139

रेलमदद वेबसाइट देखें :- www.railmadad.indianrailways.gov.in रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

उत्तर रेलवे आपकी सुविधा - हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

11184/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

न्यूज ब्रीफ

घर से बिना बताये कमाने जा रहीं छह लड़कियां बरामद

कुशीनगर, अमृत विचार : कसया थाना पुलिस को सूचना मिली कि छह लड़कियां घर से बिना बताये कहीं चली गई हैं। इनमें से एक लड़की ने अपने मित्र को बताया था कि वह सभी नौकरी की तलाश में लखनऊ जा रही हैं। इस सूचना पर थाना कसया पर गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस अधीक्षक, कुशीनगर द्वारा मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीमों का गठन किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक कुशीनगर सिद्धार्थ वर्मा के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी कसया कुंदन सिंह के नेतृत्व में तत्काल गुमशुदा लड़कियों की खोजबीन हेतु विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया। गठित टीमों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी 6 लड़कियों को जनपद बस्ती के गौर स्टेशन से सकुशल और सुरक्षित बरामद कर लिया गया है। बरामद लड़कियां किरण (18) पुत्री राजन राजभर, मनीषा (18) पुत्री राजन राजभर, नंदिनी (18) पुत्री स्व0 दीनानाथ राजभर, सलोनी (13) पुत्री मुन्ना राजभर, अनुष्का (19) पुत्री राजेंद्र राजभर, रिफत खातून (22) पुत्री सफदर, को स्वजनों को सौप दिया गया।

अवैध असलहों के साथ सप्लायर दबोचा

संतकबीरनगर : अमृत विचार। दुधारा पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने गुरुवार को पिपरा बोरिंग के पास से बाइक सवार अवैध असलहा सप्लायर को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपी के पास से एक अदद पिस्टल 32 बोर, एक अदद पिस्टल 9 एमएम, 02 अदद देशी तमंचा 315 बोर व 04 अदद कारतूस बरामद हुआ। पुलिस की पूछताछ में पकड़े गए आरोपी ने अहम जानकारी दी। पूछताछ में पकड़े गए अवैध असलहा सप्लायर की पहचान कमलेश यादव पुत्र रामशब्द यादव निवासी रसीदाबाद थाना जीयनपुर जनपद आजमगढ़ के रूप में हुई।

बैंक खातों को 'पूरी तरह फ्रीज' करना विधिसम्मत नहीं

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने साइबर अपराध से जुड़े एक मामले में जांच के नाम पर बैंक खातों को पूरी तरह फ्रीज करने की प्रवृत्ति पर महत्वपूर्ण सीमा तय करते हुए स्पष्ट किया कि पुलिस केवल संदिग्ध या विवादित राशि तक ही कार्रवाई कर सकती है, पूरे खाते के संचालन पर रोक लगाना कानूनसम्मत नहीं है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति अजीत कुमार और न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने कानपुर निवासी आशीष रावत सहित विभिन्न याचिकाओं की संयुक्त सुनवाई करते हुए पारित किया। सभी याचिकाएं बैंक खातों को बिना कारण बताए और बिना विधिक प्रक्रिया का पालन किए फ्रीज किए जाने के विरुद्ध दाखिल की गई थीं। दरअसल याचियों ने आरोप लगाया कि उनके बैंक खातों को साइबर क्राइम जांच के नाम पर बिना पूर्व सूचना, बिना कारण बताए और कई मामलों में बिना मजिस्ट्रेट को सूचित किए फ्रीज कर दिया गया, जिससे उनकी आजीविका प्रभावित हुई। मामले को गंभीरता से लेते हुए कोर्ट ने माना कि बीएनएसएस की धारा 106 के तहत "संपत्ति" का अर्थ केवल वही राशि है जो संदिग्ध या अपराध से जुड़ी हो। पूरे खाते को फ्रीज करना अधिकारों का अतिक्रमण है। पुलिस को जांच के दौरान खाते या राशि को फ्रीज करने का अधिकार है, लेकिन यह कार्रवाई केवल संदिग्ध राशि तक सीमित होनी चाहिए और इसके लिए विधिक प्रक्रिया का पालन आवश्यक है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि खाते को फ्रीज करने से पहले नोटिस देना अनिवार्य नहीं है, लेकिन इसके बाद संबंधित मजिस्ट्रेट को सूचना देना और खाताधारक को स्थिति की जानकारी देना आवश्यक है। कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया की धारा 106 और स्थायी सीज़र के लिए है, जबकि धारा 107 अटैचमेंट के लिए है जिसके लिए मजिस्ट्रेट का आदेश अनिवार्य होता है। कोर्ट ने इस बात पर भी जोर दिया के केवल इस आधार पर कि संदिग्ध लेनदेन हुआ है, पूरे बैंक खाते का संचालन रोक देना कानून की मंशा के विपरीत है, साथ ही यह भी कहा कि बैंक खाताधारक उपभोक्ता हैं और उन्हें कम से कम खाते की स्थिति की जानकारी मिलनी चाहिए, ताकि वे उचित कानूनी उपाय कर सकें।

नगर पालिका परिषद हाटा में शपथ लेते मनोनीत सभासदगण। अमृत विचार

मनोनीत सभासदों का शपथग्रहण समारोह सम्पन्न

कुशीनगर, अमृत विचार : नगरपालिका परिषद हाटा के प्रागण में शासन द्वारा मनोनीत सभासदों का शपथग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ। बुधवार को आयोजित इस समारोह में शासन द्वारा मनोनीत सभासद राजेश मणि, रितेश नाथानी, मुंशी सिंह, अनुराग कुशवाहा, सूचित गौड को उपजिलाधिकारी हाटा योगेश्वर सिंह ने शपथ दिलाई। इस दौरान विधायक मोहन वर्मा ने कहा कि नगरपालिका के विकास के लिए धन की कमी नहीं रहेगी, जितने धन की आवश्यकता रहेगी उतना उपलब्ध कराया जाएगा। सभी लोग मिलकर नगरपालिका का चहुंमुखी विकास करें। इस दौरान नगरपालिका परिषद अध्यक्ष रामानंद सिंह, ईओ मीनू सिंह, पंकज भारद्वाज, समस्त सभासदगण, भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता व आमजन मानस मौजूद रहे।

कानपुर में नशे में दौड़ाई कार, बोनट में फंसकर युवक 50 मीटर घिसटा

युवकों से विवाद होने पर सेवानिवृत्त दरोगा के बेटे ने कुचलने का किया प्रयास

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कार की चपेट में आकर ठेला लगाने वाला गंभीर रूप से घायल
- वीडियो वायरल होने पर पांच दिन बाद पुलिस ने दर्ज किया केस

अमृत विचार। चकेरी में सेवानिवृत्त दरोगा के बेटे ने हाईस्पीड में कार दौड़ाई। सड़क किनारे फास्टफूड का ठेला लगाने वाला युवक कार की चपेट में आ गया। बोनट में फंसकर करीब 50 मीटर तक घसीटता गया। युवक के शरीर पर कई जगह चोटें आईं, पैर टूट गया। प्राइवेट अस्पताल में उसे भर्ती कराया गया है। युवक के अनुसार नशे में धुत कार चालक का पहले कई युवकों से विवाद हुआ। इसके बाद उसने कार दौड़ाई और मोड़कर युवकों को कुचलने का प्रयास किया। लड़के तो बच गए, लेकिन ठेला लगाए युवक चपेट में आ गया। वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने पांच दिन बाद कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है।

अस्पताल में भर्ती घायल ध्रुमित।

सजारी के रामनगर निवासी ध्रुमित पांडेय फेस-टू में फास्टफूड का ठेला लगाते हैं। घटना बीती चार अप्रैल रात की है। ध्रुमित फास्टफूड का ठेला लगाए था। उसके अनुसार रात को उसकी दुकान के पास ही नशे में धुत कार चालक का कई युवकों से विवाद हुआ था। विवाद के बाद कार चालक पहले तो जाने लगा। उसने करीब 90 की स्पीड में कार दौड़ाई, फिर अचानक उसने कार मोड़ दी। कार भगाकर उसने युवकों को कुचलने के प्रयास किया।

यह देख युवक भाग निकले, लेकिन बेकाबू कार की चपेट में ध्रुमित आ गया। बोनट में फंसकर वह करीब 50 मीटर तक घसीटता गया। बोनट से छूटने पर वह दूर गिरा और कार सवार भाग निकला। पीड़ित के अनुसार युवक सेवानिवृत्त दरोगा का बेटा बताया जा रहा है। घटना की जानकारी होने पर ध्रुमित के परिजन उसे लेकर कांशीराम ट्रामा सेंटर पहुंचे। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने हालत गंभीर बताकर हैलेट रेफर कर दिया। इस पर परिजनों ने उसे रामादेवी स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां इलाज चालू है। डॉक्टरों का कहना है कि युवक को स्वस्थ होने में छह माह का समय लग सकता है। परिजनों का आरोप है कि पांच दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। एसीपी चकेरी अभिषेक पांडे ने बताया कि कार चालक रोहित गौतम के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोपी की तलाश में छापेमारी की जा रही है।

किडनी कांडः फरार आरोपियों पर 25-25 हजार का इनाम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पुलिस अब तक डॉक्टर दंपति सहित नौ को भेज चुकी है जेल
- 12 और की तलाश

अमृत विचार। किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट में फरार चल रहे डॉ. रोहित, उसके साथी अली व अफजाल पर पुलिस ने 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। पुलिस इस प्रकरण में अब तक डॉ. दंपती समेत नौ लोगों को जेल भेज चुकी है, जबकि 12 आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने बताया कि बाकी आरोपियों के खिलाफ भी इनाम घोषित करने की प्रक्रिया शुरू है। डॉ. रोहित एनसीआर का रहने वाला है। पूरा गैंग संचालित करता है। वहीं अफजाल मेरठ के अल्फा अस्पताल में काम करता था। किडनी डोनर व रिसीवर की तलाश की जिम्मेदारी उसी पर होती है। अली ओटी टेक्नीशियन है।

पुलिस के अनुसार डॉ. अफजाल व प्रयागराज का दलाल नवीन पांडेय ठिकाना बदल रहे हैं। अफजाल ने एक से संपर्क किया, जिससे जल्द पूछताछ की जाएगी। अगर उस व्यक्ति की किडनी कांड में संलिप्तता मिली तो कार्रवाई होगी। वहीं सिंडिकेट में अहम एंबुलेंस चालक दलाल शिवम अग्रवाल उर्फ शिवम काणा के मोबाइल में कई राज बंद हैं। लाकर खुलवाने के लिए उसका कस्टडी रिमांड जल्द मिल सकता है। जिससे कई राज सामने आएंगे। किडनी ट्रांसप्लांट के मुख्य आरोपी डॉ. प्रीति आहूजा हैं। आहूजा हॉस्पिटल में किडनी ट्रांसप्लांट होता था। डॉ. प्रीति हॉस्पिटल की मालकिन है। डॉ. प्रीति आईएमए कानपुर की वाइस प्रेसीडेंट हैं।

बेकाबू कार ने कइयों को रौंदा, बालिका की मौत व 7 लोग घायल

कुशीनगर, अमृत विचार: कुशीनगर जिले के खड्डा थाना क्षेत्र के बंजारी पट्टी मुख्य चौराहे पर बुधवार की देर रात सड़क पर बेकाबू कार ने कई लोगों को रौद दिया। इस घटना में आधा दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि एक की मौत हो गई। 7 गंभीर रूप से घायल को पुलिस व स्थानीय लोगों की मदद से एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया जहां घायलों का इलाज जारी है। इस तेज रफ्तार अनियंत्रित कार ने बाइक सवार, साइकिल सवार व पैदल राहगीरों को कुचल दिया। घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई। हादसे में घायल 12 साल की जोया की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के दौरान मौजूद भीड़ ने कार क्षतिग्रस्त कर चालक की भी पिटाई की। पुलिस मामला दर्ज कर जांच पड़ताल में लगी है। कार चालक को कब्जे में लेकर पुलिस ने मृतक के शव को पीएम के लिए भेजा है।

मनोनीत सभासदों को दिलाई शपथ

संतकबीरनगर, अमृत विचार। नगर पंचायत मगहर में राज्य सरकार की ओर से तीन सभासदों के मनोनयन के बाद गुरुवार को उनका शपथ ग्रहण कराया गया। नगर पंचायत के विवाह भवन में आयोजित कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी अरुण कुमार ने अरुण कुमार गुप्ता, गौरव निषाद और सुनीता यादव को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सदर विधायक अंकुर राज तिवारी रहे। उन्होंने कहा कि मनोनीत सभासदों की जिम्मेदारी है कि वे सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं और क्षेत्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने विकास कार्यों में आ रही बाधाओं को दूर करने पर भी जोर दिया। विधायक ने नगर पंचायत प्रशासन को गृहकर निर्धारण में पारदर्शिता बरतने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि बोर्ड के सभी सदस्यों को विश्वास में लेकर ही कर तय किया जाए।

मगहर नगर पंचायत में नवमनोनीत सभासदों को शपथ दिलाते एसडीएम खलीलाबाद अरुण कुमार और सदर विधायक अंकुर राज तिवारी।

थानों पर लगेंगे विधिक सहायता के पोस्टर

संतकबीरनगरः अमृत विचार। जनपद न्यायाधीश रणधीर सिंह के निर्देश पर गुरुवार को थाना कोतवाली खलीलाबाद में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के चीफ अन्जय कुमार श्रीवास्तव ने पहुंचकर आमजन को विधिक सहायता योजनाओं की जानकारी दी। कहा कि प्रत्येक थाने पर विधिक सहायता से संबंधित पोस्टर लगाना अनिवार्य है, ताकि आमजन को उनके अधिकारों और उपलब्ध निःशुल्क सेवाओं की जानकारी आसानी से मिल सके।

कालिदह भंसार को ट्रेड रूट बनाने की मांग

ककरहवा, सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। नेपाल के रूपनदेही-4 के सांसद कन्हैया बनिया ने मांग पत्र जारी करते हुए प्रधानमंत्री बालेन शाह से कालिदह भंसार को औपचारिक रूप से ट्रेड रूट के रूप में विकसित और संचालित करने की मांग की है।

सांसद द्वारा जारी मांग पत्र में कालिदह भंसार की वर्तमान स्थिति, संभावनाओं और क्षेत्रीय आवश्यकताओं का विस्तार से उल्लेख किया गया है। उन्होंने कहा कि रुपनदेही सहित आसपास के सीमावर्ती इलाकों में व्यापारिक गतिविधियों को गति देने के लिए इस भंसार को पूर्ण रूप से ट्रेड रूट के रूप में संचालन में लाना अत्यंत आवश्यक है जिससे स्थानीय व्यापारियों एंव पर्यटकों को लाभ मिलेगा।

नेपाल सीमा पर स्थित कालीदह भंसार कार्यालय।

उन्होंने अपने पत्र में यह भी उल्लेख किया कि यदि कालिदह भंसार को व्यवस्थित रूप से विकसित कर ट्रेड रूट का दर्जा दिया जाता है, तो भारत-नेपाल के बीच व्यापारिक आवागमन अधिक सुगम और व्यवस्थित होगा। इससे सीमा क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को बल मिलेगा, स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और राजस्व संग्रह में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल रूपनदेही बल्कि पूरे सीमा क्षेत्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस पहल को लेकर स्थानीय व्यापारियों, और आम नागरिकों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सांसद के प्रयास की सराहना करते हुए उम्मीद जताई है कि सरकार जल्द ही कालिदह भंसार को ट्रेड रूट के रूप में मान्यता देने की दिशा में ठोस कदम उठाएगी।

बच्चे की हत्या मामले की 8 दिनों के अंदर विवेचना पूरी

संवाददाता कुशीनगर।

अमृत विचारः पुलिस अधीक्षक केशव कुमार के निर्देशानुसार कोतवाली हाटा पुलिस ने बच्चे का अपहरण और हत्या के मामले में तेजी से कार्यवाही की गई है।

हाटा कोतवाली क्षेत्र के हनुमान नगर, गोपालपुर, विरैचा निवासी राजवीर यादव (भांजे) का बीते 27 मार्च को पैकोली चौराहे से अपहरण कर लिया गया था। वादी आदित्य यादव द्वारा थाना हाटा में मुकदमा दर्ज कराया गया। घटना के अनावरण के लिए थाना स्थानीय एवं सर्विलांस की टीम गठित की गई। सीसीटीवी आदि के अवलोकन के आधार पर आरोपी डब्लू गौड निवासी हनुमान नगर, गोपालपुर, विरैचा को की गतिविधियां संदिग्ध मालूम पड़ी। पूछताछ में आरोपी ने अपराध कबूल किया। आरोपी की निशानदेही पर रधिया देवरिया नहर के किनारे मूंज की झाड़ी से शव बरामद किया गया। मामले में धारा 103(1)/238 बीएनएस की बढ़ोतरी की गई। समस्त वैज्ञानिक साक्ष्य, डीएनए सैंपलिंग, सीसीटीवी फुटेज, सीडीआर तथा गवाहों के बयान एकत्रित कर निरीक्षक हरेराम सिंह यादव द्वारा मात्र 8 दिनों के अंदर विवेचना पूर्ण कर 04 अप्रैल को आरोप पत्र मा0 न्यायालय में प्रेषित की गई।

बेटियां समाज की अमूल्य धरोहर

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

- डीएम ने अस्पताल में कन्या जन्मोत्सव मनाया

अमृत विचार। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनांतर्गत अस्पताल में कन्या महोत्सव जिलाधिकारी श्री शिवशरणप्पा जीएन द्वारा केक काटकर मेडिकल कालेज के एमसीएच विंग में कन्या जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने नवजात बालिकाओं की माताओं को बधाई दी तथा उन्हें पुष्पगुच्छ, बेबी किट एवं अन्य उपहार भेंट किए। जिलाधिकारी ने स्वयं केक काटकर इस पहल को एक प्रेरणादायक स्वरूप दिया और उपस्थित लोगों को बेटियों के महत्व के प्रति जागरूक किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि बेटियां समाज की अमूल्य धरोहर हैं और उनके जन्म को उत्सव के रूप में मनाना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना का उद्देश्य केवल लिंगानुपात में सुधार करना ही नहीं, बल्कि बालिकाओं को शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान दिलाना भी है। इस तरह के आयोजन समाज में सकारात्मक संदेश देने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने नवजात शिशुओं की देखभाल, स्तनपान के महत्व, टीकाकरण एवं पोषण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां माताओं को प्रदान कीं। साथ ही, बालिकाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गई। कन्या महोत्सव के इस आयोजन से समाज में अब बेटियों के जन्म को गर्व और खुशी के साथ स्वीकार किया जा रहा है। यह पहल निश्चित रूप से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सहायक सिद्ध होगी। इस अवसर पर प्राचार्य माधव प्रसाद त्रिपाठी, मेडिकल कालेज डॉ. राजेश मोहन, सीएमओ डॉ. रजत कुमार चौरसिया, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एके झा, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार सिंह, एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

वॉलीबॉल में गांधी आदर्श इंटर कॉलेज बढ़नी बना विजेता

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जनपद में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन एवं जिला ओलंपिक एसोसिएशन सिद्धार्थनगर के संयुक्त तत्वावधान में 'अस्मिता खेलो इंडिया' के अंतर्गत जिला स्तरीय महिला हैंडबॉल एवं वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम में हुआ। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों एवं क्लबों की टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया।

महिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता में गांधी आदर्श इंटर कॉलेज, बढ़नी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान पर कब्जा जमाया, जबकि जागृति स्पोर्ट्स क्लब, बढ़नी की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। मुकाबले के दौरान खिलाड़ियों के जोश और समन्वय ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। वहीं, महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता में खेलो इंडिया 'ए' टीम ने दमदार खेल दिखाते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बसौनी की टीम ने कड़ी टक्कर देते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया। समापन समारोह में राजकीय इंटर कॉलेज, नौगढ़ के प्रधानाचार्य एवं प्रभारी जिला विद्यालय निरीक्षक दयाशंकर यादव ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किया।

खुनुवां बॉर्डर पर सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। भारत-नेपाल सीमा के खुनुवां बॉर्डर पर एक बार फिर व्यवस्था और निगरानी प्रणाली पर सवाल खड़े हो गये हैं। सोमवार को नेपाल के कपिलवस्तु जिले की ट्रैफिक पुलिस ने ओवरलोडिंग के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए 136 भारतीय मालवाहक वाहनों का चालान किया, लेकिन इससे भारतीय तंत्र की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, तौलिहवा ट्रैफिक कार्यालय ने खुनुवां बार्डर से प्रवेश किये 78 और कृष्णानगर ट्रैफिक कार्यालय ने 58 वाहनों को ओवरलोड पाये जाने पर जुर्माना लगाया। इन वाहनों से 500 से 2000 रुपये तक की रकम वसूली की गई। अब सवाल उठ रहा है कि जब ये वाहन पहले से ओवरलोड थे, तो भारतीय सीमा और सड़कों पर इन्हें जांचकर रोका क्यों नहीं गया। भारत में ओवरलोड वाहनों के लिए नियम नहीं है।

लिया जायजा पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक ने गोरखपुर-मऊ रेलखण्ड का विन्डो ट्रेलिंग निरीक्षण किया

गुणवत्ता के साथ समय से पूरे हों निर्माण कार्य

गोरखपुर, अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक उदय बोरवणकर ने मंडल रेल प्रबंधक, वाराणसी आशीष जैन तथा मुख्यालय एवं मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ गोरखपुर-मऊ रेलखण्ड के विन्डो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अमृत भारत स्टेशन विकास योजना के अन्तर्गत देवरिया सदर, भटनी, सलेमपुर, बेल्थरा रोड एवं मऊ स्टेशनों पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों का भी गहन निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने गौरी बाजार-बैतालपुर खण्ड पर समपार संख्या 136 बी-1 पर लिमिटेड हाईट सब-वे के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और सभी कार्य समय सीमा में पूरी गुणवत्ता के साथ पूरा करने का सम्बन्धित को निर्देश दिया। गोरखपुर-देवरिया रेलखण्ड का विन्डो ट्रेलिंग निरीक्षण करते हुए देवरिया सदर स्टेशन पहुंचे महाप्रबंधक ने देवरिया सदर रेलवे स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों का निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने देवरिया सदर स्टेशन के पुनर्विकास से सम्बंधित सभी कार्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ समय सीमा के अन्दर पूर्ण करने का सम्बंधित को निर्देश दिया। अहिल्यापुर हॉल्ट स्टेशन का निरीक्षण कर प्रस्तावित गुड्स शेड का जायजा लिया। भटनी जं. पर चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्यों को देखा। उन्होंने भटनी स्टेशन के सभी कार्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ समय सीमा के अन्दर पूर्ण करने का सम्बंधित को निर्देश दिया। महाप्रबंधक ने सलेमपुर यार्ड में स्थित समपार सं-07 स्पेशल का संरक्षा निरीक्षण किया और संरक्षा के सभी मानदंडो की जाँच की।

निरीक्षण करते महाप्रबंधक उदय बोरवणकर। अमृत विचार

पुणे-गाजीपुर सिटी-पुणे द्विसाप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी का संचलन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल के दौरान यात्रियों की यात्रियों की सुविधा के लिए 01431/01432 पुणे-गाजीपुर सिटी-पुणे द्विसाप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी का संचलन पुणे से 01 मई से 14 जुलाई तक प्रत्येक शुक्रवार एवं मंगलवार को तथा गाजीपुर सिटी से 03 मई से 16 जुलाई तक प्रत्येक रविवार एवं गुरुवार को 22 फेरों के लिये किया जायेगा। 01431 पुणे-गाजीपुर सिटी द्विसाप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 01 मई से 14 जुलाई तक प्रत्येक शुक्रवार एवं मंगलवार को पुणे से 06.40 बजे प्रस्थान करेगी। दूसरे दिन वापसी यात्रा में 01432 गाजीपुर सिटी-पुणे द्विसाप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 03 मई से 16 जुलाई तक प्रत्येक रविवार एवं गुरुवार को गाजीपुर सिटी से 04.20 बजे प्रस्थान करेगी। इस गाड़ी में के शयनयान श्रेणी के 06, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 05, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04 तथा एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 18 कोच लगाये जायेंगे।

बच्चों में छिपी होती हैं असीम प्रतिभाएं निखारने की जिम्मेदारी शिक्षकों की

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। नगर पंचायत शोहरतगढ़ के बोरा पेट्रोल पम्प के बगल स्थित शारदा पब्लिक स्कूल में बुधवार को आयोजित वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि निवर्तमान विधायक अमर सिंह चौधरी, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, प्रधान संगठन जिलाध्यक्ष डॉ0 पवन मिश्रा एवं विशिष्ट अतिथि सांसद प्रतिनिधि सूर्य प्रकाश पाण्डेय, श्याम जायसवाल के प्रतिनिधि घनश्याम गुप्ता, युवा नेता अभय प्रताप सिंह, श्याम सुन्दर चौधरी, शिक्षक रामविलास यादव ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

मुख्य अतिथि सपा नेता अमर सिंह चौधरी ने कहा कि पिछड़े क्षेत्र में यह विद्यालय स्कूल शिक्षा क्षेत्र में मजबूती देगी। हमारे ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। कार्यक्रम में बच्चों की प्रस्तुति सराहनीय है। वहीं नपं अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल चौधरी ने कहा कि बच्चों के अन्दर असीम छिपी प्रतिभाएं होती हैं। उन्हें निखारने की जिम्मेदारी शिक्षक के ऊपर होती है।

जिलाध्यक्ष डा0 पवन मिश्रा ने कहा कि यहां के बच्चों में प्रतिस्पर्धा उत्पन्न होगी। जो वह आगे की ओर अग्रसर होंगे। विशिष्ट अतिथि सूर्य प्रकाश पाण्डेय उर्फ पहलवान ने कहा कि बच्चों को पढ़ाई लिखाई के जरिए शिक्षक एक अच्छा इंसान बनाने का प्रयास करता है। अभय प्रताप सिंह ने कहा कि शिक्षकों को चाहिए कि वह नियमित विद्यालयों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दें। शिक्षक राम विलास यादव ने कहा कि बच्चों की प्रस्तुति सराहनीय है। सर्वेश सिंह ने कहा कि शिक्षा की महत्ता देश के बाहर जाने पर दिखाई देती है।

न्यूज ब्रीफ

आंध्र प्रदेश: सेल्फी लेने की कोशिश में झरने में डूबीं तीन लड़कियां

अनंतगिरि। अनंतगिरी में बृहस्पतिवार को सेल्फी लेने के लिए झरने में उतरी तीन लड़कियां डूब गईं। पुलिस के अनुसार एक ही गांव की चार लड़कियां झरने के पास गई थीं तभी उनमें से तीन दुर्घटनावश पानी में गिर गईं और तैरना नहीं जानने के कारण डूब गईं। पुलिस ने बताया कि चौथी लड़की बच गई और उसका इलाज चल रहा है। यह घटना अल्लूरी सीताराम राजू स्थित मूलागुम्मी गांव में हुई। एक अधिकारी ने बताया, तैरना नहीं जानने के बावजूद सेल्फी लेने के लिए झरने में उतरीं तीन लड़कियां डूब गईं।स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित होने के कारण सभी लड़कियां बाहर गई थीं।

प्रशिक्षु अग्निवीर आईएनएस चिल्का में फंदे से लटका मिला

भुवनेश्वर। ओडिशा के खुर्दा जिले में स्थित आईएनएस चिल्का परिसर में उत्तर प्रदेश के 19 वर्षीय प्रशिक्षु अग्निवीर ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान कार्तिक यादव के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले का निवासी था। बुधवार को परिसर के एक कमरे में वह पंखे से लटका हुआ मिला। अधिकारी ने बताया कि कार्तिक के साथियों और अन्य कर्मचारियों ने उसका शव नीचे उतारा और परिसर के एक अस्पताल में ले गए, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। अधिकारी ने कहा, हमने अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हरियाणा : हॉस्टल में फंदे से लटका मिला एनआईटी का छात्र

कुरुक्षेत्र। हरियाणा में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) कुरुक्षेत्र के एक छात्र का शव उसके छात्रावास के कमरे में पंखे से लटका मिला। पुलिस को आशंका है कि छात्र ने आत्महत्या की है, हालांकि इस कदम के पीछे का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान प्रियांशु शर्मा के रूप में हुई है, जो सिविल इंजीनियरिंग विभाग का बीटेक का तीसरे वर्ष का छात्र था और हरियाणा के सिरसा जिले के शेरपुरा गांव का निवासी था।

राजघाट पर प्रदर्शन...सीएपीएफ बिल वापस ले सरकार, ओपीएस लाभ दे

अर्धसैनिक बलों के कर्मियों और पूर्व सैनिकों के परिवारों के सैकड़ों लोग हुए शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी

सेवारत अर्धसैनिक कर्मियों और पूर्व सैनिकों के परिवारों ने हाल ही में पारित केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) विधेयक के खिलाफ बृहस्पतिवार को दिल्ली के राजघाट पर विरोध प्रदर्शन किया और इसे वापस लेने के साथ कई और मांगें भी कीं। प्रदर्शन करने वालों में अधिकतर महिलाएं शामिल थीं, जिन्होंने सीएपीएफ (सामान्य प्रशासन) विधेयक 2026 को वापस लिए जाने और इन बलों के कैडर अधिकारियों तथा जवानों को समय पर पदोन्नत किए जाने की मांग की।

सीएपीएफ में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) शामिल हैं। इन सभी कर्मियों की मिलाकर संख्या लगभग 10 लाख है। ''अलायंस ऑफ ऑल एक्स-पैरामिलिट्री फोर्सेज वेलफेयर एसोसिएशन'' (एएपीडब्ल्यूए) के महासचिव रणबीर सिंह ने कहा, राजघाट पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया गया जिसका उद्देश्य संसद द्वारा पारित सीएपीएफ विधेयक को वापस लेने और उन कैडर अधिकारियों तथा जवानों के लिए न्याय सुनिश्चित करने की मांग करना था, जो 15 से 17 वर्षों से पदोन्नति न मिलने के कारण गतिरोध में फंसे हुए हैं। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त अधिकारियों ने बार-बार इन चिंताओं को उठाया है और अपनी शिकायतों को समझाने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की मांग की है, लेकिन अब तक उन्हें कोई जवाब नहीं मिला है।

रणबीर सिंह ने कहा, हम यह भी मांग करते हैं कि सीएपीएफ अधिकारियों को पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) का लाभ दिया जाए और उन्हें सही मायने में संगठित समूह ए सेवा (ओजीएएस) के लाभ प्रदान किए जाएं। एएपीडब्ल्यूए के अध्यक्ष एवं सीआरपीएफ कैडर के अतिरिक्त महानिदेशक रैंक के सेवानिवृत्त अधिकारी एचआर सिंह ने कहा कि सरकार ने सीएपीएफ विधेयक पारित किया है, जबकि मई 2025 में उच्चतम न्यायालय ने एक फैसले में सीएपीएफ कैडर के अधिकारियों के लिए बेहतर सेवा संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त किया था। उन्होंने कहा, इन बलों के लगभग 10 लाख जवान और 13,000 अधिकारी अपने भविष्य को लेकर बहुत चिंतित हैं। हम अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे।

राजघाट पर हुए प्रदर्शन में शामिल अर्द्धसैनिक बलों के जवानों के परिवार के लोग।

सीआरपीएफ के डीजी बोले- पदोन्नति के मुद्दे के जल्द होगा समाधान

नई दिल्ली। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के महानिदेशक (डीजी) जीपी सिंह ने बृहस्पतिवार को अधिकारियों और जवानों को भरोसा दिलाया कि देश के सबसे बड़े अर्धसैनिक बल में पदोन्नति में ठहराव की बड़ी समस्या को जल्द से जल्द हल करने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ मुख्यालय यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहा है कि अर्धसैनिक बल के ग्रुप-ए अधिकारियों के कैडर पुनर्गठन को पूरा करके मई के पहले पखवाड़े तक केंद्र सरकार को भेज दिया जाए। कैडर पुनर्गठन का उद्देश्य बल के कर्मचारियों के लिए कैरियर की संभावनाओं को बेहतर बनाना है। सिंह की यह टिप्पणी संसद में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, 2026 के पारित होने के कुछ दिनों बाद आई है। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) कैडर के अधिकारियों का कहना है कि यह विधेयक दमनकारी है और अगर आईपीएस में प्रतिनियुक्तियों में कटौती नहीं की जाती है तो वे अपने वर्तमान पदों पर ही बने रह जाएंगे।

ओडिशा: एनआईए ने शुरू की भुवनेश्वर विस्फोट की जांच

भुवनेश्वर। एनआईए ने जनवरी में भुवनेश्वर में हुए विस्फोट की जांच शुरू कर दी है। इस विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई थी।

बृहस्पतिवार को एनआईए की तीन सदस्यीय टीम ने एयरफील्ड थाने का दौरा किया और आजाद नगर में 27 जनवरी को हुए विस्फोट के संबंध में प्राथमिकी तथा फोरेंसिक रिपोर्ट सहित दस्तावेज एकत्र किए। पुलिस ने बताया कि जांचकर्ताओं ने जनवरी में विस्फोट स्थल का दौरा किया था और फोरेंसिक साक्ष्य तथा सीसीटीवी फुटेज की जांच की थी।

हरियाणा सरकार ने दो आईएएस अधिकारियों को निलंबित किया

- 590 करोड़ रुपये के बैंक घोटाले से जुड़े थे दोनों अफसरों के तार

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के दो अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इन अधिकारियों में राम कुमार सिंह और प्रदीप कुमार शामिल हैं। निलंबन का कारण आधिकारिक तौर पर नहीं बताया गया, लेकिन सूत्रों के अनुसार यह कार्रवाई 590 करोड़ के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक धोखाधड़ी मामले की जांच से जुड़ी है।

निलंबन की अवधि के दौरान, राज्य सिविल सेवा से पदोन्नत और क्रमशः 2012 और 2011 बैच के दोनों अधिकारियों का मुख्यालय चंडीगढ़ में हरियाणा सरकार के मुख्य सचिव के कार्यालय में होगा। सिंह जुलाई 2025 से जनवरी 2026 के बीच पंचकुला नगर निगम के आयुक्त थे जबकि कुमार 31 अगस्त 2022 से 10 दिसंबर 2025 तक हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव रहे। निलंबन से पहले, सिंह राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग के विशेष सचिव और पंचकुला महानगर विकास प्राधिकरण के अतिरिक्त सीईओ का पदभार संभाल रहे थे।

दिल्ली मानव तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ नाबालिग समेत आठ महिलाएं मुक्त कराईं

- देह व्यापार के लिए महिलाओं को करते थे अगवा, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली पुलिस ने मध्य दिल्ली के श्रद्धानंद मार्ग इलाके में चल रहे मानव तस्करी और देह व्यापार गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए एक नाबालिग समेत आठ महिलाओं को मुक्त कराया। पुलिस ने अजमेरी गेट के पास एक इमारत में अनैतिक गतिविधियों के संबंध में मिली विशिष्ट सूचना के बाद आठ अप्रैल की रात को छापेमारी की थी।

एक अधिकारी ने बताया, संदिग्ध परिसर पर छापे के दौरान पुलिस को अंदर कई महिलाएं और कुछ पुरुष मिले। जांच में पता चला कि इस जगह का इस्तेमाल संगठित देह व्यापार और मानव तस्करी के लिए किया जा रहा था। आठ महिलाओं को मुक्त कराया गया, जिनमें पश्चिम बंगाल से तस्करी करके लाई गई 17 वर्षीय लड़की भी शामिल थी। नाबालिग ने खुलासा किया कि उसे आलिया उर्फ पिंकी नाम की एक महिला दिल्ली लेकर आई थी और बाद में उसे एक ऐसे दंपती को सौंप दिया गया था जो देह व्यापार में लिप्त है। यह गिरोह पश्चिम बंगाल और असम सहित विभिन्न राज्यों और यहां तक कि नेपाल से भी महिलाओं को तस्करी कर लाता था।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, नेपाल निवासी गोपी राम परिहार उर्फसूरज और लुमा कांत पांडे को मौके से गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के दौरान बड़ी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री के साथ-साथ 1.97 लाख रुपये नकद, विदेशी मुद्रा और नशीले पदार्थ बरामद किए हैं। गिरोह के मुख्य सरगना समेत अन्य आरोपियों का पता लगाने और उन्हें गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं।

मुंबई में नैरोबी से लाया गया 30 किलो सोना जब्त, 24 विदेशी महिलाएं भी गिरफ्तार

नई दिल्ली। देश में तस्करी के सोने का संगठित कारोबार करने वाले एक नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की मुंबई की टीम ने 37.74 करोड़ रुपये मूल्य का 29.37 किलोग्राम सोना जब्त किया गया है और 24 सोना लाने वाली विदेशी महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। ये सभी अफ्रीकी देश से आ रही थीं।

वित्त मंत्रालय के अनुसार खुफिया सूचना पर डीआरआई अधिकारियों ने नैरोबी से आने वाली महिलाओं के एक समूह की पहचान की, जो मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के माध्यम से बड़ी मात्रा में सोने की तस्करी करने का प्रयास कर रही थीं। ऑपरेशन धहाबू ब्लिट्ज के तहत इन 24 विदेशी नागरिकों को रोका गया। समन्वित कार्रवाई के परिणामस्वरूप इन यात्रियों से 25.10 किलोग्राम सोने की छड़ें और 4.27 किलोग्राम सोने के आभूषण बरामद किए गए।

बाल तस्करी के मामलों को गंभीरता से लें राज्य, समन्वित कार्रवाई करें

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई, कहा- गिरोह देशभर में सक्रिय
- कहा- तत्काल कदम नहीं उठाए तो स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाएगी

उच्चतम न्यायालय ने बाल तस्करी के बढ़ते मामलों पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा है कि ऐसा करने वाले गिरोह देशभर में सक्रिय हैं और यदि राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों ने तत्काल कदम नहीं उठाए तो स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाएगी। कोर्ट ने कहा कि इस संबंध में केवल राज्य सरकार और उसका गृह विभाग ही सतर्कता के साथ कार्रवाई कर सकता है।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने बुधवार को एक याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा, एक न्यायालय के रूप में हम निगरानी कर सकते हैं, लेकिन कार्रवाई अंततः राज्य सरकार, पुलिस और अन्य एजेंसियों को ही करनी है इसलिए यह हमारा विनम्र अनुरोध है। पीठ ने संगठित तस्करी गिरोह को ध्वस्त करने के उद्देश्य से 2025 में सुनाए गए एक फैसले को लागू करने के मामले में कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ढुलमुल रवैये पर नाराजगी जताई। न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने कहा कि कुछ मामलों में बच्चों को बरामद किया जाना इस बात का प्रमाण है कि इस समस्या से निपटा जा सकता है लेकिन इसके लिए जिस स्तर की राजनीतिक और प्रशासनिक इच्छाशक्ति चाहिए उसका फिलहाल अभाव है।

कई राज्यों ने निर्धारित प्रारूप में नहीं भेजी रिपोर्ट

पीठ ने बुधवार को कहा कि मध्य प्रदेश, गोवा, हरियाणा, लक्षद्वीप, मिजोरम, ओडिशा और पंजाब ने अब भी निर्धारित प्रारूप में रिपोर्ट दाखिल नहीं की। जब मध्य प्रदेश के गृह सचिव ने इस चूक के लिए माफी मांगी तो पीठ ने 'अंतिम अवसर' दिया और चेतावनी भी दी कि बार-बार विफल रहने पर राज्यों को आधिकारिक रूप से 'आदेश का पालन नहीं करने वाला' घोषित कर दिया जाएगा। पीठ ने कहा कि कम से कम 15 राज्य ऐसे हैं जिन्होंने मानव तस्करी की आशंका वाले क्षेत्रों की पहचान और निगरानी के लिए अनिवार्य समीक्षा समितियों का गठन अभी तक नहीं किया है।

झारखंड: तीन सिपाहियों ने ट्रेजरी से उड़ाए 15.41 करोड़ रुपये

रांची। झारखंड के हजारीबाग जिला कोषागार से तीन सिपाहियों ने 15.41 करोड़ रुपये उड़ा दिए। इस मामले में पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। इस कार्रवाई के बाद प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है।

गिरफ्तार आरोपियों में शंभू कुमार, रजनीश सिंह और धीरेंद्र सिंह शामिल हैं। प्रारंभिक पूछताछ में तीनों ने वित्तीय गड़बड़ी में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। आधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, वित्त विभाग द्वारा किए गए डाटा एनालिसिस के दौरान संदिग्ध ट्रांजेक्शन का पता चला। इसके बाद हजारीबाग के अपर समाहर्ता की अगुवाई में चार सदस्यीय जांच दल का गठन किया गया। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपियों ने अस्थायी पे आईडी बनाकर सरकारी खजाने से अवैध रूप से रकम निकाली और उसे विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिया। जांच के बाद 21 संदिग्ध बैंक खातों को फ्रीज कर दिया गया है। इन खातों में मौजूद 1.60 करोड़ की राशि भी सुरक्षित कर ली गई है। यह मामला पूरे सिस्टम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। सवाल है कि आखिर करीब आठ साल तक इतनी बड़ी राशि की निकासी कैसे होती रही। हाल ही में बोकारो जिले में भी ऐसा मामला सामने आया था।

अमरनाथ यात्रा : देश भर में 15 से अग्रिम पंजीकरण

जम्मू, एजेंसी

- 554 बैंक शाखाएं अधिकृत, सिर्फ 13 से 70 वर्ष तक के तीर्थयात्री होंगे पात्र

अमरनाथ की वार्षिक यात्रा के लिए अग्रिम पंजीकरण देशभर में 554 बैंक शाखाओं में 15 अप्रैल से शुरू होगा और तीर्थयात्रियों के वास्ते श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) ने एक विस्तृत चरणबद्ध प्रक्रिया अपनाई है। अधिकारियों के मुताबिक यात्रा का पंजीकरण और परमिट जारी किया जाना पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर होगा जो प्रत्येक निर्दिष्ट बैंक शाखा में तीर्थयात्रा के हर मार्ग के लिए तय दैनिक कोटे के अधीन होगा।

दिशानिर्देशों के अनुसार केवल 13 से 70 वर्ष की आयु के तीर्थयात्री ही पंजीकरण के लिए पात्र होंगे। वहीं, छह सप्ताह से अधिक की गर्भवती महिलाओं को तीर्थयात्रा की अनुमति नहीं होगी, भले ही उनके पास अनिवार्य स्वास्थ्य प्रमाण पत्र हो। इसमें कहा गया है कि 2026 की यात्रा के लिए, पंजीकरण आधार-आधारित बायोमेट्रिक ई-केवाईसी सत्यापन के जरिए किया जाएगा और परमिट श्राइन बोर्ड के आधिकारिक पोर्टल के जरिए ऑनलाइन जारी किए जाएंगे। बायोमेट्रिक सत्यापन में किसी भी तकनीकी समस्या की स्थिति में एक विकल्प के तौर पर वेबकैम से तस्वीर खींचकर डेटा एंट्री करने की व्यवस्था की गई है।

तीर्थयात्रियों को 8 अप्रैल या उसके बाद किसी अधिकृत चिकित्सक या चिकित्सा संस्थान द्वारा जारी एक वैध अनिवार्य स्वास्थ्य प्रमाण पत्र जमा करना होगा, जिसके साथ उन्हें प्रति परमिट 150 रुपये का निर्धारित शुल्क भी देना होगा।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

निर्मम तृणमूल कांग्रेस सरकार को बंगाल से हटाएं, छह गारंटी का वादा

देश आगे बढ़ रहा, लेकिन इसने बंगाल को पीछे धकेला : मोदी

हल्दिया (पश्चिम बंगाल), एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि अगर भाजपा विधानसभा चुनाव जीतती है तो पश्चिम बंगाल की जनता को छह गारंटी दी जाएंगी। साथ ही उन्होंने 'निर्मम' तृणमूल कांग्रेस सरकार को हटाने की अपील की जो विकास की राह में 'राज्य को पीछे धकेल रही है'।

पूर्वी मेदिनीपुर के हल्दिया में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने वादा किया कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने पर तृणमूल कांग्रेस के भय के शासन को भरोसे के शासन में बदला जायेगा, जबकि सभी लोक सेवकों को जनता के प्रति जवाबदेह बनाया जायेगा।

विकास के मुद्दे पर तृणमूल सरकार पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि देश प्रगति के पथ पर अग्रसर है, जबकि तृणमूल कांग्रेस की 'निर्मम सरकार' बंगाल को पीछे धकेल रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित बंगाल बनाने के लिए जरूरी है कि इस निर्मम सरकार को सत्ता से हटाया जाए।

मोदी ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस की सरकार राज्य में मछली की उच्च मांग के अनुरूप मछली उत्पादन करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि बंगाल में मछली की मांग बहुत अधिक है, फिर भी यह अन्य राज्यों से मछली आयात करता है। पिछले 15 वर्षों में, तृणमूल कांग्रेस की सरकार ने मछली की आपूर्ति बढ़ाने और मछली उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया है।

मोदी की छह गारंटी

पहली गारंटी : भय नहीं भरोसा देंगे।

दूसरी गारंटी : लोकसेवकों को कार्यों, नागरिकों के प्रति बनाएंगे जवाबदेह।

तीसरी गारंटी : भ्रष्टाचार और महिलाओं के प्रति अपराधों की बंद की गयी फाइलें खोलेंगे।

चाथी गारंटी : भ्रष्टाचारी और तृणमूल के गुंडों को भेजेंगे जेल।

पांचवी गारंटी : कानूनी शरण लेने वालों को सुविधाएं देंगे और घुसपैठियों को निकालेंगे बाहर।

छठी गारंटी : 7वां वेतन आयोग लागू करेंगे।

मोदी नारी शक्ति पर उपदेश देते हैं, भाजपा बलात्कारियों को माला पहनाती है : सागरिका

नयी दिल्ली, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस नेता सागरिका घोष ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर महिलाओं के अधिकारों के मामले में केवल बयानबाजी करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नारी-शक्ति की बात करते हैं, जबकि उनकी पार्टी लात्कारियों को माला पहनाती है। राज्यसभा में तृणमूल की उपनेता घोष ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में मोदी की पिछली टिप्पणियों की भी आलोचना की, जिसमें 2021 के विधानसभा चुनावों के दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी पर की गई उनकी 'दीदी-ओ-दीदी' वाली टिप्पणी भी शामिल है। घोष ने कहा कि मोदी अब नारी शक्ति पर उपदेश दे रहे हैं।

भाजपा ने सत्ता हथियाने को हटाए 91 लाख नाम : ममता

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राज्य में सत्ता हथियाने के लिए मतदाता सूचियों से 90 लाख से अधिक लोगों के नाम हटाने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को दावा किया कि उनकी पार्टी आगामी चुनाव जीतेगी। उत्तर 24 परगना जिले के मीनाखान में जनसभा को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी मतदाता सूचियों से हटाए गए लोगों के नाम शामिल कराने के लिए अदालत का रुख करेगी। विशेष गहन पुनरीक्षण

(एसआईआर) अभियान को लेकर भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि आपने बंगाल में सत्ता हथियाने के लिए 90 लाख से अधिक लोगों के नाम हटा दिए, लेकिन चुनाव हम ही जीतेंगे। उनकी यह टिप्पणी राज्य में एसआईआर प्रक्रिया पूरी होने के बाद लगभग 91 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से हटाए जाने के संदर्भ में आई। तृणमूल प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला भाषी लोगों को प्रताड़ित किया जा रहा है। बांग्ला भाषियों को विदेशी बताया जा रहा है और उन्हें घुसपैठिया कहा जा रहा है। उन्होंने चुनाव को जनता के अस्तित्व और बंगाल की पहचान की लड़ाई करार दिया।

ममता बनर्जी को हराने के लिए भाजपा से मेरा 1,000 करोड़ रुपये का सौदा

कोलकाता, एजेंसी

- टीएमसी के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर के वायरल वीडियो पर बंगाल में सियासी घमासान

तृणमूल कांग्रेस से अलग होकर अपनी पार्टी बनाने वाले हुमायूं कबीर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद बृहस्पतिवार को पश्चिम बंगाल में राजनीतिक घमासान शुरू हो गया। वीडियो में वह कथित तौर पर भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से संबंध होने और विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को हराने का दावा करते नजर आ रहे हैं। इसके लिए 1,000 करोड़ रुपये का सौदा होने और अग्रिम तौर पर 200 करोड़ रुपये मिलने का जिक्र कर रहे हैं।

हुमायूं कबीर ने पिछले साल के अंत में तृणमूल की ओर से निलंबित किए जाने के कुछ दिनों बाद आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) की स्थापना की थी। कबीर वीडियो में कथित तौर पर यह दावा करते भी सुनाई दे रहे हैं कि उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय के साथ बातचीत की थी, उन्हें अन्य भाजपा शासित राज्यों के नेताओं के साथ समन्वय करने की सलाह दी गई थी। उनकी रणनीति तृणमूल कांग्रेस से अल्पसंख्यक वोटों को अपने पक्ष में करने पर केंद्रित है ताकि भाजपा को चुनावी फायदा हो। वीडियो में कबीर को यह कहते हुए सुना जा रहा है कि वह बनर्जी को सत्ता से हटाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं और वह शुभेंदु अधिकारी सहित वरिष्ठ भाजपा नेताओं के संपर्क में हैं।

ईडी करे जांच, ओवैसी भी साफ करें रुख: टीएमसी

तृणमूल कांग्रेस ने एक संवाददाता सम्मेलन में यह वीडियो साझा किया और पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और पीएमओ के साथ कबीर की कथित निकटता के दावों की ईडी से जांच की मांग की। पार्टी का आरोप है कि ये दावे ममता बनर्जी को चुनाव में हराने की साजिश का हिस्सा हैं। हालांकि वीडियो की प्रमाणिकता की पुष्टि नहीं हुई है। तृणमूल के वरिष्ठ नेता और मंत्री फिरहाद हकीम ने कहा कि कबीर अल्पसंख्यक मतदाताओं को गुमराह करने के लिए भाजपा के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। एआईएमआईएम और उसके अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी को इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए।

वीडियो में हिमंत विश्वशर्मा और पीएमओ से निकटता के दावे

आरोप झूठ का पुलिंदा, एआई से बना है वीडियो : कबीर

कबीर ने आरोपों को झूठ का पुलिंदा बताते हुए कहा कि वीडियो एआई से बनाया गया है। उन्होंने टीएमसी को चुनौती दी कि वह किसी भी नेता से उनकी मुलाकात का स्थान और समय स्पष्ट करे। उन्होंने आरोपों का कोई सबूत पेश करने में विफल रहने पर उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करने की धमकी भी दी। उन्होंने कहा, यह टीएमसी द्वारा मुझे बदनाम करने का प्रयास है जो मुसलमानों के वोट खोने से डरती है। उन्होंने इस तरह का फर्जी वीडियो जारी करके समुदाय का अपमान किया है, जिसमें एआई के माध्यम से कुछ बयान डालकर मुसलमानों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई गई है। भाजपा के प्रवक्ता देबजीत सरकार ने कहा कि टीएमसी ने यह महसूस करने के बाद कि वे इस बार सत्ता में वापस नहीं आएंगे, सस्ते हथकंडे अपनाए हैं।

निष्पक्ष चुनाव के लिए मुख्य सचिव और डीजीपी का तबादला: पलानीस्वामी

चेन्नई,एजेंसी

ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) प्रमुख एडप्पाडी . के . पलानीस्वामी ने गुरुवार को तमिलनाडु के मुख्य सचिव और डीजीपी के तबादले के निर्वाचन आयोग के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि यह कदम राज्य में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया था। मुख्यमंत्री एम .के . स्टालिन द्वारा आठ अप्रैल को किए गए तबादलों के विरोध पर सवाल उठाते हुए उन्होंने पूछा कि अधिकारियों के तबादलों से उन्हें क्या समस्या है? उन्होंने कहा कि ये अधिकारी इतने लंबे समय से द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार के साथ हैं और चुनाव के दौरान उनका तबादला करने में कुछ भी गलत नहीं था। पलानीस्वामी ने कहा-द्रमुक को लगता है कि वह अधिकारियों पर निर्भर है, लेकिन हम जीत के लिए जनता पर निर्भर हैं। अगर किसी और को नियुक्त किया जाता है तो उन्हें क्या परेशानी है? यह टिप्पणी उन्होंने उस समय की, जब पत्रकारों ने मुख्यमंत्री के उस बयान का हवाला दिया जिसमें कहा गया था कि चुनाव के दौरान भाजपा शासित राज्यों में इस तरह के तबादले नहीं किए गए। पलानीस्वामी ने शहर में अपने चुनाव प्रचार के दौरान पत्रकारों से कहा-निर्वाचन आयोग चाहता है कि चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से संपन्न हों। निर्वाचन आयोग ने बुधवार को तमिलनाडु के मुख्य सचिव एन मुरुगनंदम के तबादले किया और उनकी जगह वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एम साई कुमार को तत्काल प्रभाव से नियुक्त किया। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव के तबादले पर कड़ी आपत्ति जताते हुए निर्वाचन आयोग के इस कदम को एकतरफा और राजनीतिक हस्तक्षेप करार दिया।

अमृत विचार

शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026

अगर आप किसी से प्यार करते हैं, तो उसे जाने दें।
–खलील जिब्रान, दार्शनिक

महज रणनीतिक विराम

पश्चिम एशिया में ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच घोषित दो सप्ताह का युद्ध विराम पहली नजर में राहत देता है, परंतु इसके भीतर अस्थिरता की गहरी परतें छिपी हैं। सवाल यह नहीं कि युद्ध रुका है, बल्कि यह है कि क्या वास्तव में शांति की कोई ठोस जमीन तैयार हुई है। सबसे पहली बाधा भरोसे की है। डोनाल्ड ट्रंप के लगातार बदलते बयानों ने वार्ता की विश्वसनीयता को कमजोर किया है। जब एक पक्ष 'पूर्ण विनाश' की भाषा बोलता है और साथ ही वार्ता की भी बात करता है, तो कूटनीतिक प्रक्रिया पर स्वाभाविक रूप से संदेह पैदा होता है। ऐसे में यह मान लेना कठिन है कि अमेरिका ईरान की सभी शर्तों को स्वीकार करेगा—विशेषकर सैन्य उपस्थिति, प्रतिबंधों और परमाणु कार्यक्रम जैसे संवेदनशील मुद्दों पर। जमीनी स्थिति भी शांति के अनुकूल नहीं है।

संयुक्त अरब अमीरात द्वारा ईरान के अस्फहान और लबान द्वीप पर हमले इस संघर्ष के विस्तार का संकेत हैं। यदि क्षेत्रीय देश सीधे युद्ध में शामिल होते हैं, तो यह संघर्ष बहु-ध्रुवीय हो जाएगा, जिससे किसी भी युद्धविराम की प्रासंगिकता कम हो जाती है। इसी तरह इजराइल द्वारा लेबनान में कार्रवाई और उसके जवाब में ईरान की नाराजगी तथा होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने जैसे कदम स्थिति को और जटिल बनाते हैं। इस परिदृश्य में चीन की भूमिका निर्णायक बनती दिख रही है। ईरान द्वारा उसके कहने पर युद्धविराम स्वीकार करना इस बात का साफ संकेत है कि वैश्विक शक्ति संतुलन बदल रहा है। अमेरिका के लिए यह स्वीकार करना आसान नहीं होगा कि उसका पारंपरिक प्रभाव क्षेत्र अब किसी अन्य शक्ति के हस्तक्षेप से संचालित हो। सैन्य दृष्टि से भी स्थिति अस्थिर है। ईरान के पास अभी भी पर्याप्त मिसाइल क्षमता और लांचर मौजूद हैं, जिससे वह वार्ता की मेज पर आत्मविश्वास के साथ बैठ सकता है। दूसरी ओर, अमेरिका द्वारा 14 दिनों के बाद और भीषण हमलों की संभावित योजना का संकेत इस युद्धविराम को 'सशर्त विराम' बना देता है, जहां शांति असफल होते ही संघर्ष और तीव्र हो सकता है। जब तक गाजा और लेबनान में हमले जारी हैं, तब तक पूरे पश्चिम एशिया में स्थायी शांति की कल्पना अधूरी है। क्षेत्रीय संघर्ष एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं; एक मोर्चे पर शांति और दूसरे पर युद्ध लंबे समय तक साथ नहीं चल सकते। कूटनीतिक स्तर पर भी समाधान कठिन है। न तो ईरान होर्मुज पर नियंत्रण छोड़ेगा न अमेरिका अपने सैन्य ठिकानों को हटाएगा। ईरान द्वारा परमाणु कार्यक्रम रोकना और इजराइल द्वारा स्थायी युद्ध बंदी की सहमति भी कठिन है।

भारत के लिए यह स्थिति अत्यंत संवेदनशील है। ऊर्जा आपूर्ति, व्यापार और प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा सीधे इस क्षेत्र की स्थिरता से जुड़ी है, इसलिए भारत को संतुलित कूटनीति के साथ-साथ शांति प्रयासों का समर्थन करना होगा। कुल मिलाकर यह दो सप्ताह का युद्धविराम ज्यादा से ज्यादा 'रणनीतिक विराम' प्रतीत होता है, न कि स्थायी समाधान की दिशा में निर्णायक कदम। यदि मूल मुद्दों—सुरक्षा, प्रभुत्व और विश्वास का समाधान नहीं हुआ, तो यह शांति अस्थायी ही साबित होगी और क्षेत्र एक बार फिर संघर्ष की आग में झुलस सकता है।

प्रसंगवश

विकास और भीड़ के शोर में गुम मानवता

पवन साहू
विधि छात्र

आदिमानव भोजन और आश्रय की तलाश में जंगलों की खाक छानते और कंदराओं में शरण लेते थे। समय बदला और भटकते हुए वही कदम आज आधुनिक महानगरों की कंक्रीट की गगनचुंबी इमारतों की दहलीज तक पहुंच चुके हैं। यदि विकास की इस लंबी और थका देने वाली यात्रा का हम संजीदगी से विश्लेषण करें, तो यह केवल प्रगति का पथ नहीं दिखता। यह मनुष्य की एक ऐसी बौद्धिक 'शरारत' भी प्रतीत होती है, जिसने अपनी अंतहीन आवश्यकताओं की आड़ में पूरी प्रकृति और दुनिया का मौलिक स्वरूप ही बदल डाला है।

प्रारंभिक दौर में मनुष्य की बुद्धि में जो इज़ाफ़ा हुआ, उसने उसे अस्तित्व की लड़ाई जीतने और प्रकृति की प्रतिकूलताओं से लड़ने की प्रेरणा दी। पहिए के आविष्कार से लेकर आग के नियंत्रण तक, सब कुछ मनुष्य की जिजीविषा का प्रमाण था, किंतु जैसे-जैसे विकास का पहिया तेज घूमा, मनुष्य को सुविधा और सत्ता का एक ऐसा घातक चस्का लग गया, जिसे छोड़ना अब उसके वश में नहीं रहा। परिवर्तन की यह प्रक्रिया इतनी सूक्ष्म और मंथर थी कि हमें यह बिल्कुल सामान्य लगने लगी। एक पीढ़ी ने अपनी बुद्धि से सुख-सुविधाओं के जो आलीशान तामझाम खड़े किए, अगली पीढ़ी के लिए वही 'अनिवार्य परंपरा' बन गए।

इसी अंधानुकरण ने गांवों को कस्बों में और शहरों को उन मशीनी महानगरों में तब्दील कर दिया, जहां आज मानवता भीड़ के शोर में कहीं खो गई है। विकास का प्रकाश तो चारों ओर फैला, लेकिन इसी चकाचौंध के पीछे इंसानियत धर्मों, जातियों, संकीर्ण भाषाओं और कृत्रिम सीमाओं के अंधेरे में बंट गई। आदिमानव से आधुनिक मानव बनने के इस सफर में एक बहुत ही सूक्ष्म और खतरनाक मनोवैज्ञानिक 'शरारत' ने जन्म लिया सुरक्षा का भय। यहां एक बुनियादी सवाल खड़ा होता है कि आखिर मनुष्य को यह सुरक्षा किससे चाहिए? इसका जो कड़वा सत्य उभर कर आया, वह यह था कि मनुष्य को सबसे बड़ा खतरा स्वयं मनुष्य से ही है।

यही वह निर्णायक मोड़ था, जहां से सुरक्षा की आड़ में किए गए आविष्कारों का रुख सृजन से हटकर सर्वनाश की ओर मुड़ गया। सुरक्षा की मृगतृष्णा में भटकते मनुष्य ने पहले आत्मरक्षा के नाम पर पत्थर के औजार बनाए, फिर गोले-बारूद और अंततः घातक बंदूकें व विशाल तोपें ईजाद कीं। जब इतने से भी असुरक्षा का बोध कम नहीं हुआ, तो उसने मिसाइलें, रासायनिक हथियार और परमाणु ऊर्जा जैसी प्रलयंकारी शक्तियां हासिल कर लीं। विडंबना देखिए कि आज विश्व के तमाम राष्ट्र अपनी गाढ़ी कमाई और प्राकृतिक संसाधनों का एक बड़ा हिस्सा केवल इन्हीं विनाशकारी हथियारों के निर्माण और रखरखाव पर स्वाहा कर रहे हैं। जिस धन से गरीबी और बीमारी मिट सकती थी, उससे मौत का सामान खरीदा जा रहा है।

आज वैश्विक स्थिति यह है कि विकास का जो चमकीला मुखौटा हमने पहन रखा है, वह असल में पूरी मानव जाति के लिए अस्तित्व का संकट बन चुका है। विडंबना यह है कि जिसके पास जितने ज्यादा घातक हथियार हैं, वह सुरक्षित होने के बजाय एक 'विनाशकारी अहंकार' से भर गया है। यह अहंकार मनुष्य को मनुष्य के खिलाफ युद्ध के मैदान में खड़ा कर देता है। राष्ट्रवाद की संकीर्ण परिभाषाओं और सीमाओं के जटिल जाल में हम इस कदर उलझ गए हैं कि हमें सामने वाला व्यक्ति 'इंसान' नहीं, बल्कि केवल एक नंबर या 'दुश्मन' नजर आता है। यदि सुरक्षा के नाम पर हम अपनों का ही रक्त बहाने को तत्पर हैं, तो ऐसी सुरक्षा व्यवस्था को जड़ से उखाड़ फेंकना ही उचित है। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

पुलिसकर्मियों को सजाए मौत तंत्र के लिए बड़ी चेतावनी

विवेक सक्सेना
अयोध्या

मदुरै बेंच द्वारा नौ पुलिसकर्मियों को सुनाई मौत की सजा ऐतिहासिक फैसला है। यह फैसला तब आया है, जब हिरासत में होने वाली मौतों को लेकर लंबे समय से पुलिस सुधार की मांग उठ रही है।

तमिलनाडु के सथानकुलम कस्टोडियल किलिंग मामले में मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच द्वारा नौ पुलिसकर्मियों को सुनाई गई मौत की सजा न केवल एक ऐतिहासिक फैसला है, बल्कि यह देश के कानून प्रवर्तन तंत्र के लिए एक कड़ी चेतावनी भी है। यह फैसला तब आया है, जब हिरासत में होने वाली मौतों को लेकर लंबे समय से पुलिस सुधार की मांग उठ रही है। दोनों के साथ पुलिस स्टेशन के भीतर जो बर्बरता की गई थी, उसने मानवता को शर्मसार कर दिया। रिपोर्ट्स के अनुसार कोविड काल के दौरान तमिलनाडु के तूतीकोरिन जिले के सथानकुलम में 19 जून 2020 को पुलिस ने लॉकडाउन के दौरान दुकान खुली रखने के आरोप में व्यापारी पी जयराज और उनके बेटे बेनिक्स को निर्धारित समय से अधिक समय तक मोबाइल फोन की दुकान खुली रखने के आरोप में हिरासत में लिया था।

बाद में यह आरोप झूठा साबित हुआ। दोनों को थाने ले जाया गया, जहां परिजनों के मुताबिक उनके साथ पूरी रात बुरी तरह मारपीट की गई। बाद में उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया, लेकिन 22 जून की रात बेनिक्स की और अगले दिन सुबह जयराज की मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे देश में आक्रोश फैल गया। मद्रास हाईकोर्ट ने मामले का संज्ञान लिया और जांच पहले राज्य की सीबी-सीआईडी को और बाद में सीबीआई को सौंप दी गई। जांच में पुलिसकर्मियों पर गंभीर आरोप लगे और कुल 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

करीब छह साल बाद मदुरै की अदालत (मद्रास हाईकोर्ट) ने इसे 'रेयरेस्ट ऑफ द रेयर' (दुर्लभतम) मामला मानते हुए छह अप्रैल 2026 को नौ पुलिसकर्मियों को फांसी की सजा दी है। कोर्ट ने माना कि दोनों को हिरासत में सुनियोजित (सोच-समझकर) तरीके से टॉर्चर किया गया था, इसलिए सख्त सजा जरूरी है। जांच के दौरान एक महिला कांस्टेबल की गवाही अहम रही, जिसने बताया कि थाने में रातभर पिटाई हुई थी और वहां खून के निशान भी थे, हालांकि थाने का सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित नहीं रखा गया, जिससे कुछ सबूत नहीं मिल सके।

अदालत ने यह भी कहा कि यह मामला सत्ता के गलत इस्तेमाल का गंभीर उदाहरण है, लेकिन इससे पूरी पुलिस व्यवस्था पर सवाल नहीं उठाया जाना चाहिए। अदालत ने इसे ऐसा मामला बताया, जिसने एक पूरे परिवार को तबाह कर दिया और साफ तौर पर सत्ता के गलत इस्तेमाल को दिखाता है। कोर्ट ने यह भी माना कि राज्य में कई ईमानदार पुलिसकर्मी भी हैं, लेकिन ऐसे गंभीर मामलों में सिर्फ उम्रकैद जैसी सजा से पुलिस के भीतर जरूरी डर नहीं बनेगा।

अदालत ने इस मामले में इंस्पेक्टर श्रीधर समेत नौ दोषियों को बेहद सख्त सजा सुनाई है। सभी को 'डबल डेथ सेंटेंस' यानी दो बार फांसी की सजा दी गई है। इसके साथ ही अलग-अलग धाराओं में एक साल से लेकर सात साल तक की जेल और कुल मिलाकर करीब 76.38 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जी मुथुकुमारन ने इसे दुर्लभतम मामला बताया। उन्होंने सजा सुनाते हुए कहा कि जनता की रक्षा का जिम्मा संभालने वालों ने ऐसा अपराध किया है, जिसने समाज की सामूहिक अंतरात्मा को झकझोर दिया है।

जज मुथुकुमारन ने कहा, यदि आम नागरिक ने यह अपराध किया होता, तो सामान्य सजा दी जा सकती थी, लेकिन अपराध पुलिस ने किया है, इसलिए साधारण सजा नहीं दी जा सकती। अदालत ने कहा कि यह हिरासत में हिंसा का स्पष्ट उदाहरण है।

यह फैसला एक गहरी व्यवस्थागत समस्या को रेखांकित करता है। भारत में हिरासत में होने वाली मौतें कोई नई बात नहीं हैं; प्रतिवर्ष सैकड़ों मौतें होती हैं। सुप्रीम कोर्ट के बार-बार के निर्देशों के बावजूद पुलिस बर्बरता जारी है, जो दर्शाता है कि पुलिस सुधार केवल कागजों पर हो रहे हैं। यह फैसला पुलिस प्रणाली में जवाबदेही और पारदर्शिता की तत्काल आवश्यकता पर जोर देता है। जो कानून के रक्षकों द्वारा भक्षक बनने पर कड़ी प्रतिक्रिया है। यह फैसला स्पष्ट करता है कि वर्दी का मतलब कानून से ऊपर होना नहीं है। जब कानून के रखवाले ही कानून को तोड़ते हैं, तो यह सीधे तौर पर संवैधानिक मूल्यों और मानवाधिकारों पर हमला है।

यह फैसला पुलिस विभाग के लिए एक चेतावनी है। सवाल यह है कि क्या पुलिस का काम लोगों की रक्षा करना है या उन्हें प्रताड़ित करना? कोविड नियमों के उल्लंघन के झूठे आरोप में निर्दोष लोगों को हिरासत में लेकर बेरहमी से पीटकर मार डालना, वर्दी के अहंकार की पराकाष्ठा है। इस तरह की घटनाएं जनता और पुलिस के बीच भरोसे को खत्म करती हैं, हालांकि कुछ लोग मौत की सजा के खिलाफ हैं और इसे 'मानवीय' नहीं मानते, लेकिन जब पुलिस की बर्बरता की सीमा पार हो जाती है, तो ऐसे मामलों में सख्त सजा ही एकमात्र रास्ता बचती है। जैसा कि पीड़ित परिवारों ने कहा, 'हमारे जैसा दर्द कोई दूसरा न झेले'। यह फैसला निश्चित रूप से पुलिस की मनमानी पर अंकुश लगाएगा और भविष्य में कस्टोडियल टॉर्चर को कम करने में मदद करेगा।

सथानकुलम मामला एक काले अध्याय की तरह याद रखा जाएगा, लेकिन इसका फैसला न्यायपालिका की सर्वोच्चता और कानून के शासन में जनता के भरोसे को बहाल करने का काम करता है। अब समय आ गया है कि पुलिस को एक 'बल' से 'सेवा' में बदलने की प्रक्रिया तेज की जाए, ताकि दोबारा किसी 'जयराज' या 'बेनिक्स' को अपनी जान न गंवानी पड़े। सजा-ए-मौत से डर तो पैदा होगा, लेकिन असली न्याय तभी होगा जब पुलिस हिरासत में किसी की मौत की कल्पना भी न की जा सके। यह ऐतिहासिक फैसला न्याय की जीत है। अब जिम्मेदारी है कि निचली अदालत के इस फैसले को उच्च न्यायालयों में भी कायम रखा जाए और मामले को जल्द से जल्द तार्किक अंत तक पहुंचाया जाए।

आमने सामने

ईरान अब शांति चाहता है और बाकी दुनिया भी यही चाहती है। अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़े दबाव को संभालने में मदद करेगा और क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। अमेरिका अपने ज्यादातर सैन्य लक्ष्य हासिल कर चुका है और अब स्थायी शांति के लिए बातचीत आगे बढ़ाई जाएगी।
–डोनाल्ड ट्रंप
अमेरिकी राष्ट्रपति

ईरान पर हमले बंद रहते हैं, तो हमारी सेना भी कार्रवाई रोक देगी। अगले दो हफ्तों तक होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही सुरक्षित तरीके से जारी रहेगी। यह युद्ध विराम बातचीत का रास्ता खोलने के लिए है और आने वाले समय में इसे स्थायी समझौते में बदला जा सकता है।
–अब्बास अराघची
विदेश मंत्री, ईरान

नल में जल बनाम कागजों पर राहत

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

बजट में जल शक्ति मंत्रालय के लिए 67,600 करोड़ देकर सरकार ने अपनी मंशा साफ कर दी है, लेकिन धरातल की हकीकत बजट के इन चमकदार आंकड़ों से कहीं अधिक भयावह है।

भारत दुनिया की लगभग 18% आबादी का घर है, लेकिन हमारे पास वैश्विक मीठे पानी का केवल 4% हिस्सा ही उपलब्ध है। यह असंतुलन ही देश में जल संकट की बुनियादी जड़ है। नीति आयोग की हालिया रिपोर्टों के अनुसार, लगभग 60 करोड़ भारतीय उच्च से अत्यधिक जल तनाव का सामना कर रहे हैं। भारत जब आज दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का दावा कर रहा है, तब एक बुनियादी सवाल देश के विकास के दावों को चुनौती दे रहा है- क्या हम अपने नागरिकों को एक गिलास शुद्ध पानी देने में सक्षम हैं?

इस साल के एक फरवरी 2026 को पेश किए गए केंद्रीय बजट में जल शक्ति मंत्रालय के लिए 67,600 करोड़ का आवंटन कर सरकार ने अपनी मंशा तो साफ कर दी है, लेकिन धरातल की हकीकत बजट के इन चमकदार आंकड़ों से कहीं अधिक भयावह है। जल जीवन मिशन और 'अमृत' जैसे प्रोजेक्ट्स के पिछले सात वर्षों के सफर को देखें, तो यह स्पष्ट होता है कि व्यवस्था ने केवल पाइप बिछाने की गति को ही सफलता मान लिया, जबकि पानी की शुद्धता और उसकी निरंतरता को हाशिए पर धकेल दिया गया। 2025-26 के बीच भारत के शहरी और ग्रामीण इलाकों में दूषित पानी ने जो तांडव मचाया है, वह किसी भी आधुनिक राष्ट्र के लिए शर्मसार करने वाला है। दिसंबर 25 से जनवरी 26 के पहले सप्ताह के बीच ही देश के 26 प्रमुख शहरों में सीवेज मिश्रित पानी पीने से 5,500 से अधिक लोग बीमार हुए और कम से कम 34 की मौत हो गई।

इंदौर, जिसे भारत का सबसे स्वच्छ शहर होने का गौरव प्राप्त है, वहां की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया था। दिसंबर 2025 के अंतिम सप्ताह में इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में पाइपलाइन में सीवेज का पानी मिलने से 37 लोगों की मौत हो गई और 1,400 से अधिक लोग अस्पताल पहुंच गए। इसी तरह, जनवरी 2026 की शुरुआत में बेंगलुरु के पॉश इलाकों और गांधीनगर (गुजरात) में सैकड़ों बच्चे दूषित पानी के कारण टाइफाइड और डायरिया का शिकार हुए। ये घटनाएं केवल मानसून की समस्या नहीं हैं, बल्कि यह एक 'सदाबहार शहरी संकट' बन चुका है।

अगस्त 2019 में जब 'जल जीवन मिशन' शुरू हुआ, तब लक्ष्य था 2024 तक हर घर को नल से जोड़ना। सरकारी पोर्टल के अनुसार, जनवरी 2026 तक देश के लगभग 81.5% ग्रामीण घरों (करीब 15.8 करोड़ घर) में नल लग चुके हैं, लेकिन इस 'संख्यात्मक सफलता' के पीछे एक बड़ा ढांचागत दोष है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के 79वें दौर के आंकड़ों के अनुसार, पाइपलाइन कवरेज के बावजूद केवल 39% ग्रामीण घर ही नल के पानी को अपने प्राथमिक स्रोत के रूप में उपयोग कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में यह उपयोग दर 10% से 30% के बीच है।

इस विफलता के कारणों की सूची लंबी है, लेकिन देश में सर्वाधिक देखा गया कि हजारों गांवों में पाइप और नल तो लगे हैं, लेकिन पानी का दबाव इतना कम है कि वह अंतिम घर तक नहीं पहुंचता। कई स्थानों पर तो नल केवल 'शोपीस' बनकर रह गए हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के पहाड़ी क्षेत्रों के 60% जल स्रोत सूख चुके हैं। मैदानी इलाकों में भूजल का स्तर इतनी तेजी से गिर रहा है कि नलों के लिए पानी का कोई स्थायी स्रोत ही नहीं बचा है। ठेकेदारी प्रथा और जवाबदेही की कमी के कारण पाइप लाइनें बिछाने के कुछ महीनों बाद ही फटने लगी हैं। सबसे भयानक है कि भारत दुनिया में भूजल का सबसे बड़ा उपयोगकर्ता है।

पंजाब, हरियाणा और राजस्थान जैसे राज्यों में भूजल का स्तर खतरनाक रूप से नीचे गिर गया है। कृषि में 'वाटर गज़लर' फसलों (जैसे धान और गन्ना) के लिए अंधाधुंध पंपिंग ने जलभृतों (एक्वाफर्स) को सुखा दिया है। इन कारणों से पानी की गुणवत्ता में गिरावट आ रही है । केवल पानी की कमी नहीं है, बल्कि उपलब्ध पानी की गुणवत्ता भी गिर रही है। लगभग 70% सतही जल प्रदूषित है। भूजल में आर्सेनिक, फ्लोराइड और यूरेनियम की बढ़ती मात्रा 'कैंसर बेल्ट' जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे रही है।

गांवों से पलायन व शहरों का अनियोजित विकास, सरकार द्वारा तैयार मूलभूत संरचना पर आवश्यकता से अधिक बोझ ने महानगरों को पानी के लिए कंगाल बना दिया है। दिल्ली, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे महानगरों में पाइपलाइन लीकेज और सीवेज मिक्सिंग एक आम समस्या बन गई है। 2026 की शुरुआत में ही कई शहरों में दूषित पानी के कारण बीमारियां और मौतें दर्ज की गई हैं। सरकार द्वारा शहरी क्षेत्रों के लिए शुरू की गई 'अमृत 2.0' का लक्ष्य शहरों को 'वॉटर सिक्योर' बनाना था, लेकिन संसदीय स्थायी समिति की दिसंबर 25 की रिपोर्ट के अनुसार, शहरी भारत में अभी भी 30-70% पानी 'नॉन-रेवेन्यू वॉटर' के रूप में बर्बाद हो जाता है, जो मुख्य रूप से पाइपलाइनों के रिसाव के कारण होता है। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

हीरोइन के कत्ल की दास्तां

पंकज शुक्ला
फिल्म ब्लॉगर

मौजूदा पीढ़ी के लोगों को इस बात पर हैरानी हो सकती है कि फिल्म अभिनेत्री प्रिया राजवंश का क़त्ल हुए कोई 26 साल बीत चुके हैं। मुंबई पुलिस इस मामले में अपनी तफ़्तीश पूरी कर चुकी है। निचली अदालत मुक़दमे की सुनवाई पूरी करके दोषियों को सज़ा भी सुना चुकी है, लेकिन मामला अब ऊपरी अदालत में है, और वहां पड़ रही हैं, तारीख़ पर तारीख़...!

ये क़िस्सा ऐसा है कि जब पहली बार ये सामने आया तो इसने पूरी फ़िल्म इंडस्ट्री को ही नहीं बल्कि देश-दुनिया को हिलाकर रख दिया। अपने ज़माने की एक बेहद ख़ूबसूरत हसीना अपने बंगले में बेजान पाई गई। पुलिस ने जांचा परखा तो मामला मर्डर का निकला। तफ्तीश हुई, मुक़दमा चला, जिरह हुई और फिर हुई उम्रक़ैद ऐसे चार लोगों को, जिनमें दो पर इन मोहतरमा की देखरेख की जिम्मेदारी थी और दो थे, इनके पार्टनर के बेटे।

'हीर रांझा', 'हंसते ज़ख्म' जैसी सुपर-डुपर हिट फ़िल्मों की हीरोइन रहीं प्रिया राजवंश का करियर भले ही छोटा रहा हो, लेकिन प्रिया राजवंश की ज़िंदगी यूं लगता है कि जैसे किसी जासूसी उपन्यास का क़िस्सा है। उनका जन्म आज के पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के झेलम में हुआ। घर वालों ने नाम रखा वीरा सुंदर सिंह। वीरा सुंदर सिंह को प्रिया राजवंश नाम दिया मशहूर निर्माता-निर्देशक चेतन आनंद ने। अभिनेता देव आनंद के भाई चेतन आनंद को अपनी फ़िल्म के लिए एक नई हीरोइन की तलाश थी। उन्होंने वीरा को अपनी फ़िल्म 'हक़ीक़त' के लिए साइन कर लिया।

चेतन का प्रिया के साथ बहुत गहरा रिश्ता रहा। प्रिया ने अपनी सभी फ़िल्में चेतन आनंद के निर्देशन में ही कीं। प्रिया राजवंश और चेतन आनंद ने कभी शादी तो नहीं की, लेकिन ये दोनों साथ ही रहते थे। चेतन अपनी पत्नी उमा से अलग हो गए थे। चेतन, प्रिया से लगभग 20 साल बड़े थे। 1997 में चेतन के गुज़र जाने के बाद प्रिया पूरी तरह टूट चुकी थीं। 27 मार्च 2000 को चेतन के जुहू बंगले में प्रिया का शव पाया गया। मुंबई पुलिस के मुताबिक़, उनकी हत्या की गई थी। पुलिस ने उनकी हत्या के जुर्म में चेतन के बेटे केतन और विवेक आनंद को दो नौकरों माला चौधरी और अशोक चिन्नास्वामी के साथ गिरफ्तार भी किया। प्रिया की हत्या की वजह चेतन की वसीयत बताई गई। प्रिया के लिखे नोट्स और पत्रों को अदालत में सबूत के तौर पर पेश किया गया। इसके बाद चारों दोषियों को उम्र कैद की सजा सुनाई गई। बाद में सभी हत्याभियुक्तों को ज़मानत मिल गई और मामला फिर से वहीं का वहीं रह गया। **-फेसबुक वॉल से**

सामयिकी

भेदभावपूर्ण समाज को जन्म देता है दोहरा दृष्टिकोण

डॉ. सत्यवान सौरभ
शिक्षक

भारत के शहरों में अतिक्रमण कोई नई समस्या नहीं है, लेकिन जिस तरह से इस पर कार्रवाई की जाती है, वह एक बड़े सामाजिक और प्रशासनिक असंतुलन की ओर इशारा करती है। हर कुछ दिनों में खबरें आती है कि कहीं झुग्गियां तोड़ी गईं, कहीं रेहड़ी-पटरी वालों को हटाया गया, कहीं फुटपाथ खाली कराए गए। यह सब कानून के दायरे में उचित भी हो सकता है, क्योंकि सार्वजनिक स्थानों पर अवैध कब्जा किसी भी शहर के सुव्यवस्थित विकास में बाधा बनता है, लेकिन असली सवाल यह है कि क्या अतिक्रमण केवल उन्हीं तक सीमित है, जिनकी आवाज़ सबसे कमजोर है?

हम ईमानदारी से अपने शहरों को देखें, तो पाएंगे कि अतिक्रमण का दायरा कहीं अधिक व्यापक है। बड़े-बड़े मॉल और कॉम्प्लेक्स अपने पार्किंग क्षेत्र से बाहर सड़कों तक वाहनों की कतारें फैला देते हैं। अस्पतालों के बाहर एंबुलेंस और निजी वाहनों का ऐसा जमावड़ा होता है कि सड़कें संकरी पड़ जाती हैं। दुकानों का सामान सड़क तक फैल जाता है, जिससे पैदल चलने वालों के लिए जगह ही नहीं बचती, लेकिन इन पर कार्रवाई या तो बहुत कम होती है या फिर केवल दिखावे के लिए की जाती है। जब बात रेहड़ी-पटरी वालों या झोपड़ियों की आती है, तो कार्रवाई तेज, सख्त और अक्सर निर्दयी हो जाती है।

यह स्थिति केवल प्रशासनिक अक्षमता का परिणाम नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज के भीतर मौजूद वर्गीय असमानता को भी उजागर करती है। कानून का उद्देश्य सभी के लिए समान होना चाहिए, लेकिन व्यवहार में यह अक्सर कमजोरों पर ही अधिक कठोरता से लागू होता है। जब गरीब की झोपड़ी तोड़ी जाती है, तो वह केवल एक ढांचा नहीं टूटता, बल्कि उसके जीवनयापन का आधार भी छिन जाता है। वहीं, जब किसी बड़े प्रतिष्ठान द्वारा सड़क पर अतिक्रमण किया जाता है, तो उसे 'व्यवसायिक आवश्यकता' या 'सुविधा' के नाम पर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

अतिक्रमण के इस असमान दृष्टिकोण का एक और पहलू प्रशासनिक लापरवाही भी है। शहरों की सड़कों के बीचोंबीच खड़े बिजली के खंभे और ट्रांसफॉर्मर अक्सर दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। ये न केवल यातायात को बाधित करते हैं, बल्कि कई बार जानलेवा भी साबित होते हैं। इसके बावजूद इन्हें हटाने या व्यवस्थित करने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए जाते। यह एक ऐसा अतिक्रमण है, जो स्वयं व्यवस्था द्वारा किया गया है, लेकिन इसकी जिम्मेदारी तय करने से बचा जाता है।

शहरों के सेक्टरों और कॉलोनियों में लोगों द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर कब्जा करना भी आम है। जाली और फेंसिंग लगाकर पार्कों, गलियों और खाली स्थानों को निजी संपत्ति की तरह उपयोग किया जाता है। यह धीरे-धीरे एक सामान्य प्रथा बन जाती है, क्योंकि इस पर समय रहते कोई कार्रवाई नहीं होती। परिणामस्वरूप, शहरों का नियोजित ढांचा बिगड़ता जाता है और सार्वजनिक स्थान सिमटते जाते हैं।

शहरी यातायात की समस्या को देखते हुए यह भी स्पष्ट है कि केवल अतिक्रमण हटाने से समाधान नहीं निकलेगा। बुनियादी ढांचे में सुधार भी उतना ही आवश्यक है। दिल्ली रोड जैसे व्यस्त मार्गों पर यदि हर चौराहे पर लेफ्ट टर्न के लिए स्लिप रोड बनाई जाए, तो यातायात का दबाव काफी हद तक कम हो सकता है। इसी तरह, उचित पार्किंग व्यवस्था, फुटपाथों का विकास और ट्रैफिक प्रबंधन के आधुनिक उपाय भी जरूरी हैं, लेकिन इन दीर्घकालिक समाधानों पर ध्यान देने के बजाय अक्सर तात्कालिक और दृश्यात्मक कार्रवाइयों को प्राथमिकता दी जाती है। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 से मुद्रित एवं 25/16-ए, जापलिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत*** 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

ऐसे हुआ रिवाल्वर का आविष्कार

रिवाल्वर के आविष्कार की कहानी आधुनिक हथियारों के विकास में एक महत्वपूर्ण मोड़ मानी जाती है। 19 वीं सदी से पहले आग्नेयास्त्रों में एक बड़ी समस्या यह थी कि हर बार गोली चलाने के बाद उन्हें फिर से लोड करना पड़ता था, जिससे समय लगता था और युद्ध के दौरान यह असुविधाजनक होता था।

इस समस्या का समाधान सैमुएल कोल्ट ने निकाला। उन्होंने 1830 के दशक में रिवाल्वर का डिजाइन तैयार किया, जिसमें एक घूर्णनशील सिलेंडर (cylinder) होता था। इस सिलेंडर में कई गोलियां एक साथ भरी जा सकती थीं, जिससे बिना बार-बार लोड किए लगातार फायर करना संभव हो गया। 1836 में उन्हें अपने इस आविष्कार का पेटेंट मिला और यही आधुनिक रिवाल्वर की शुरुआत थी। कहा जाता है कि सैमुअल कोल्ट को यह विचार एक जहाज यात्रा के दौरान आया, जब उन्होंने जहाज के पहिए (wheel) की घूर्णन प्रणाली को देखा। उसी सिद्धांत को उन्होंने हथियार में लागू किया। उनका बनाया रिवाल्वर जल्द ही लोकप्रिय हो गया, खासकर सेना और कानून-व्यवस्था से जुड़े लोगों के बीच।

समय के साथ रिवाल्वर में कई सुधार हुए, जैसे बेहतर मैकेनिज्म, अधिक सुरक्षित डिजाइन और शक्तिशाली कारतूस। यह हथियार अमेरिका के "वाइल्ड वेस्ट" दौर का प्रतीक भी बन गया और कई ऐतिहासिक घटनाओं में इसका उपयोग हुआ। इस प्रकार, रिवाल्वर का आविष्कार न केवल तकनीकी नवाचार था, बल्कि इसने युद्ध और सुरक्षा के तरीकों को भी पूरी तरह बदल दिया।

वैज्ञानिक के बारे में

सैमुअल कोल्ट का जन्म 19 जुलाई 1814 को हार्टफोर्ड में हुआ था। बचपन से ही उनमें आविष्कार की गहरी रुचि थी और वे रसायन तथा यांत्रिकी के प्रयोगों में लगे रहते थे। कोल्ट का निजी जीवन उतार-चढ़ाव से भरा रहा। शुरुआती असफलताओं और आर्थिक संकटों के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। 1856 में उन्होंने Elizabeth Jarvis Colt से विवाह किया, जो उनके जीवन में स्थिरता लेकर आईं। दंपति के कई बच्चे हुए, हालांकि अधिकांश शैशव अवस्था में ही गुजर गए, जो उनके जीवन का दुखद पक्ष था। अपने जीवनकाल में कोल्ट एक सफल उद्योगपति बने और उन्होंने समाजसेवा में भी योगदान दिया। 1862 में मात्र 47 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया, लेकिन वे अपने आविष्कारों के कारण आज भी याद किए जाते हैं।

निकोबारी मैगापोड

विकास में विलुप्त होती विरासत

प्रकृति की प्रयोगशाला का वह बेजोड़ पक्षी, जो अपनी चोंच से घोंसले की तपिश मापता है और अंडों को सेने के लिए देह की गर्मी नहीं, बल्कि वनस्पतियों की जैविक ऊर्जा का उपयोग करता है। कभी सुनामी के संकट से तो कभी 'विकास' की दौड़ से, कैसे अपनी ही जमीन पर बेगाना-सा हो रहा है निकोबारी मेगापोड? 2026 के नवीनतम शोध में मात्र 4.5 प्रतिशत रह गए पर्यावास में अस्तित्व की आखिरी जंग लड़ती इस दुर्लभ विरासत की विशेष पड़ताल।

डॉ. कैलाश चन्द सैनी
वन्यजीव लेखक, जयपुर

कल्पना कीजिए एक ऐसे पक्षी की जिसे किसी द्वीप के तटवर्ती जिले ने अपनी लोकतांत्रिक पहचान चुनाव शुभंकर के रूप में चुना हो, ताकि मतदाता जागरूक हों और मतदान प्रतिशत को बढ़ाया जा सके, लेकिन विडंबना यह है कि जिस जीव को हमने लोकतंत्र का प्रतीक बनाया उसका अपना अस्तित्व ही आज विकास और विनाश के बीच झूल रहा है। यह कहानी है अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के एक अनोखे, शर्मीले लेकिन अद्भुत इंजीनियर निकोबारी मेगापोड की इसे 2024 के लोकसभा चुनावों में निकोबार के लिए चुनावी शुभंकर बनाया गया था।

प्राकृतिक हीटर और मिट्टी के महल

'मेगापोड' का अर्थ है – बड़े पैरों वाला, लेकिन इसकी असली पहचान इसके पैर नहीं, बल्कि असाधारण इंजीनियरिंग क्षमता है। यह पक्षी अन्य पक्षियों की तरह अंडों को सेने के लिए उन पर नहीं बैठता। एक जोड़ा मिलकर लगभग 4 से 5 मीटर व्यास और 2 मीटर तक ऊंचे टीले का निर्माण करता है, जो रेत, मिट्टी और सूखी पत्तियों का एक विशाल टीला होता है। सूखी पत्तियों के अपघटन (सड़ने) से उत्पन्न ऊष्मा ही इसके अंडों को सेने का काम करती है। यह व्यवहार इसे दुनिया के अन्य पक्षियों से बिल्कुल अलग और विशेष बनाता है। निकोबार के आदिवासी इसे 'कुआउ' के नाम से भी पुकारते हैं। इसका टीलेनुमा घोंसला ही एक तरह का प्राकृतिक इनक्यूबेटर है। अंडों के विकास के लिए टीले के अंदर का तापमान 32 से 34 डिग्री सेल्सियस के बीच होना आवश्यक है। जरा-सी भी ऊंच-नीच अंडों को नष्ट कर सकती है। यहां नर मेगापोड दिन में कई बार अपनी चोंच को टीले की गहराई में डालकर तापमान की जांच करता है। उसकी चोंच में मौजूद तंत्रिकाएं एक डिजिटल थर्मामीटर से भी अधिक सटीक होती हैं। तापमान बढ़ने पर वह टीले की ऊपरी परत हटाकर गर्मी बाहर निकाल देता है। तापमान कम होने पर अधिक गीली पत्तियां और मिट्टी ऊपर चढ़ा देता है। तापमान का यह संतुलन बनाए रखना किसी चमत्कार से कम नहीं है।

2026 का वैज्ञानिक सच

- वन्यजीव संस्थान के 2026 के नवीनतम शोध इस पक्षी के भविष्य को लेकर गंभीर चेतावनी देते हैं:
- **सीमित आवास:** निकोबार द्वीप समूह के कुल क्षेत्रफल का मात्र 4.5 प्रतिशत (लगभग 79.30 वर्ग किमी) क्षेत्र ही इसके पर्यावास के लिए उपयुक्त बचा है।
- **समुद्र पर निर्भरता:** इसके 97 प्रतिशत घोंसले (टीले) समुद्र तट से मात्र 100 मीटर के भीतर पाए जाते हैं।
- **मुख्य आश्रय:** ग्रेट निकोबार द्वीप इसका सबसे बड़ा गढ़ है, जहां लगभग 31.39 वर्ग किमी उपयुक्त क्षेत्र मौजूद है। ये आंकड़े इस ओर संकेत देते हैं कि इसका अस्तित्व एक बेहद संकीर्ण भौगोलिक दायरे में सिमट चुका है।

सुपर-कमांडो चूजों की अद्भुत आत्मनिर्भरता

मेगापोड के चूजे पक्षी जगत में जिजीविषा के अनोखे जीव माने जाते हैं। अंडे से निकलने के बाद वे टीले की गहराई में दबे होते हैं और उन्हें बाहर निकलने के लिए स्वयं ही रास्ता खोदना पड़ता है। ये 'सुपर-प्रिकॉशियल' होते हैं अर्थात जन्म के तुरंत बाद पूरी तरह आत्मनिर्भर। इन्हें न तो माता-पिता की देखरेख की जरूरत होती है और न ही ही किसी शिक्षण-प्रशिक्षण की। ये चूजे 24 घंटे के भीतर उड़ने और भोजन खोजने में सक्षम हो जाते हैं।

सुनामी की मार और विकास का दबाव

2004 की विनाशकारी सुनामी ने इस पक्षी प्रजाति को गहरा आघात पहुंचाया, जिससे इसकी आबादी में 71 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई। हालांकि प्रकृति के इस प्रहार से उबरने की कोशिशें जारी थीं, लेकिन अब मानव-निर्मित विकास परियोजनाएं ही इसके लिए एक नए संकट के रूप में सामने आई हैं। पत्रिका फ्रंटलाइन की एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रस्तावित निर्माण कार्यों के चलते इस पक्षी के लगभग 80 प्रतिशत प्रजनन स्थल खतरे में हैं। इसके अलावा, द्वीपों पर मनुष्यों द्वारा पाले गए कुत्तों, बिल्लियों और सूअरों ने इनके अंडों और चूजों को भारी नुकसान पहुंचाया है। सड़क निर्माण और तटीय विकास के कारण इनके प्राकृतिक आवास सिमटते जा रहे हैं। मानवीय हस्तक्षेप का इतना व्यापक असर हो रहा है कि यह पक्षी कार निकोबार और चौरा द्वीप जैसे क्षेत्रों से लगभग विलुप्त हो चुका है।

नीति के साथ ही नीयत भी

यह पक्षी हमें सिखाता है कि प्रकृति में ऊर्जा के कैसे-कैसे स्रोत छिपे हैं। निकोबारी मेगापोड केवल एक पक्षी नहीं, बल्कि एक चलता-फिरता इकोसिस्टम है। इसके द्वारा बनाए गए टीलों का उपयोग अक्सर अन्य जीव भी अपने लाभ के लिए करते हैं। इसे बचाना केवल एक प्रजाति को बचाना नहीं, बल्कि निकोबार की प्राचीन प्राकृतिक विरासत को बचाना है। निकोबारी मेगापोड केवल एक पक्षी नहीं, बल्कि द्वीपों की पारिस्थितिकी और सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न अंग है। सरकार ने इसे वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत उच्चतम सुरक्षा प्रदान की है, लेकिन इसकी संकटग्रस्त स्थिति को देखते हुए इसकी कागजी सुरक्षा पर्याप्त नहीं है। इसका वास्तविक संरक्षण तभी संभव है, जब विकास योजनाओं में पारिस्थितिक संवेदनशीलता को केंद्र में रखा जाए और स्थानीय जैव-विविधता को प्राथमिकता दी जाए।

लोकतंत्र की असली परीक्षा

आज विकास का एक ऐसा मॉडल चुना जाना चाहिए, जिसमें प्रकृति और प्रगति साथ-साथ चल सकें। यदि हम इस 'चुनावी शुभंकर' को बचाने में सफल होते हैं, तो यह केवल एक प्रजाति का संरक्षण नहीं, बल्कि यह हमारी वैज्ञानिक समझ, पर्यावरणीय जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक परिपक्वता की सच्ची और सार्थक जीत होगी।

वाइल्ड लाइफ

तराई की समृद्ध जैव विविधता: एक उभरता वैश्विक केंद्र

उत्तर भारत का तराई क्षेत्र देश के सबसे जीवंत वन्यजीव परिदृश्यों में से एक के रूप में तेजी से उभर रहा है। अपने घने जंगलों, विशाल घास के मैदानों और समृद्ध नदी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए मशहूर पीलीभीत टाइगर रिजर्व और दुधवा नेशनल पार्क जैसे गंतव्य अब दुनियाभर के वन्यजीव प्रेमियों को आकर्षित कर रहे हैं। इस बढ़ती पहचान का एक बड़ा श्रेय वन्यजीव फोटोग्राफर अनूप रोहेरा द्वारा उनके प्लेटफॉर्म @UnWildIndia के माध्यम से की जा रही जमीनी स्तर की निरंतर 'स्टोरीटेलिंग' (किस्सागोई) को जाता है। वर्षों से उनके काम ने तराई की प्राकृतिक सुंदरता और जैव विविधता को उजागर किया है, जिससे स्विट्जरलैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम जैसे देशों के अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को इन परिदृश्यों को देखने के लिए आने में मदद मिली है। उनके दृश्यात्मक वृत्तांतों ने तराई को वैश्विक वन्यजीव मानचित्र पर स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अनूप रोहेरा
वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर

भारत के भीतर भी इस क्षेत्र के प्रति रुचि में भारी उछाल देखा गया है। देशभर के वन्यजीव फोटोग्राफर और प्रकृति प्रेमी यहां की यात्राओं की योजना बना रहे हैं। प्रामाणिक और सूचनात्मक डिजिटल कंटेंट के प्रभाव ने जिम्मेदार पर्यटन और प्रकृति के साथ गहरे जुड़ाव को प्रोत्साहित किया है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व, दुधवा टाइगर रिजर्व, किशनपुर वन्यजीव अभयारण्य और कतरनियाघाट वन्यजीव अभयारण्य से 'अनवाइल्ड इंडिया' (UnWild India) द्वारा बनाई गई वन्यजीव फिल्मों और दृश्यात्मक कहानियों को व्यापक लोकप्रियता मिल रही है। ये परिदृश्य, जो कभी कम जाने जाते थे, अब अपनी अविश्वसनीय जैव विविधता के लिए पहचाने जाते हैं, जिनमें बाघ, तेंदुए, गैंडे, सुस्त भालू (स्लॉथ बीयर), हाथी और सैकड़ों प्रवासी पक्षी शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश पर्यटन द्वारा ईको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के प्रयासों और उत्तर प्रदेश वन विभाग के संरक्षण के निरंतर कार्यों ने इस विकास को और मजबूती दी है। इन साझा प्रयासों ने बाघों की आबादी बढ़ाने और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में योगदान दिया है। आज, तराई इस बात का एक सशक्त उदाहरण है कि कैसे कहानी सुनाने की कला (स्टोरीटेलिंग), संरक्षण और जिम्मेदार पर्यटन मिलकर किसी क्षेत्र की पहचान को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर बदल सकते हैं।

इंसान के भीतर छिपे दूसरे जीवों के जीन का रहस्य

रोचक फैक्ट

मनुष्य स्वयं को पृथ्वी की सबसे विकसित और श्रेष्ठ प्रजाति मानता है, लेकिन आधुनिक आनुवंशिक विज्ञान इस धारणा को एक नए दृष्टिकोण से देखने के लिए प्रेरित कर रहा है। वैज्ञानिकों के अनुसार, मानव जीनोम पूरी तरह "शुद्ध" नहीं है, बल्कि इसमें लगभग 145 ऐसे जीन पाए गए हैं, जो बैक्टीरिया, कवक, अन्य एककोशिकीय जीवों और यहां तक कि वायरस से आए हैं। यह रोचक तथ्य जीनोम बायोलॉजी पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन में सामने आया है, जिसने विकासवाद की पारंपरिक समझ को चुनौती दी है।

इन जीनों का आदान-प्रदान "क्षैतिज जीन स्थानांतरण" (Horizontal Gene Transfer) नामक प्रक्रिया के माध्यम से हुआ है। सामान्यतः हम यह मानते हैं कि जीन माता-पिता से संतानों में ही स्थानांतरित होते हैं, जिसे "ऊर्ध्वाधर जीन स्थानांतरण" कहा जाता है, लेकिन क्षैतिज जीन स्थानांतरण में जीन एक जीव से दूसरे, पूरी तरह भिन्न प्रजाति में भी पहुंच सकते हैं। यह प्रक्रिया विशेष रूप से सूक्ष्मजीवों में सामान्य है, परंतु अब इसके प्रमाण मनुष्यों और अन्य जटिल जीवों में भी मिल रहे हैं।

नए शोधों के अनुसार, ये "विदेशी" जीन मानव शरीर के कई महत्वपूर्ण कार्यों में भूमिका निभाते हैं। उदाहरण के लिए कुछ जीन प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत बनाने, संक्रमणों से लड़ने और पाचन क्रिया को सुचारु रखने में सहायक होते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि प्राचीन काल में जब हमारे पूर्वज लगातार विभिन्न सूक्ष्मजीवों के संपर्क में आए, तब यह जीन स्थानांतरण संभव हुआ होगा, जिसने उन्हें नए वातावरण के अनुरूप ढलने में मदद की।

हाल के अध्ययनों में यह भी सामने आया है कि मानव शरीर में मौजूद माइक्रोबायोम यानी अरबों सूक्ष्मजीवों का समूह इस जीन आदान-प्रदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। आंतों में रहने वाले बैक्टीरिया न केवल पाचन में मदद करते हैं, बल्कि वे जीन के आदान-प्रदान के माध्यम से हमारे स्वास्थ्य और रोग-प्रतिरोधक क्षमता को भी प्रभावित कर सकते हैं।

इसके अलावा, वायरस भी इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण "वाहक" के रूप में कार्य करते हैं। वे अपने जीन को मानव कोशिकाओं में सम्मिलित कर सकते हैं, जिससे कभी-कभी नई आनुवंशिक विशेषताएं विकसित हो जाती हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि मानव जीनोम का एक छोटा हिस्सा प्राचीन वायरसों के अवशेषों से भी बना है, जिन्हें "एंडोजीनस रेट्रोवायरस" कहा जाता है।

इस प्रकार, यह स्पष्ट होता है कि मानव विकास एक सीधी रेखा में नहीं, बल्कि जटिल और परस्पर जुड़े हुए जैविक आदान-प्रदान का परिणाम है। क्षैतिज जीन स्थानांतरण की यह अवधारणा न केवल विकासवाद की हमारी समझ को विस्तृत करती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि जीवन के विभिन्न रूप एक-दूसरे से कितने गहरे जुड़े हुए हैं। मनुष्य की "श्रेष्ठता" का विचार अब एक नई वैज्ञानिक विनम्रता में बदलता दिखाई देता है, जहां हम खुद को प्रकृति की विशाल जैविक श्रृंखला का एक हिस्सा मानने लगते हैं।

लाल ग्रह की रेत में दफन प्राचीन तूफान का रहस्य

लगभग तीन अरब वर्ष पहले का मंगल आज के निर्जन, ठंडे और शुष्क ग्रह से बिल्कुल अलग रहा होगा। वैज्ञानिकों को मिले ताजा प्रमाण इस ओर इशारा करते हैं कि उस समय वहां का वातावरण कहीं अधिक सक्रिय और गतिशील था। एक शक्तिशाली रेत-तूफान के निशान अब भी मंगल की चट्टानों में सुरक्षित हैं, जिन्हें हाल ही में नासा के क्यूरियोसिटी रोवर ने खोजा है। ये खोज न केवल मंगल के भूगर्भीय इतिहास को समझने में मदद करती है, बल्कि यह भी संकेत देती है कि कभी वहां जीवन के अनुकूल परिस्थितियां मौजूद रही होंगी।

इंपीरियल कॉलेज लंदन के सेडीमेंटोलोजी (तलछट विज्ञानी) स्टीवन बैनहम के नेतृत्व में किए गए इस अध्ययन ने मंगल की सतह पर मौजूद विशेष प्रकार की लहरदार संरचनाओं, जिन्हें "सुपरक्रिटिकल क्लाइंबिंग रिपल्स" कहा जाता है की पहचान की है। ये संरचनाएं तब बनती हैं, जब तेज गति से बहने वाली हवा या कोई तरल पदार्थ बड़ी मात्रा में रेत या तलछट को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाता है। खास बात यह है कि इन लहरों की परतें एक-दूसरे के ऊपर तीव्र कोण पर चढ़ती हुई दिखाई देती हैं, जो उनके बनने की तीव्रता और निरंतरता को दर्शाती हैं।

क्यूरियोसिटी रोवर ने 2024 के अंत में मंगल के गेल क्रेटर के एक नए क्षेत्र में पहुंचकर इन चट्टानों का अध्ययन किया। हाई-डेफिनिशन कैमरों की मदद से ली गई तस्वीरों में लगभग 3.6 अरब वर्ष पुरानी चट्टानों में ये लहरदार पैटर्न स्पष्ट रूप से दिखाई दिए। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये लहरें उस समय के एक बड़े और लंबे समय तक चले रेत-तूफान का परिणाम हैं, जो संभवतः कई घंटों तक चला होगा और कमर तक ऊंची रेत को उड़ाकर ले गया होगा।

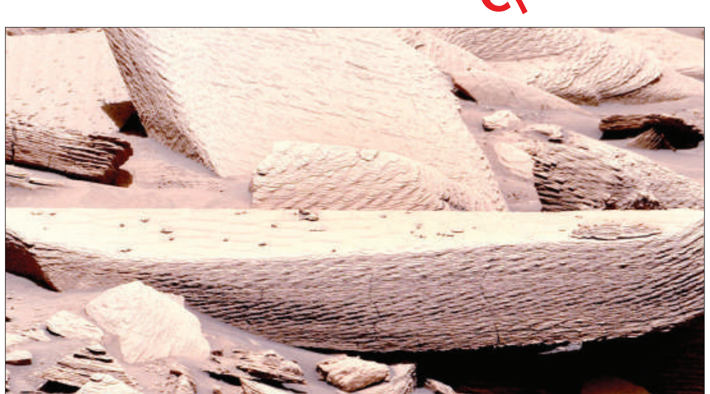

स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ मैथ्यू लैपोत्रे के अनुसार, इस प्रकार की संरचनाओं का मिलना बेहद दुर्लभ है, खासकर मंगल जैसे ग्रह पर। पृथ्वी पर भी ऐसी संरचनाएं बहुत कम स्थानों पर ही देखने को मिलती हैं, जहां वातावरण और सतही परिस्थितियां विशेष रूप से अनुकूल होती हैं। यही कारण है कि यह खोज वैज्ञानिकों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

आज के मंगल की स्थिति इससे बिल्कुल भिन्न है। वहां का वायुमंडल पृथ्वी की तुलना में लगभग 200 गुना पतला है, जिसके कारण रेत के भारी कण हवा में आसानी से नहीं उठ पाते। हालांकि धूल भरी आंधियां आज भी मंगल पर आती हैं, लेकिन वे इतनी शक्तिशाली नहीं होतीं कि इस प्रकार की जटिल संरचनाएं बना सकें। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि अतीत में मंगल का वायुमंडल कहीं अधिक घना रहा होगा, जो तेज हवाओं और बड़े पैमाने पर तलछट के परिवहन के लिए उपयुक्त था।

नई वैज्ञानिक जानकारियों के अनुसार, मंगल के प्राचीन वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा अधिक रही होगी, जिससे ग्रीनहाउस प्रभाव उत्पन्न होकर सतह का तापमान अपेक्षाकृत गर्म बना रहता था। इससे वहां तरल पानी के अस्तित्व की संभावना भी बढ़ जाती है। वास्तव में, गेल क्रेटर में पहले भी प्राचीन झीलों और नदी-नालों के प्रमाण मिल चुके हैं, जो इस सिद्धांत को और मजबूत करते हैं कि मंगल कभी "गीला और गर्म" ग्रह रहा होगा।

इसके अलावा, नासा के पर्सिवरेंस रोवर और ऑर्बिटर मिशनों से भी यह संकेत मिले हैं कि मंगल पर जैविक अणुओं के अवशेष मौजूद हो सकते हैं। हालांकि अभी तक जीवन के प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं मिले हैं, लेकिन इस तरह की खोजें यह दर्शाती हैं कि वहां जीवन के लिए आवश्यक परिस्थितियां कभी मौजूद रही होंगी।

इस प्रकार, क्यूरियोसिटी रोवर द्वारा खोजी गई ये प्राचीन रेत-लहरें केवल एक भूगर्भीय घटना का प्रमाण नहीं हैं, बल्कि वे मंगल के अतीत की एक जीवंत झलक प्रस्तुत करती हैं। ये हमें यह समझने में मदद करती हैं कि कैसे समय के साथ एक संभावित रूप से रहने योग्य ग्रह आज एक ठंडे और बंजर रेगिस्तान में बदल गया। साथ ही, यह खोज भविष्य में मंगल पर जीवन की संभावनाओं की तलाश के लिए एक महत्वपूर्ण दिशा भी प्रदान करती है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	76,631.65	23,775.10
गिरावट	931.25	222.25
प्रतिशत में	1.20	0.93

सोना 1,54,900 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,43,200 प्रति किलो

अमृत विचार
लखनऊ, शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026
www.amritvichar.com

युद्धविराम को लेकर संशय, सेंसेक्स 931 अंक लुढ़का, निफ्टी भी गिरा

बैंक और आईटी शेयरों में बिकवाली से नुकसान में बाजार, ब्रेंट क्रूड हुआ महंगा

मुंबई, एजेंसी

पश्चिम एशिया में युद्धविराम या जारी है संग्राम, के असमंजस के बीच भारी बिकवाली से स्थानीय शेयर बाजारों में पांच दिन से जारी तेजी बृहस्पतिवार को थम गयी। गुरुवार को बीएसई सेंसेक्स 931 अंक लुढ़क गया। एनएसई निफ्टी भी 222 अंक के नुकसान में रहा।

युद्धविराम को लेकर अनिश्चितता के बीच वित्तीय, बैंक और आईटी शेयरों में बिकवाली से बाजार नुकसान में रहा। एशिया और यूरोप के अन्य बाजारों में कमजोर रुख, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और विदेशी संस्थागत निवेशकों की निरंतर निकासी ने भी घरेलू बाजार में निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है।

बाजार में तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 931.25 अंक यानी 1.20 प्रतिशत टूटकर 76,631.65 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 1,215 अंक की गिरावट के साथ 76,347.90 अंक पर आ गया था। एनएसई निफ्टी 222.25 अंक यानी 0.93 प्रतिशत टूटकर 23,775.10 अंक पर बंद हुआ।

लेबनान पर इजराइल के हमलों के जवाब में ईरान के होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से बंद करने के बाद युद्धविराम समझौते को लेकर अनिश्चितता बढ़ गयी है।

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि युद्धविराम से जो उम्मीद बंधी थी, वह अब फीकी पड़ गयी है क्योंकि अमेरिका-ईरान तनाव के फिर से बढ़ने और होर्मुज जलडमरूमध्य पर जारी प्रतिबंधों के कारण कच्चे तेल की कीमत फिर से बढ़ गई। इससे भारत में मुद्रास्फीति को लेकर चिंता भी बढ़ गई है।

सेंसेक्स में शामिल शेयरों में से इंटरग्लोब एविएशन, लार्सन एंड टुब्रो, इटर्नल, आईसीआईसीआई बैंक एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक प्रमुख रूप से नुकसान में रहे।

दूसरी तरफ, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, पावर ग्रिड, एनटीपीसी और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयरों में तेजी रही। बीएसई स्मॉलकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.26 प्रतिशत चढ़ा जबकि मझोली कंपनियों का मिडकैप 0.15% के लाभ में रहा।

लाइवलॉन्ग वेल्थ के शोध विश्लेषक और संस्थापक हरिप्रसाद के ने कहा कि पिछले कारोबारी सत्र में तेज उछाल के बाद आज की गिरावट मुख्य रूप से मुनाफावसूली के कारण हुई है। अनिश्चित माहौल में नए जोखिम उठाने के बजाय निवेशकों ने मुनाफा वसूली को तरजीह दी।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 3.27 प्रतिशत बढ़कर 97.85 डॉलर प्रति बैरल हो गया। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख था। अमेरिकी बाजार में बुधवार को उल्लेखनीय तेजी रही थी।

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 2,811.97 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 4,168.17 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। सेंसेक्स बुधवार को 2,946.32 अंक चढ़कर 77,562.90 अंक पर रहा था जबकि निफ्टी 873.70 अंक के लाभ के साथ 23,997.35 अंक पर बंद हुआ था।

पश्चिम एशिया से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने में भारत सक्षम :विश्व बैंक

वर्ल्ड बैंक ने जारी की दक्षिण एशिया आर्थिक अद्यतन रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- वित्तीय वर्ष 2026-27 में 6.6 प्रतिशत रहेगी भारत की वृद्धि दर

भारत मौजूदा वैश्विक ऊर्जा संकट का सामना करने के लिए अच्छी स्थिति में है, क्योंकि उसके पास पर्याप्त सुरक्षा उपाय हैं जिनमें उच्च विदेशी मुद्रा भंडार, राजकोषीय गुंजाइश और कम मुद्रास्फीति शामिल हैं। ये सभी चीजें वैश्विक चुनौतियों के बावजूद वृद्धि को समर्थन देंगी।

मौजूदा वित्त वर्ष के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत करने के एक दिन बाद दक्षिण एशिया के लिए विश्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक (समृद्धि) सेबेस्टियन एकार्ट ने कहा कि भारत ने गत वित्त वर्ष 2025-26 में व्यापारिक उथल-पुथल का अच्छी तरह सामना किया और कच्चे तेल बाजारों में अस्थिरता उत्पन्न करने वाले मौजूदा पश्चिम एशिया संकट में भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती से डटी है।

एकार्ट ने कहा कि भारत के पास मजबूत नीतिगत उपाय, उच्च विदेशी मुद्रा भंडार, राजकोषीय क्षमता है जिससे जरूरत पड़ने पर सहायता प्रदान की जा सकती है। साथ ही यहां मुद्रास्फीति का स्तर कम है और मौजूदा संकट से निपटने के लिए मजबूत लक्ष्य हैं। इस मजबूत वृद्धि गति को यूरोपीय संघ के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और नई श्रम नीति जैसी सकारात्मक नीतियों का समर्थन प्राप्त है। ये सभी चीजें निश्चित रूप से मजबूत वृद्धि गति को सुदृढ़ करती हैं एवं समर्थन देती हैं जो अच्छी बात है। वैश्विक चुनौतियों के बावजूद हम भारत और इस क्षेत्र को दुनिया के अन्य उभरते बाजारों की तुलना में एक बहुत मजबूत एवं बेहतर प्रदर्शन करने वाला क्षेत्र बने रहने की उम्मीद करते हैं। विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान मामूली बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है।

बिजनेस ब्रीफ

रिलायंस रिटेल बनी दुनिया की सातवीं सबसे बड़ी स्टार्टअप कंपनी

नयी दिल्ली। रिलायंस रिटेल दुनिया की सबसे मूल्यवान निजी स्टार्टअप कंपनियों की वैश्विक सूची में सातवें स्थान पर पहुंच गयी है। स्टैनफर्ड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस की रिपोर्ट के अनुसार, 100 अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन के साथ कंपनी ने यह उपलब्धि हासिल की है। पहली 100 मूल्यवान स्टार्टअप कंपनियों की सूची में तीन भारतीय कंपनियां शामिल हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज 24 अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ 27वें और टाटा ईवी मोबिलिटी नौ अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ 93वें स्थान पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे ताजा निवेश को शामिल करते हुए रिलायंस रिटेल हेक्टाकॉर्न बन गयी है जिसका अर्थ है कि उसका मूल्यांकन 100 अरब डॉलर से अधिक हो गया है।

Q4 में टीसीएस का शुद्ध लाभ 13,718 करोड़ रुपये

मुंबई। देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 12.22 प्रतिशत बढ़कर 13,718 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। इससे गत वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में कंपनी ने 12,224 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ 1.35 प्रतिशत बढ़कर 49,210 करोड़ रुपये हो गया।

सैमसंग गैलेक्सी ए57 ए37 पर कई ऑफर

नयी दिल्ली। प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपने नये गैलेक्सी ए57 5जी और गैलेक्सी ए37 5जी स्मार्टफोन की बिक्री शुक्रवार 10 अप्रैल से शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी ने गुरुवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि नयी ए सीरीज विशेषकर युवाओं को ध्यान में रखकर तैयार की गयी है। गैलेक्सी ए57 5जी तीन रंगों में उपलब्ध होगा। इसकी कीमत 8जीबी/256जीबी वेरिएंट के लिए 56,999 रुपये और गैलेक्सी ए37 5जी की शुरुआती कीमत 8जीबी/128जीबी के लिए 41,999 रुपये रखी गयी है।

मर्सिडीज-बेंज ने तीन माह में बेचे 5,131 वाहन

नयी दिल्ली। जर्मनी की लक्जरी कार विनिर्माता कंपनी मर्सिडीज-बेंज की कुल बिक्री जनवरी-मार्च तिमाही में सात प्रतिशत बढ़कर 5,131 इकाई रही। पिछले साल की इसी तिमाही में कंपनी ने 4,775 वाहन बेचे थे। वित्त वर्ष 2025-26 मर्सिडीज-बेंज इंडिया के लिए सबसे शानदार साल रहा, जिसमें कंपनी ने रिकॉर्ड 19,363 गाड़ियां बेचीं। कंपनी की कुल बिक्री में 27 प्रतिशत हिस्सा सर्वाधिक महंगे मॉडल का रहा, जिनकी कीमत 1.5 करोड़ रुपये से अधिक है।

30 करोड़ आबादी के लिए तैयार हो रहा विकसित यूपी-2047 का रोडमैप

विजन डाक्यूमेंट में जनसंख्या को केंद्र में रखकर तय हो रहे लक्ष्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- छह ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था और बेहतर जीवन स्तर का लक्ष्य

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश सरकार विकसित यूपी-2047 के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए करीब 30 करोड़ की आबादी के लिए व्यापक रोडमैप तैयार कर रही है। आजादी के 100 वर्ष पूरे होने तक प्रदेश की जनसंख्या में लगभग पांच करोड़ की वृद्धि होने का अनुमान है, जिसे ध्यान में रखते हुए विकास की रणनीति बनाई जा रही है।

आर्थिक समीक्षा के अनुसार, वर्ष 2026 में प्रदेश की जनसंख्या 25.19 करोड़ रहने का अनुमान है, जो 2031 में बढ़कर 26.65 करोड़, 2046 में 29.84 करोड़ और 2051 में 30.72 करोड़ तक पहुंच सकती है। इसी आधार पर विजन डाक्यूमेंट को अंतिम रूप दिया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य 2047 तक उत्तर प्रदेश को 6 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करना है। इसके साथ ही प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि, 100 प्रतिशत साक्षरता, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, 60 प्रतिशत शहरीकरण और सालाना 100 करोड़ पर्यटकों को आकर्षित करने जैसे बड़े लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में जनसंख्या वृद्धि दर में भी लगातार गिरावट दर्ज हो रही है। 2011 में जहां वृद्धि दर 1.85% थी, वहीं 2021 में यह घटकर 1.70 प्रतिशत हो गई।

2026 से 2051 के बीच इसके और घटकर 0.58% प्रतिवर्ष रहने का अनुमान है। सरकार का मानना है कि प्रदेश की युवा आबादी ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है, जिसे कौशल, रोजगार और बेहतर सुविधाओं से जोड़कर विकसित उत्तर प्रदेश का लक्ष्य हासिल किया जाएगा।

सीएम देंगे रोडमैप को अंतिम रूप: प्रमुख सचिव

नियोजन विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार के अनुसार, सभी लक्ष्यों को भविष्य की जनसंख्या के अनुरूप तैयार किया जा रहा है, ताकि विकास का लाभ हर नागरिक तक पहुंच सके। मुख्यमंत्री स्तर पर समीक्षा के बाद इस रोडमैप को अंतिम रूप दिया जाएगा।

रुपये में तीन पैसे की तेजी, 92.51 प्रति डॉलर पर हुआ बंद

मुंबई, एजेंसी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में बृहस्पतिवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया तीन पैसे की मामूली तेजी के साथ 92.51 पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि डॉलर के कमजोर होने के साथ पश्चिम एशिया के हालात एवं होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अनिश्चितता के कारण निवेशकों के सतर्क रूख के बीच रुपये में गिरावट आई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 92.63 के भाव पर खुला। रुपये ने कारोबार के दौरान 92.92 के निचले स्तर को छुआ। कारोबार के अंत में यह 92.51 प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

काम की बात

20 से 50 की उम्र के लिए बेस्ट इंश्योरेंस, जों बनेंगे ढाल

कारोबार डेस्क

लोग अक्सर यही सोचते थे कि इंश्योरेंस तो बुढ़ापे में काम आने वाली चीज है, लेकिन भागमभाग की जिंदगी और नित नये जोखिम देखते हुए सोच बदल रही है। अब इंश्योरेंस केवल बीमा नहीं बल्कि 'इंवेस्टोरेंस' हो गया है। यानी बीमा भी और निवेश भी। इसलिए जितनी जल्दी लिया जाये उतना अच्छा। 20 या 25 की उम्र में लिया गया इंश्योरेंस आपको 45 या 50 की उम्र के मुकाबले करीब 50% तक सस्ता पड़ सकता है? अब इंश्योरेंस केवल टैक्स बचाने का जरिया नहीं, बल्कि आपके परिवार के लिए बॉडीगार्ड जैसा है। आइए समझते हैं उम्र के हिसाब से आपका इंश्योरेंस प्लान कैसा और कौन सा होना चाहिए? सही इंश्योरेंस प्लान, टर्म प्लान, हेल्थ कवर, क्रिटिकल इलनेस और एक्सीडेंट कवर क्यों जरूरी हैं, ताकि परिवार और सेविंग्स दोनों सुरक्षित रह सकें -

20 की उम्र: अली बर्ड फायदे

- 20 या 25 की उम्र में जिम्मेदारियां कम और हेल्थ अच्छी होती है, जिसका फायदा कम प्रीमियम के रूप में मिलता है। जितनी जल्दी बीमा ले लेंगे, प्रीमियम उतना ही कम होगा और वह जीवनभर के लिए लॉक हो जाएगा।
- हेल्थ इंश्योरेंस के लिए कंपनी के भरोसे केवल ना रहें। अपना एक पर्सनल बेस हेल्थ कवर (कम से कम 5-10 लाख) रखना श्रेष्ठ विकल्प हो सकता है।
- कम उम्र में 'वेटिंग पीरियड' (पुरानी बीमारियों का समय) आसानी से कट जाता है।

30 की उम्र: परिवार का सुरक्षा कवच

- इस उम्र में शादी, बच्चे और होम लोन जैसी जिम्मेदारियां आ जाती हैं। इस उम्र में आपका कवर बड़ा होना चाहिए। तो कैंसर या हार्ट अटैक जैसी गंभीर बीमारियों के लिए अलग से कवर लें। इसके लिए हर कंपनी के अलग-अलग राइडर प्लान एड करने होते हैं। इसके तहत बीमारी का पता चलते ही अक्सर एकमुश्त राशि देता है।
- मान लें कि अगर बेस हेल्थ प्लान ह 5 लाख का है, तो टॉप-अप 20 लाख का लेना बेहतर रहेगा। यह बहुत सस्ता पड़ेगा और बड़ी सर्जरी में काम आ सकता है।

40 और 50 की उम्र: रिटायरमेंट और एसेट प्रोटेक्शन के लिए जरूरी

- 40 वर्ष के आयुवर्ग में आते ही रिटायर फैमिली एसेट्स की सुरक्षा और 50 तक आते-आते रिटायरमेंट के बाद की चिंता सताने लगती है। यही समय होता जब बीमारियां भी शुरू होती हैं। ऐसे में ध्यान रखें की आपकी जमा पूंजी किसी बीमारी के उपचार में खर्च न हो जाए।
- पर्सनल एक्सीडेंट कवर लेना इस उम्र के लिए सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। असल में इस उम्र बढ़ने के साथ रिकवरी में समय लगता है। इसलिए खर्च भी ज्यादा होता है। इसलिए यदि आप 40 से 50 वर्ष की आयु वर्ग में तो टर्म इंश्योरेंस प्लान आपके लिए बहुत अच्छा विकल्प हो सकता है।

इंश्योरेंस का प्रकार और जरूरत

- **टर्म प्लान** : आपकी गैर-मौजूदगी में परिवार की आर्थिक सुरक्षा के साथ ही परिवार को कर्ज मुक्त और उसके सुरक्षित भविष्य के लिए यह एक ढाल की तरह काम करता है।
- **हेल्थ प्लान** : दिन प्रति दिन महंगा होता इलाज, महंगी होती दवाएं और बड़े इलाज खर्च से बचाव करते हुए यह आपकी बचत को हॉस्पिटल बिल से सुरक्षित रखता है।

-**एक्सीडेंट कवर** : दुर्घटना से विकलांगता या आय रुकने की स्थिति में काम न कर पाने पर भी आय का सहारा देता है।

-**क्रिटिकल इलनेस कवर** : कैंसर, हार्ट अटैक जैसी गंभीर बीमारियों के खर्च के लिए इलाज के दौरान एकमुश्त राशि देकर वित्तीय राहत देता है।

- **मोटर इंश्योरेंस** : आपके वाहन से जुड़े नुकसान और कानूनी जोखिम से बचाव करता है। साथ ही थर्ड पार्टी क्लेम और मरम्मत खर्च से भी राहत दिलाता है।

इन बातों का रखें ध्यान

- हमेशा उस कंपनी को चुनें जिसका CSR 95% से ऊपर हो।
- सिगरेट पीते हैं या कोई पुरानी बीमारी है, तो साफ बताने में ही समझदारी है। झूठ बोलने पर क्लेम रिजेक्ट हो सकता है और एक नयी समस्या में फंस सकते हैं।
- बेस पॉलिसी में 'प्रीमियम वेवर' जैसा राइडर जरूर जोड़ें। यह राइडर आपके संकटकाल में आपकी प्रीमियम यानी किस्त को माफ कर देता है। टर्म प्लान में यह राइडर आपके परिवार की सुरक्षा आपके बाद भी करता है। उदाहरण के लिए आपके बच्चे की पढ़ाई, शादी आदि जैसी आपकी जिम्मेदारियों को भी बखूबी निभाता है।

काम की बात-इंश्योरेंस लेने की करें तैयारी

- इंश्योरेंस का अर्थ अपनी मेहनत की कमाई को सुरक्षित करना भी होता है। आज की व्यस्त जिंदगी में एक सही इंश्योरेंस पॉलिसी, आपकी सच्ची मित्र की तरह होती है, जो आपको वह मानसिक शांति देती है जो महंगे से महंगी बस्तु नहीं दे सकती। आप अपनी और अपने परिवार की जरूरत के हिसाब से बीमा एक्सपर्ट से चर्चा कर प्लान चुन सकते हैं।

15,400 टन एलपीजी लेकर मुंबई पहुंचा जहाज ग्रीन आशा।

होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुज़रने के बाद मुंबई पहुंचा एलपीजी जहाज़ 'ग्रीन आशा'

मुंबई, एजेंसी। मुंबई के पास स्थित जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (जेएनपीए) ने गुरुवार को 'ग्रीन आशा' नामक एक भारतीय ध्वज वाले एलपीजी जहाज़ का स्वागत किया। इस जहाज़ ने रणनीतिक रूप से संवेदनशील होर्मुज़ जलडमरूमध्य को सफलतापूर्वक पार किया है। यह जहाज़ बीपीसीएल-आईओसीएल द्वारा संचालित लिक्विड बर्थ पर लंगर डाल चुका है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस जहाज़ में 15,400 टन लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) लदी हुई थी। जहाज़, उसमें लदा माल और चालक दल का प्रत्येक सदस्य पूरी तरह सुरक्षित है। ऑनलाइन सामने आए दृश्यों में जहाज़ को बंदरगाह पर लंगर डाले हुए दिखाया गया है, जहां चालक दल के सदस्य हाथ हिलाकर अभिवादन कर रहे हैं। यह घटनाक्रम पश्चिम एशिया में लागू एक नाजुक संघर्षविराम के दौरान सामने आया है।

नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए अदाणी ग्रीन एनर्जी का यूएई की कंपनी के साथ करार

नयी दिल्ली। अदाणी ग्रीन एनर्जी की अनुषंगी कंपनी अदाणी रिन्यूएबल एनर्जी मिडिल ईस्ट लिमिटेड (एजीईएल यूएई) ने भारत में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विकास के लिए मिनर्वा होल्डिंग आरएससी के साथ संयुक्त उद्यम समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी पीजेएससी (आईएचसी समूह) की ऊर्जा एवं अवसंरचना इकाई ईपॉइंटजीरो होल्डिंग आरएससी लिमिटेड (ईपॉइंटजीरो) ने भारत में विकसित की जाने वाली नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विकास, निर्माण एवं संचालन के लिए अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के साथ संयुक्त उद्यम गठित किया है।

औषधि क्षेत्र को कच्चे माल की आपूर्ति बढ़ायी

नयी दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने आवश्यक दवाओं का निर्बाध उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए दवा उद्योग को महत्वपूर्ण पेट्रोरसायन कच्चे माल की आपूर्ति बढ़ा दी है। पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव के बीच यह कदम उठाया गया है। पश्चिम एशिया में संघर्ष से पहले, दवा उद्योग अपने अधिकांश पेट्रोरसायन कच्चे माल का आयात करता था, जो अधिकतर गुजरात के कांडला में पहुंचता था। वहीं से यह कच्चा माल कारखानों तक पहुंचता था।

एनफील्ड ने पेश की पहली इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल

नयी दिल्ली। आयशर मोटर्स समूह की दोपहिया कंपनी रॉयल एनफील्ड ने गुरुवार को अपना पहला इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन 'फ्लाइंग फ्ली सी6' पेश किया।

कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि 'फ्लाइंग फ्ली' उसका नया सिटी इलेक्ट्रिक मोबिलिटी ब्रांड है। इस ई-बाइक की शोरूम कीमत 2.79 लाख रुपये रखी गई है, जबकि बैटरी अलग से लेने के विकल्प के साथ यह 1.99 लाख रुपये में उपलब्ध होगी। रॉयल एनफील्ड ने कहा कि इस इलेक्ट्रिक मॉडल की आपूर्ति मई, 2026 के अंत से शुरू होगी।

आरबीआई ने बैंकों से कहा-विदेशी भुगतान प्रक्रिया में तेजी लाएं

मुंबई, एजेंसी। रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुरुवार को बैंकों से कहा कि वे सीमा पार से आने वाले भुगतान की प्रक्रिया को दुरुस्त ताकि ग्राहकों को शीघ्र सूचना मिल सके और लाभार्थियों को समय पर रकम प्राप्त हो सके। केंद्रीय बैंक की अधिसूचना के अनुसार, बैंकों के लिए यह अनिवार्य कर दिया गया है कि भुगतान प्राप्त होने के तुरंत बाद ग्राहकों को सूचित किया जाए। विदेशी मुद्रा बाजार के समय के बाद भुगतान होने की स्थिति में, बैंकों को अगले दिन ग्राहक को सूचित करना होगा। अधिसूचना के अनुसार, नोस्ट्रो खातों का मिलान एक घंटे से अधिक समय में नहीं करने का भी निर्देश दिया गया है। नोस्ट्रो खाता एक ऐसा बैंक खाता है जो किसी घरेलू बैंक द्वारा किसी विदेशी बैंक में खोला जाता है। इसका उपयोग घरेलू बैंक विदेशी मुद्राओं में अंतरराष्ट्रीय लेनदेन को सुविधाजनक बनाने के लिए करते हैं। आरबीआई ने कहा कि बैंकों को विदेशी मुद्रा बाजार के समय के दौरान उसी कारोबारी दिन में राशि जमा करने का प्रयास करने, जोखिम मूल्यांकन के आधार पर सीधी प्रक्रिया अपनाने और विदेशी मुद्रा लेनदेन को सुगम बनाने के लिए डिजिटल इंटरफेस विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है।

अध्ययन

फिक्की ने जारी की पश्चिम एशिया में संघर्ष के देश पर प्रभाव की रिपोर्ट

अर्थव्यवस्था पर दिखने लगे हैं दबाव के संकेत

नयी दिल्ली, एजेंसी

- सरकार को पेट्रोलियम उत्पादों को जीएसटी के दायरे में लाने के लिए परिषद के भीतर चर्चा शुरू करने का दिया सुझाव
- कच्चे माल के लिए किसी एक देश पर निर्भर रहने की जगह अपने आपूर्ति तंत्र विकसित करने की सलाह

उद्योग मंडल फिक्की ने बृहस्पतिवार को जारी अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में दबाव के शुरुआती संकेत दिखने लगे हैं।

रिपोर्ट में आगाह किया गया है कि इन जोखिमों को कम करने के लिए तत्काल सक्रिय कदम उठाने और भविष्य के लिए तैयारी करने की आवश्यकता है। रिपोर्ट के अनुसार, इस संकट से निपटने के लिए सरकार को सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को आपातकालीन वित्तीय सहायता प्रदान करने पर विचार करना चाहिए। साथ ही, सार्वजनिक खरीद अनुबंधों में 'फोर्स मेज्योर' (अपरिहार्य परिस्थितियों) से जुड़े नियमों में ढील देनी चाहिए, ताकि कंपनियों पर देरी के कारण जुर्माना न लगे। फिक्की ने

यह भी सुझाव दिया है कि सरकार को पेट्रोलियम उत्पादों को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के दायरे में लाने के लिए जीएसटी परिषद के भीतर चर्चा शुरू करनी चाहिए। इसमें तर्क दिया गया है कि इस कदम से लागत का बोझ कम होगा, आपूर्ति श्रृंखला की दक्षता में सुधार होगा और उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में मदद मिलेगी। ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रिपोर्ट में तेल और गैस के स्रोतों में विविधता लाने, रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार की क्षमता बढ़ाने और हरित हाइड्रोजन जैसी स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है।

उद्योग जगत को सलाह दी गई है कि वे अपनी परिचालन निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए 'वॉर रूम' (संकट प्रबंधन केंद्र) स्थापित करें और कच्चे माल के लिए किसी एक देश पर निर्भर रहने के बजाय अपने आपूर्ति तंत्र का विस्तार करें। इसके अलावा, कंपनियों को मुद्रा के उतार-चढ़ाव से होने वाले नुकसान से बचने के लिए भी सुरक्षात्मक उपाय करने का सुझाव दिया गया है।

जम्मू-कश्मीर में 74 प्रतिशत झीलें सिमटीं या सूखीं

जम्मू, एजेंसी

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने जम्मू-कश्मीर में झीलों के तेजी से हो रहे क्षरण पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा है कि केंद्र शासित प्रदेश की 697 प्राकृतिक झीलों में से 518 जो 74 प्रतिशत से अधिक हैं, वर्ष 1967 के बाद या तो पूरी तरह समाप्त हो गई हैं या उनके आकार में कमी आई है।

कैग की रिपोर्ट के मुताबिक झीलों के तेजी से हो रहे इस क्षरण से पारिस्थितिक असंतुलन और जैव विविधता को भारी नुकसान पहुंचा है। अधिकारियों ने बताया कि 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए केंद्र शासित प्रदेश में झीलों के संरक्षण पर कैग की रिपोर्ट के अनुसार, कुल 28,990 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली 697 झीलों में से 315 झीलें (1,537.07 हेक्टेयर क्षेत्र) पूरी तरह समाप्त हो गई हैं, जबकि 203 झीलों का क्षेत्रफल 1,314.19 हेक्टेयर तक घट गया है। रिपोर्ट में कहा गया है, 518 झीलों में कुल मिलाकर 2,851.26 हेक्टेयर क्षेत्र में कमी या समाप्ति दर्ज की गई है। कैग ने झीलों के प्रभावी संरक्षण और प्रबंधन के लिए ठोस, समयबद्ध और संरचित रणनीति अपनाने की जोरदार सिफारिश की है। झीलों के बड़े पैमाने पर सिकुड़ने से वनस्पति और जीव-जंतुओं की हानि, पारिस्थितिक तंत्र में व्यवधान और जल, खाद्य व जैव विविधता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

वर्ल्ड ब्रीफ

जरूरत के वक्त साथ नहीं दिया, नाटो पर फिर बरसे ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो महासचिव मार्क रुटे के साथ बंद कमरे में हुई बैठक के बाद सैन्य गठबंधन की पुन: आलोचना करते हुए दोहराया कि जरूरत के समय नाटो अमेरिका के साथ नहीं था। बैठक के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर कैपिटल अक्षरों में लिखा, नाटो हमारे साथ नहीं था जब हमें उसकी जरूरत थी और आगे जरूरत पड़ने पर भी नहीं होगा। व्हाइट हाउस ने इस पर तत्काल कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं दी। प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि ट्रंप नाटो से अलग होने के मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं। ट्रंप और रुटे के बीच यह बैठक अमेरिका-ईरान के बीच युद्धविराम पर सहमति के ऐन बाद हुई।

पाकिस्तानी नागरिक यहूदी केंद्र पर हमले की साजिश का दोषी करार

न्यूयॉर्क। एक पाकिस्तानी नागरिक ने 2024 में न्यूयॉर्क के एक यहूदी केंद्र पर आईएसआईएस से प्रेरित हमले की साजिश रचने के मामले में जुर्म स्वीकार किया है। मुहम्मद शाहजेब खान नाम के 21 वर्षीय इस शख्स ने अमेरिका में घुसने और ब्रुकलिन स्थित एक प्रमुख यहूदी धार्मिक केंद्र पर स्वचालित हथियारों से गोलीबारी करने की साजिश रची थी। शाहजेब ने बुधवार को अमेरिकी जिला न्यायाधीश पॉल गार्डेफे के समक्ष अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद से जुड़े अपराध के आरोप में दोष स्वीकार किया, जिसके लिए अधिकतम सजा आजीवन कारावास है। सजा अगस्त में सुनाई जाएगी। शाहजेब कनाडा में रह रहा था।

नेपाल : जमानत पर रिहा हुए केपी ओली और रमेश लेखक

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक को बृहस्पतिवार को निजी मुचलके पर जमानत पर रिहा कर दिया गया। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के अध्यक्ष ओली और नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता लेखक को पिछले साल हुए जेन जी आंदोलन को दबाने में संलिप्तता के लिए पिछले महीने गिरफ्तार किया गया था। इस आंदोलन के दौरान 76 लोग मारे गये थे। सुप्रीम कोर्ट की एक संयुक्त पीठ ने सोमवार को आदेश दिया कि वे ओली और लेखक के खिलाफ जांच बृहस्पतिवार तक पूरी करें या उन्हें हिरासत से रिहा करें।

ईरान युद्ध के कारण वैश्विक खाद्य कीमतों में वृद्धि का खतरा

आईएमएफ, विश्व बैंक और डब्ल्यूएफपी ने जारी की चेतावनी, कहा- दुनिया में कमजोर लोगों पर पड़ेगा इसका सबसे ज्यादा असर

वाशिंगटन, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), विश्व बैंक और विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने चेतावनी जारी की है कि पश्चिम एशिया में युद्ध ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों में जो सबसे बड़ा व्यवधान पैदा किया है, उससे खाद्य कीमतों और खाद्य सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ेगा। तीनों संस्थाओं के प्रमुखों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि बढ़ती खाद्य कीमतों का सबसे अधिक भार दुनिया की कमजोर आबादी पर पड़ेगा।

संस्थाओं ने कहा, तेल, गैस और उर्वरक की कीमतों में तेज वृद्धि, साथ ही परिवहन बाधाओं के कारण खाद्य कीमतों और खाद्य असुरक्षा में वृद्धि अवश्य होगी। उन्होंने कहा कि वे इस स्थिति की गहन निगरानी करेंगे और संकट से प्रभावित लोगों का समर्थन करने के लिए उपलब्ध सभी संसाधनों का समन्वय करेंगे। बयान में यह भी कहा गया कि विशेष रूप से कम आय वाले और आयात निर्भर देशों में, ईंधन और खाद्य कीमतों में वृद्धि सरकारों की सीमित वित्तीय क्षमता के कारण कमजोर घरों पर सबसे अधिक प्रभाव डालेगी। तीनों संस्थाओं ने आश्वासन दिया कि वे जीवन और आजीविका की रक्षा, और स्थिरता, विकास और रोजगार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दीर्घकालिक पुनर्प्राप्ति के लिए समर्थन जारी रखेंगी। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका और ईरान दो सप्ताह का युद्धविराम समझौता किया है। अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया था क्योंकि उसने अपने परमाणु ईंधन के भंडार छोड़ने से इन्कार कर दिया था।

न्यूयॉर्क में बृहस्पतिवार को सैकड़ों लोगों ने ईरान और लेबनान के खिलाफ युद्ध के विरोध में प्रदर्शन किया।

यूनान के प्रधानमंत्री ने ने कहा- होर्मुज पार करने को ईरान को पैसे देना स्वीकार नहीं करेगी दुनिया

वाशिंगटन। यूनान के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोताकिस ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों के गुजरने के लिए ईरान को भुगतान करना स्वीकार नहीं करेगा। मित्सोताकिस ने जोर दिया कि होर्मुज को पार करने के लिए भुगतान संबंधी अमेरिका-ईरान समझौता नौवहन की स्वतंत्रता के लिए खतरनाक मिसाल साबित होगा। उन्होंने कहा कि लेबनान में संघर्ष विराम, ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच शांति समझौते का एक हिस्सा बनना चाहिए। गौरतलब है कि ट्रंप ने मंगलवार रात ईरान के साथ दो सप्ताह के संघर्ष विराम की घोषणा करते हुए आश्वासन दिया था कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने पर सहमत हो गया है।

होर्मुज में ट्रांजिट टोल लगने की संभावना से तेल कंपनियां भी नाराज

वाशिंगटन। तेल कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों ने व्हाइट हाउस से संपर्क कर होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने के लिए ईरान की ओर से संभावित शुल्क (ट्रांजिट टोल) लगाए जाने की चर्चाओं पर चिंता जताई है। रिपोर्टों के अनुसार तेल कंपनियों के अधिकारियों ने व्हाइट हाउस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से अपील की है कि वे शांति वार्ता की शर्त के रूप में ईरान को इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हॉर्मुज से गुजरने के लिए शुल्क लेने की अनुमति देने का विरोध करें। तेल उद्योग के प्रतिनिधियों ने बुधवार सुबह अमेरिकी विदेश विभाग में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हें अपनी चिंताओं से अवगत कराया।

हिजबुल्ला ने खाई इजराइल के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की कसम

मास्को। लेबनान पर इजराइली हवाई हमलों में 254 लोगों के मारे जाने और 1,165 घायल होने के बाद लेबनानी आंदोलन हिजबुल्ला ने कहा कि इजराइल की लेबनान पर बमबारी उसे जवाबी कार्रवाई का अधिकार देती है। तुर्किये के विदेश मंत्रालय ने कहा, हम लेबनान पर इजराइल के बढ़ते हमलों की कड़ी निंदा करते हैं जिनके परिणामस्वरूप भारी जानमाल का नुकसान हुआ है। ये हमले देश में मानवीय स्थिति को और बदतर बना रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि क्षेत्र में घोषित युद्धविराम के बावजूद इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू शांति एवं स्थिरता स्थापित करने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों को लगातार कमजोर कर रहे हैं।

पाकिस्तान में वार्ता पर अभी संदेह के बादल

तेहरान। ईरान और अमेरिका के बीच युद्धविराम वार्ता में नया संकट पैदा हो गया है। पाकिस्तान में ईरान के राजदूत रजा अमिरी मोघम ने गुरुवार को इस्लामाबाद में होने वाली शांति वार्ता के संदर्भ में की गई अपनी सोशल मीडिया पोस्ट हटा दी है। मोघम ने पहले पोस्ट किया था कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल गुरुवार रात इस्लामाबाद पहुंचेगा। पोस्ट में यह भी कहा गया था कि यह दौरा ईरानी जनता के बीच व्याप्त संदेह के बावजूद हो रहा है, क्योंकि इजराइल द्वारा लगातार युद्धविराम का उल्लंघन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य कूटनीतिक पहल को विफल करना है।

अमेरिका-इजराइल पर युद्धविराम के बाद भी जारी रहेंगे साइबर हमले

- अमेरिकी विशेषज्ञों ने दी ईरानी हैकर्स की इस धमकी को गंभीरता से लेने की चेतावनी

वाशिंगटन। ईरान से संबद्ध हैकर समूहों ने संकेत दिया है कि ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच अस्थिर युद्धविराम लंबे समय तक उनके जवाबी साइबर हमलों को नहीं रोक पाएगा। अमेरिकी साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने इस चेतावनी को गंभीरता से लेने की सलाह दी है।

हंदाला नामक एक प्रमुख हैकर समूह ने युद्धविराम की घोषणा के बाद कहा कि वह अमेरिका पर हमलों को अस्थायी रूप से टाल रहा है, लेकिन इजराइल को निशाना बनाना जारी रखेगा। समूह ने यह भी कहा कि उचित समय आने पर वह अमेरिका के खिलाफ अपनी गतिविधियां फिर शुरू करेगा। फिलिस्तीन और ईरान समर्थक हंदाला नेटवर्क ने अमेरिकी चिकित्सा उपकरण विनिर्माता स्ट्राइकर के कामकाज में बाधा डालने और एफबीआई निदेशक काश पटेल के निजी ईमेल खाते में सेंध लगाने सहित कई साइबर हमलों की जिम्मेदारी ली है। यह समूह ईरान से जुड़े कई प्रॉक्सी हैकर नेटवर्क में से एक है और तेहरान से स्वतंत्र रूप से काम करता है।

काश पटेल का ईमेल खाता कर चुके हैं हैक

फिलिस्तीन और ईरान समर्थक हंदाला नेटवर्क ने अमेरिकी चिकित्सा उपकरण विनिर्माता स्ट्राइकर के कामकाज में बाधा डालने और एफबीआई निदेशक काश पटेल के निजी ईमेल खाते में सेंध लगाने सहित कई साइबर हमलों की जिम्मेदारी ली है। यह समूह ईरान से जुड़े कई प्रॉक्सी हैकर नेटवर्क में से एक है और तेहरान से स्वतंत्र रूप से काम करता है। समूह ने एक्स पर लिखा, हमने यह युद्ध शुरू नहीं किया, लेकिन इसे खत्म हम ही करेंगे।

बब्बर खालसा के गुर्गों से हैंड ग्रेनेड और आईईडी बरामद

अमृतसर/ गुरदासपुर। पंजाब में पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों के साथ संयुक्त अभियान में आईएसआई प्रायोजित बब्बर खालसा इंटरनेशनल आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है।इस मामले में गिरफ्तार किए गए दो गुर्गों से जिसमें पांच हैंड ग्रेनेड, दो डेटोनेटर, कोडर और डिकोडर के साथ पीटीटी टाइमर, आईईडी विस्फोटक और वॉकी-टॉकी बरामद किया गया है।

डीजीपी गौरव यादव के मुताबिक गिरफ्तार किए गए गुर्गों की पहचान आकाश मसीह और जब्लौन के रूप में हुई है, दोनों गुरदासपुर जिले के थाना घुमान कलां के अंतर्गत गांव दुल्ला नंगल के निवासी हैं और उनका आपराधिक इतिहास रहा है। यादव ने बताया कि इन दोनों गुर्गों से महत्वपूर्ण बरामदगी हुई है। इससे पता चलता है कि यह मॉड्यूल राज्य में बड़े आतंकी हमलों को अंजाम देने की तैयारी कर रहा था।

मालदा में न्यायिक अधिकारियों के घेराव के मामले में 12 केस दर्ज

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में एसआईआर से संबंधित कार्य के लिए तैनात न्यायिक अधिकारियों के घेराव के मामले में राज्य में चल रही चुनाव प्रक्रिया के बीच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की कार्रवाई जारी है। एनआईए ने इस मामले में 12 मामले दर्ज किए हैं। यह कार्रवाई उच्चतम न्यायालय की ओर से जारी निर्देशों के बाद की गई है।

बुधवार देर रात एजेंसी ने कहा कि उसने मालदा जिले के मोथाबारी पुलिस स्टेशन से सात और कालीचक पुलिस स्टेशन से पांच एफआईआर

एनआईए की कार्रवाई

अपने पास लेकर पुनः मामला दर्ज किया है। ये मामले सुप्रीम कोर्ट के छह अप्रैल के आदेश के अनुरूप न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा संबंधी घटनाओं से जुड़े हैं। एनआईए की टीमें पहले ही मालदा पहुंच चुकी हैं और विस्तृत जांच शुरू कर चुकी हैं। इससे पहले, शीर्ष अदालत ने केंद्रीय एजेंसी को न्यायिक अधिकारियों के घेराव की जांच करने का निर्देश दिया और चिंता जताई थी कि ऐसी घटनाएं संस्थागत विश्वसनीयता को कम कर रही हैं।

अमेरिका के साथ रक्षा उद्योग, प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखला संबंध गहरा करने के प्रयास

वाशिंगटन, एजेंसी

भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने अमेरिका के वरिष्ठ अधिकारियों से यहां मुलाकात की तथा रक्षा एवं व्यापार संबंधों को और गहरा करने को लेकर उनके साथ चर्चा की। इस दौरान उन्होंने हिंद-प्रशांत और पश्चिम एशिया के घटनाक्रम पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

अमेरिका की तीन दिन की यात्रा पर आए मिसरी ने अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के अवर सचिवों माइकल डफी और एल्ब्रिज कोल्बी तथा वाणिज्य मंत्रालय के अवर सचिवों जेफरी केसलर और विलियम किमिट से मुलाकात की। अमेरिका में भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, रक्षा क्षेत्र में भारत-अमेरिका के बीच आदान-प्रदान

- वाशिंगटन में वरिष्ठ अधिकारियों से मिले विदेश सचिव विक्रम मिसरी

की गति को बनाए रखते हुए विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने युद्ध नीति मामलों के लिए अवर सचिव एल्ब्रिज कोल्बी के साथ पेंटागन में व्यापक बातचीत की जिसमें हिंद-प्रशांत क्षेत्र और पश्चिम एशिया में जारी घटनाक्रम पर चर्चा हुई। कोल्बी ने पिछले महीने भारत का दौरा किया था और नयी दिल्ली में भारत-अमेरिका रक्षा नीति समूह की बैठक के इतर मिसरी से मुलाकात की थी। मिसरी की रक्षा मंत्रालय में अधिग्रहण और अनुरक्षण के लिए अवर सचिव डफी के साथ भी पेंटागन में सार्थक बातचीत हुई।

भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में कहा, विदेश सचिव विक्रम मिसरी की पेंटागन में अधिग्रहण और अनुरक्षण के लिए युद्ध विभाग के अवर सचिव माइक डफी के साथ सार्थक बातचीत हुई। दोनों पक्षों ने पिछले वर्ष हस्ताक्षरित द्विपक्षीय प्रमुख रक्षा साझेदारी के ढांचे में तय महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के अनुरूप भारत और अमेरिका के बीच रक्षा उद्योग, प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखला संबंधों को और गहरा करने के उपायों पर चर्चा की।

कन्नौज : कायमगंज में 16 पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज करने का आदेश

संवाददाता कायमगंज

- पुलिस ने कोर्ट को गुमराह करने के लिए फर्जी रिपोर्ट पेश की,
- एसपी को निर्देश दिए कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराएं

अमृत विचार। कायमगंज में खाकी को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां कायमगंज पुलिस की एक बड़ी साजिश का पर्दाफाश हुआ है। विशेष न्यायाधीश शैलेंद्र सचान ने कड़ा रुख अपनाते हुए दो दरोगा (एसआई) समेत कुल 16 पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है।

न्यायालय ने साफ कहा कि पुलिस ने कोर्ट को गुमराह करने के लिए फर्जी रिपोर्ट पेश की, लेकिन सच ज्यादा दिन छिप नहीं सका। यह पूरा मामला तब खुला जब मोहल्ला कला खेल मऊ रशीदाबाद निवासी पीड़ित शायदा बेगम ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने आरोप लगाया कि 26 जनवरी की आधी रात को पुलिस बिना वारंट उनके घर में घुसी, मारपीट की और उनके पति मुख्तियार खां, भतीजे असद खान और देवर तारिक खान को उठा ले गई। पुलिस ने बाद में कहानी गढ़ी कि इन्हें 28 जनवरी को अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया है। लेकिन जब कोर्ट ने इलाके की फुटेज मंगवाई, तो पुलिस का झूठ पकड़ा गया। फुटेज में साफ दिखा कि गिरफ्तारी पुलिस के बताए समय से पहले ही हो चुकी थी।कोर्ट के आदेश के बाद अब दरोगा सोमवीर, दरोगा जितेंद्र कुमार, हेड कांस्टेबल धर्मेंद्र तिवारी और सिपाही विजय गुर्जर, सचिन कुमार, जितेंद्र सिंह, विकास बाबू, पवन चाहर समेत 8 अन्य अज्ञात पुलिसकर्मियों पर मुकदमा दर्ज होगा। कोर्ट ने कोतवाल मदन मोहन चतुर्वेदी को भी कड़ी फटकार लगाई है और उन्हें 20 अप्रैल को व्यक्तिगत रूप से पेश होकर स्पष्टीकरण देने को कहा है। कोर्ट ने माना कि पुलिस ने तथ्यों को छिपाने और अदालत को भ्रमित करने की कोशिश की है।

हैरानी की बात यह है कि जिस वक्त पुलिस ने युवक को जबरन हिरासत में रखा था, उस दिन उसकी कक्षा 11 की हिंदी की परीक्षा थी। फुटेज और गवाहों के बयानों ने पुलिस की उस रिपोर्ट को पूरी तरह झूठा साबित कर दिया जिसमें गिरफ्तारी को 'संदिग्ध अवस्था' में दिखाया गया था। एसपी को निर्देश दिए गए हैं कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए ताकि पीड़ितों को न्याय मिल सके।

समुद्र के नीचे बुनियादी ढांचों को निशाना बनाने की कोशिश बर्दाश्त नहीं

लंदन। ब्रिटेन के रक्षा मंत्री जॉन हीली ने गुरुवार को कहा कि यदि समुद्री तट के नीचे बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाने की कोई भी कोशिश की गई तो रूस को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। ब्रिटिश रक्षा मंत्री की यह चेतावनी उस खुलासे के बाद आई है जिसमें उन्होंने बताया कि ब्रिटेन ने रूसी पनडुब्बियों को अपने केबल और पाइपलाइनों पर हमला करने से रोकने के लिए सशस्त्र बलों को तैनात किया था।

ये रूसी पनडुब्बियां इस साल की शुरुआत में लगभग एक महीने तक ब्रिटिश जलक्षेत्र के आसपास मौजूद थीं। प्रधानमंत्री कार्यालय डाउनिंग स्ट्रीट में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए हीली ने कहा, राष्ट्रपति पुतिन से मैं कहना चाहता हूँ कि हम आपको देख रहे हैं। हम अपने केबल और पाइपलाइनों के ऊपर आपकी गतिविधियों को देख रहे हैं। आपको पता होना चाहिए कि उन्हें नुकसान पहुंचाने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इसके गंभीर परिणाम होंगे।

प्रीति सरन यूएन की अहम संस्था में नए कार्यकाल के लिए चुनी गईं

न्यूयॉर्क। वरिष्ठ राजनयिक प्रीति सरन को संयुक्त राष्ट्र की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार समिति (सीईएससीआर) के लिए फिर से चुना गया है। उनका नया कार्यकाल 2027 से शुरू होगा और यह तीन साल का होगा।

जटिल वैश्विक सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों के बीच, इस वैश्विक संस्था का कुशल नेतृत्व करने में उनकी विशेषज्ञता को ध्यान में रखते हुए उन्हें समिति के लिए फिर से चुना गया है। राजदूत सरन वर्तमान में समिति की अध्यक्ष हैं। यह समिति आर्थिक और सामाजिक अधिकारों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय समझौतों को सदस्य देशों द्वारा लागू किए जाने के तरीकों की निगरानी करती है।

समिति संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग के तहत संचालित होती है। भारतीय विदेश सेवा में अपने 36 वर्षों के शानदार करियर के दौरान, राजदूत सरन ने भारत में और एशिया, अफ्रीका, यूरोप तथा अमेरिका स्थित भारतीय मिशन में विभिन्न उच्च-स्तरीय पदों पर सेवा दी है।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष - आज का दिन उत्साह व निर्णय क्षमता से भरा रहेगा। धन संबंधी स्थितियां संतुलित रहेंगी। कार्यक्षेत्र में अटके हुए मामलों में गति आएगी।

वृष - आज का दिन मानसिक स्थिरता की मांग करता है। स्वास्थ्य पर थोड़ा ध्यान दें। किसी पुराने परिचित से लाभ का संकेत है।

मिथुन - आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। परिवार में कोई छोटा उत्सव हो सकता है। अचानक धन लाभ का भी संकेत है।

कर्क - आज भावनात्मक संतुलन बनाए रखें। किसी पुराने मित्र से चर्चा मन हल्का करेगी। नए अवसर मिलने के योग बन रहे हैं।

सिंह - आज नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी। व्यापार में विस्तार की संभावना है। सरकारी कार्यों में प्रगति होगी। अनावश्यक खर्च बढ़ सकता है।

कन्या - आज आप दक्षता व धैर्य के साथ कार्य करेंगे। कार्यालय में आपके सुझावों की सराहना होगी। किसी यात्रा के योग बन रहे हैं।

तुला - आज चंद्रमा के प्रभाव से दिन सकारात्मक रहेगा। मन प्रसन्न रहेगा और मित्रों से सहयोग मिलेगा। आय के नए अवसर मिलने के संकेत हैं।

वृश्चिक - आज कर्मठता बढ़ेगी और किसी बड़े निर्णय का समय निकट है। पारिवारिक स्तर पर कोई महत्वपूर्ण बात सामने आ सकती है।

धनु - आज भाग्य प्रबल रहेगा। चंद्रमा आपकी राशि में स्थित होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यापार में वृद्धि या नई जिम्मेदारी का योग है।

मकर - आज ऑफिस में आपके प्रयासों की प्रशंसा होगी। धन की बचत पर विशेष ध्यान दें। संध्या समय मन प्रसन्न होगा।

कुंभ - आज का दिन आपकी योजनाओं को गति देगा। नए लोगों से संपर्क लाभदायक सिद्ध हो सकता है। प्रेम संबंधों में सकारात्मकता आएगी।

मीन - आज आपको निवेश से लाभ होगा। नया काम शुरू करने का शुभ समय है। पुराने विवाद भी समाप्त हो सकते हैं।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

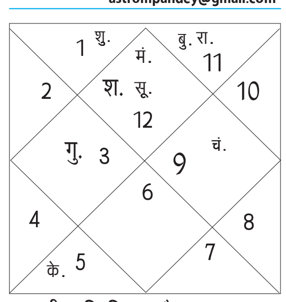

आज की ग्रह स्थिति : 10 अप्रैल, शुक्रवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष-कृष्ण पक्ष, अष्टमी 23.15 तक तत्पश्चात नवमी।

दिशाशूल-पश्चिम, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- पूर्वाषाढ़ा 11.28 तक तत्पश्चात उत्तराषाढ़ा।

सुडोकू - 114 का हल

2	6	8	7	9	5	1	4	3
5	3	4	8	6	1	9	7	2
9	1	7	2	3	4	8	6	5
7	5	6	4	1	8	2	3	9
1	2	9	5	7	3	6	8	4
8	4	3	9	2	6	7	5	1
3	9	5	1	8	7	4	2	6
6	7	2	3	4	9	5	1	8
4	8	1	6	5	2	3	9	7

सुडोकू -115

	6					9		2
8		2		1	5			
				2		8		5
		8			3			
		1				6		
9			8			7		
		5		9				
3			5			1		7
2		6					5	

डिजिटल किडनैपिंग

टेक कंपनियों में तैयार किया ऐसा नशा जो आपके दिमाग को मुक्त ही नहीं होने देता

अक्सर ऐसा होता है कि आप बस एक जरूरी मैसेज चेक करने के लिए फोन उठाते हैं, लेकिन अचानक आधे घंटे बाद आपको एहसास होता है कि आप इंस्टाग्राम पर रील देख रहे थे या यूट्यूब पर अनजान वीडियो। यह कोई इत्तफाक नहीं है। दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनियां अरबों डॉलर खर्च करके ऐसे एल्गोरिदम बना रही हैं जो आपके दिमाग के डोपामाइन सिस्टम को कंट्रोल करते हैं।

असली खेल क्या है

कंपनियां स्क्रीन पर बिताए आपके हर सेकंड से पैसा कमाती हैं, इसलिए उनका लक्ष्य आपको फोन से चिपकाए रखना है।

डोपामाइन लूप : जब आप फोन पर कोई नोटिफिकेशन देखते हैं या लाइक मिलता है तो आपके दिमाग में डोपामाइन रिलीज होता है, जो खुशी महसूस कराता है। एआई जान जाता है कि आपको क्या कंटेंट दिखाकर यह नशा दिया जा सकता है।

इनफिनिट स्क्रॉल : फेसबुक या इंस्टाग्राम पर नीचे की तरफ खत्म न होने वाला पेज इसलिए बनाया गया है ताकि आपके दिमाग को रुकने और सोचने का मौका ही न मिले। यह ठीक वैसा ही है जैसे जुए की मशीन काम करती है।

अटेंशन इकोनॉमी : आज की दुनिया में आपका ध्यान सबसे महंगी मुद्रा है। इसे भुनाने के लिए एआई आपकी हर कमजोरी को ट्रैक करता है, चाहे वह गुस्सा दिलाने वाली खबरें हों या मनोरंजन ताकि आप स्क्रीन छोड़कर न जाएं।

फैक्ट

क्या आप जानते हैं कि सिलिकॉन वैली के कई बड़े इंजीनियर, जिन्होंने लाइक बटन और स्क्रॉल फीचर बनाया, आज खुद अपने बच्चों को स्मार्टफोन से दूर रखते हैं। एक स्टडी के अनुसार, औसतन एक व्यक्ति दिन में 2,617 बार अपने फोन को टच करता है। डिजिटल डिटॉक्स करने वाले लोगों में फोकस करने की क्षमता सामान्य लोगों से 40% ज्यादा पाई गई है।

आपके लिए जरूरी बातें

डार्क पैटर्न्स : वेबसाइट्स और एप्स ऐसे डिजाइन तैयार करते हैं जो आपको न चाहते हुए भी क्लिक करने पर मजबूर करते हैं। जैसे कि किसी सब्सक्रिप्शन को कैंसिल करने का बटन बहुत छोटा और गहरे रंग में छिपा देना, ताकि आप हार मानकर पैसे देते रहें।

घोस्ट नोटिफिकेशन : क्या कभी आपको महसूस हुआ कि आपकी जेब में फोन वाइब्रेट हुआ, लेकिन चेक करने पर कोई मैसेज नहीं था? इसे 'फैंटम वाइब्रेशन सिंड्रोम' कहते हैं। कंपनियों के एल्गोरिदम ने हमारे दिमाग को इस कदर ट्रेन कर दिया है कि हम हर वक्त फोन की तरफ भागने के लिए बेचैन रहते हैं।

चॉइस आर्किटेक्चर : एआई आपको यह महसूस कराता है कि आप अपनी पसंद का वीडियो देख रहे हैं, लेकिन असल में वह आपको वही दिखा रहा होता है जो वह चाहता है। यूपी नेक्स्ट और ऑटो प्ले फीचर्स आपके निर्णय लेने की क्षमता को खत्म कर देते हैं।

स्लीप डिस्टर्बेंस और ब्लू लाइट

रात के समय फोन का इस्तेमाल न केवल आपकी आंखों को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि एआई एल्गोरिदम रात 11 बजे के बाद आपको ज्यादा उत्तेजक कंटेंट दिखाते हैं क्योंकि उन्हें पता है कि इस समय आपका सेल्फ कंट्रोल सबसे कम होता है।

एक्सपर्ट टिप्स

ग्रे-स्केल मोड
अपने फोन की सेटिंग्स में जाकर स्क्रीन को ब्लैक एंड व्हाइट कर दें। रंगीन-चमकीले आइकन दिमाग को ज्यादा आकर्षित करते हैं, ब्लैक एंड व्हाइट स्क्रीन फोन को नीरस बना देती है जिससे आप कम इस्तेमाल करेंगे।

नोटिफिकेशन फिल्टर
केवल जरूरी एप्स जैसे कॉल या वर्क मैसेज के नोटिफिकेशन ऑन रखें। सोशल मीडिया के लाइक-कमेंट के नोटिफिकेशन बंद करें।

बेडरूम को नो फोन जोन बनाएं
रात को सोते समय फोन को सिरहाने रखने के बजाय दूसरे कमरे में चार्ज करें। अलार्म के लिए फोन नहीं, साधारण घड़ी का उपयोग करें।

20 मिनट का नियम
जब भी एप खोलने की तीव्र इच्छा हो, खुद को कहें कि मैं इसे 20 मिनट बाद देखूंगा। अक्सर वह इच्छा तब तक खत्म हो जाती है।

- भारत में एक औसत व्यक्ति दिन भर में लगभग 4.5 से 5 घंटे मोबाइल फोन पर बिताता है। भारतीय यूजर हर महीने औसतन 31 जीबी डेटा खर्च कर रहे हैं।
- किशोरों-युवाओं के मामले में यह समय 7 से 8 घंटे तक पहुंच जाता है। दुनिया भर में मोबाइल इस्तेमाल के मामले में भारत शीर्ष देशों की सूची में शामिल है।

ये हैं स्वास्थ्य को नुकसान

- लगातार मोबाइल का इस्तेमाल शरीर की बनावट और कार्यक्षमता को प्रभावित करता है।
- गर्दन झुकाकर लंबे समय फोन चलाने से रीढ़ व गर्दन की मांसपेशियों पर दबाव पड़ता है।
- नीली रोशनी के कारण आंखों में सूखापन, जलन, धुंधली दृष्टि और सिरदर्द की समस्या।

“मैं इंपैक्ट सब नियम को युवा खिलाड़ियों के लिए मौके के रूप में देखता हूं। कइयों को यह नियम पसंद नहीं है लेकिन अगर एक बल्लेबाज या गेंदबाज टीम में जुड़ता है तो अधिक जोखिम वाले फैसले लिये जा सकते हैं।
–प्रभसिमरन सिंह

स्टेडियम

लखनऊ, शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

IPL 2026

आज के मुकाबले

राजस्थान रॉयल्स

बनाम

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

समय - शाम 7:30 बजे

ईडन गार्डन्स में लखनऊ का धमाल आखिरी गेंद पर कोलकाता को हराया

आईपीएल-2026 : मुकुल चौधरी के सामने बेबस नजर आए केकेआर के गेंदबाज

कोलकाता, एजेंसी

मुकुल चौधरी की बेखौफ नाबाद अर्धशतकीय पारी के दम पर लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने इंडियन प्रीमियर लीग में बृहस्पतिवार को यहां कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को आखिरी गेंद तक चले रोमांचक मुकाबले में तीन विकेट से हराया।

एलएसजी ने 16वें ओवर की आखिरी गेंद पर 128 रन पर मोहम्मद शमी के रूप में अपना सातवां विकेट गंवा दिया था। टीम को आखिरी चार ओवर में 54 रन चाहिए थे, और चौधरी ने आवेश खान (नाबाद एक) के साथ मिलकर टीम को जीत दिलाई। एलएसजी के लिए आयुष बडोनी ने भी 54 रन की शानदार पारी खेली। चौधरी ने अपनी पारी की शुरुआती आठ गेंदों में केवल दो रन बनाए, लेकिन बाद में सात छक्के लगाकर नाबाद 54 रन बनाए। इनमें से वैभव अरोड़ा की गेंद पर महेंद्र सिंह धोनी के अंदाज में खेला गया हेलीकॉप्टर शॉट दर्शनीय था।

कोलकाता ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 181 रन बनाए। कैमरून ग्रीन ने मौजूदा सत्र में पहली बार गेंदबाजी करते हुए अपनी दूसरी गेंद पर कप्तान ऋषभ पंत को आउट किया और टीम को शुरुआती सफलता दिलाई। हालांकि, पारी के 19वें ओवर में वह रन रोकने में नाकाम रहे। आखिरी दो ओवर में केकेआर को 30 रन की जरूरत थी, लेकिन ग्रीन ने 16 रन लुटा दिए। एलएसजी को अंतिम ओवर में 14 रन चाहिए थे, और वैभव अरोड़ा दबाव में चूक गए। आईपीएल के अपने पहले सत्र में तीसरा मैच खेल रहे चौधरी ने ओवर की पांचवीं गेंद पर छक्का मारकर स्कोर बराबर किया और फिर आखिरी गेंद पर चूकने के बाद एक रन लेकर टीम को यादगार जीत दिलाई। इससे पहले बडोनी ने 34 गेंदों में सात चौके और दो छक्के लगाकर टीम को मुकाबले में बनाए रखा। उनके बाद चौधरी की तेजी ने मैच का पासा पलट दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए एलएसजी ने सलामी बल्लेबाज मिचेल मार्श (15) और एडेन मारक्रम (22) के बाद कप्तान ऋषभ पंत (10) और निकोलस पूरन (13) का विकेट सस्ते में गंवा दिया लेकिन चौधरी और बडोनी ने बेखौफ बल्लेबाजी से केकेआर की जीत के इंतजार को और बड़ा दिया।

केकेआर के लिए वैभव और अनुकूल रॉय ने दो-दो विकेट लिए कोलकाता के लिए यह चौथी हार थी, जबकि लखनऊ ने लगातार दूसरी जीत दर्ज कर तालिका में अपनी स्थिति मजबूत की। एलएसजी ने बीच के ओवरों में अनुशासित गेंदबाजी करते हुए केकेआर को चार विकेट पर 181 रन तक सीमित किया। मौजूदा सत्र में पहली जीत की तलाश में रही केकेआर की टीम शुरुआती 10 ओवर में एक विकेट पर 98 रन बना चुकी थी। कप्तान अजिंक्य रहाणे और अंगकृष रघुवंशी ने 52 गेंदों में 84 रन की साझेदारी की। सलामी बल्लेबाज फिन एलेन (नौ) के सस्ते में आउट होने के बाद भी टीम 200 के पार जाती दिख रही थी, लेकिन एलएसजी के गेंदबाजों ने 11वें से 14वें ओवर के बीच पारी का रुख बदल दिया। रहाणे (24 गेंदों पर 41 रन, चार चौके और दो छक्के) को स्पिनर दिग्वेश राठी ने आउट किया, और शमी ने उनका शानदार कैच लपका। अगले ओवर में रघुवंशी (33 गेंदों पर 45 रन, पांच चौके और दो छक्के) को मणिमारण सिद्धार्थ ने लॉन्ग-ऑन पर कैच कराया।

शॉट लगाते लखनऊ सुपर जाएंट्स के बल्लेबाज मुकुल चौधरी।

केकेआर

181/4 (20 ओवर)

अजिंक्य रहाणे का शमी बो राठी	41
फिन ऐलन का राठी बो प्रिंस	09
अंगकृष रघुवंशी का मारक्रम बो सिद्धार्थ	45
कैमरुन ग्रीन नाबाद	32
रिंकू सिंह बो आवेश	04
रोवमैन पोवेल नाबाद	39

अतिरिक्त : 11, **गेंदबाजी** : शमी 4-0-27-0, प्रिंस 4-0-47-1, सिद्धार्थ 3-0-34-1, राठी 4-0-25-1, आवेश 4-0-44-1

एलएसजी

182/7 (20 ओवर)

मिचेल मार्श का रघुवंशी बो वैभव	13
एडेन मारक्रम का पोवेल बो वैभव	22
ऋषभ पंत का त्यागी बो ग्रीन	10
आयुष बडोनी का रिंकू बो अनुकूल	54
निकोलस पूरन का रमनदीप बो त्यागी	13
अब्दुल समद बो अनुकूल	02
मुकुल चौधरी नाबाद	54
मो. शमी का अनुकूल बो नारायण	01
आवेश खान नाबाद	01

अतिरिक्त : 10, **गेंदबाजी** : वैभव 4-0-38-2, अनुकूल 4-0-32-2, सैनी 3-0-37-0, नारायण 4-0-13-1, त्यागी 3-0-31-1, ग्रीन 2-0-28-1

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	राजस्थान रॉयल्स	3	3	0	0	6	2.403
2.	पंजाब किंग्स	3	2	0	1	5	0.637
3.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	2	2	0	0	4	2.501
4.	दिल्ली कैपिटल्स	3	2	1	0	4	0.811
5.	लखनऊ सुपर जाइटंस	3	2	1	0	4	-0.359
6.	सनराइज़र्स हैदराबाद	3	1	2	0	2	0.275
7.	गुजरात टाइटंस	3	1	2	0	2	-0.270
8.	मुंबई इंडियंस	3	1	2	0	2	-0.715
9.	कोलकाता नाइट राइडर्स	4	0	3	1	1	-1.315
10.	चेन्नई सुपर किंग्स	3	0	3	0	0	-2.517

ऑरेंज कैप

यशस्वी जायसवाल
राजस्थान-170 रन
समीर रिजवी
दिल्ली - 160 रन
अंगकृष रघुवंशी
कोलकाता-155 रन

पर्पल कैप

रवि विश्नोई
राजस्थान- 7 विकेट
प्रसिद्ध कृष्णा
गुजरात - 6 विकेट
राशिद खान
गुजरात- 5 विकेट

कोनोली को टाइमिंग और लय पर भरोसा

मुल्लांपुर, एजेंसी

- पावर हिटिंग के दौर में पंजाब किंग्स के बल्लेबाज ने संयमित पारी खेल सभी को किया प्रभावित

टी20 क्रिकेट में पावर हिटिंग (ताकत वाले शॉट) के इस दौर में पंजाब किंग्स के बल्लेबाज कूपर कोनोली सफलता के लिए टाइमिंग, लय और आत्मविश्वास पर भरोसा करते हैं। ऑस्ट्रेलिया के इस 22 साल के खिलाड़ी ने अपने आईपीएल पदार्पण पर 44 गेंदों पर नाबाद 72 रन की संयमित पारी खेलकर प्रभावित किया।

उनकी इस पारी से पंजाब किंग्स को गुजरात टाइटंस के खिलाफ शुरुआती मैच में तीन विकेट से जीत मिली। इस पारी ने उनके इस विश्वास को मजबूत किया कि क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में दबदबा बनाने के लिए सिर्फ पावर हिटिंग ही जरूरी नहीं है। हर खिलाड़ी की अपनी ताकत होती है और मैं अपनी उन्हीं खूबियों पर कायम रहना चाहता हूं, जिन्होंने अब तक मुझे सफलता दिलाई है। कोनोली ने में कहा बेशक, टी20 क्रिकेट में ताकत (पावर) एक बड़ा हिस्सा बनती जा रही है, लेकिन इसके अलावा भी कई तरीके हैं और मैं उन्हें समझने और सीखने की कोशिश करूंगा। अपनी मौजूदा शैली में सहज कोनोली मानते हैं कि लय पर आधारित उनका खेल उन्हें टीम के लिए सबसे प्रभावी योगदान देने में मदद करता है।

हाईलाइट

भारत के सबसे उम्रदराज टेस्ट क्रिकेटर गोपीनाथ का निधन

चेन्नई। टेस्ट में भारत की पहली जीत दर्ज करने वाली टीम के सदस्य रहे देश के सबसे उम्रदराज अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर सीडी गोपीनाथ का 96 वर्ष की आयु में निधन हो गया। गोपीनाथ ऑस्ट्रेलिया के महान नील हार्वी (97) के बाद दुनिया के दूसरे सबसे उम्रदराज क्रिकेटर थे। उनके निधन के बाद मुंबई के 95 वर्षीय चंद्रकांत पाटणकर अब देश के सबसे उम्रदराज क्रिकेटर बन गए हैं। पाटणकर ने 1955 में न्यूजीलैंड के खिलाफ एक टेस्ट खेला था।

आयुष क्वार्टर फाइनल में, सिंधु और प्रणय हारे

निंगबो। भारत के युवा बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप में पुरूष एकल क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए लेकिन पी वी सिंधू महिला एकल में हारकर बाहर हो गई। विश्व रैंकिंग में 25वें स्थान पर काबिज आयुष ने 20वीं रैंकिंग वाले चीनी ताइपै के चि यू जेन को 21.6, 21.12 से हराया। अब उनका सामना तीसरी वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से होगा। भारत के बाकी खिलाड़ियों के लिये बृहस्पतिवार का दिन निराशाजनक रहा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू को दूसरी वरीयता प्राप्त चीन की वांग झियि ने 46 मिनट तक चले मुकाबले में 21.18, 21.8 से हराया। कंधे की चोट से उबरकर वापसी करने वाले एच एस प्रणय को चीन के वेंग होंग यांग ने 21.12, 21.19 से मात दी।

वैष्णवी व सहजा को शिकस्त दे, इंडोनेशिया ने भारत को हराया

नई दिल्ली। वैष्णवी अडकर और सहजा यमलापल्ली की एकल मुकाबलों तथा अंकिता रैना और ऋतुजा भोसले की जोड़ी की हार से बिली जीन किंग कप के एशिया-ओशियाना ग्रुप-1 मुकाबले में बृहस्पतिवार को यहां इंडोनेशिया ने भारत को 3-0 से करारी शिकस्त दी। इस हार से भारत के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। वैष्णवी ने प्रिस्का मेडेलिन नुग्रोहो को कड़ी चुनौती दी, लेकिन उन्हें दिल तोड़ने वाली हार का सामना करना पड़ा, जबकि सहजा विश्व रैंकिंग में 41वें स्थान पर काबिज जेनिस ट्येन के सामने सहज नहीं दिखीं। विश्व रैंकिंग में 391वें पायदान पर काबिज पुणे की वैष्णवी ने मुकाबले में दमखम दिखाया, लेकिन 419वीं रैंकिंग वाली प्रिस्का की चुनौती से पार नहीं पा सकीं।

टी-20 में नौ विकेट लेकर कार्डोसा ने रचा इतिहास

ब्रासीलिया, एजेंसी

ब्राजील की तेज गेंदबाज लॉरा कारडोसो ने रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया जब वह पुरुषों या महिलाओं के टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में एक ही पारी में नौ विकेट लेने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं।

कारडोसो ने लेसोथो के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए चार रन देकर नौ विकेट चटकाए जो टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े है। उन्होंने गैबोरोन में बोत्सवाना क्रिकेट संघ ओवल दो मैदान पर बीसीए कालाहारी महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में यह उपलब्धि हासिल की। पिछला रिकॉर्ड भूटान की सोनम येशे के नाम था जिन्होंने 2025 में पुरुषों के टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में म्यांमार के खिलाफ सात रन देकर आठ विकेट लिए थे। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अनुसार महिलाओं के टी-20 अंतर्राष्ट्रीय में कारडोसो ने इंडोनेशिया की रोहमालिया के 2024 में मंगोलिया के खिलाफ बिना रन के सात विकेट चटकाने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। बृहस्पतिवार को हुए मैच में ब्राजील ने रॉबर्टा एवरी (35 गेंद पर 48 रन) और मोनिके मचाडो (41 गेंद पर नाबाद 69 रन) की शानदार पारियों की मदद से 202 रन का बड़ा स्कोर बनाया। इसके जवाब में लेसोथो की टीम 6.2 ओवर में सिर्फ 13 रन पर सिमट गई।

आरसीबी-रॉयल्स मैच में नजरें शीर्षक्रम के बल्लेबाजों पर

गुवाहाटी, एजेंसी

यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी से मिल रही आक्रामक शुरुआत के साथ राजस्थान रॉयल्स शुक्रवार को यहां गत चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ आईपीएल के मैच में अपना दबदबा कायम रखना चाहेगी जबकि आरसीबी की उम्मीदें फॉर्म में चल रहे देवदत्त पडिक्कल पर टिकी होंगी।

दो साल पहले टी20 क्रिकेट से विदा लेने के बावजूद आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के प्रदर्शन में कमी नहीं आई है। उनके मार्गदर्शन में आरसीबी ने संतुलित शीर्षक्रम तैयार कर लिया है और पिछले मैच में फिल साल्ट ने भी उम्दा पारी खेली थी। तीसरे नंबर पर उतर रहे पडिक्कल ने घरेलू क्रिकेट का अपना फॉर्म कायम रखते हुए संतुलित आक्रामकता के साथ बल्लेबाजी की है।

आईपीएल में अपने पदार्पण सत्र में आरसीबी के लिए 473 रन बनाने वाले पडिक्कल बाद में राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स के साथ उस सफलता को दोहरा नहीं सके थे। पिछले सत्र में वह आरसीबी में लौटे और पहली बार उसे आईपीएल खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इस सत्र में भी उन्होंने पहले चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 29 गेंद में 50 और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 26 गेंद में 61 रन बनाए। कप्तान रजत पाटीदार और आस्ट्रेलिया के टिम डेविड मध्यक्रम को मजबूती देते हैं। आरसीबी के गेंदबाजों ने भी इस सत्र में प्रभावित किया है। जैकब डफी ने जोश हेजलवुड की कमी पूरी की है तो बीच के ओवरों में कृणाल पंड्या और सुयश शर्मा ने रन रोके हैं।

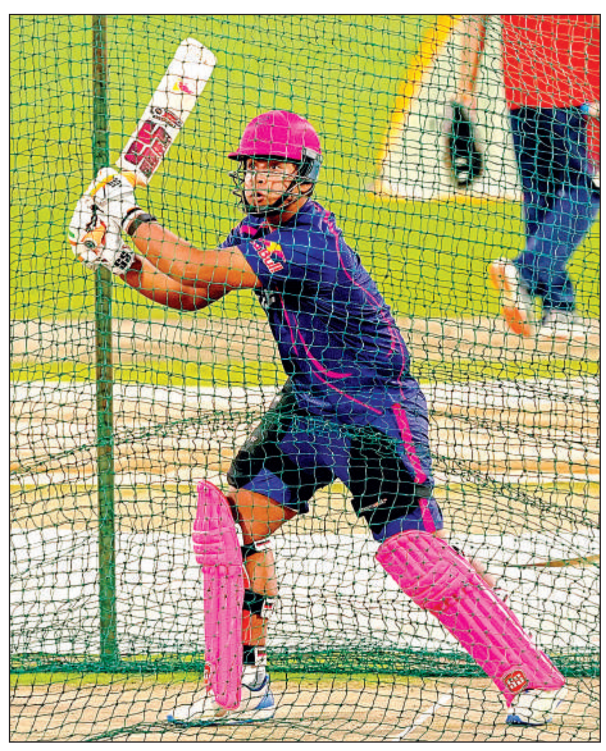

अभ्यास सत्र के दौरान राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी। एजेंसी

टीम

राजस्थान रॉयल्स : रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, अमन पेराला, शिमरोन हेटमायर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जयसवाल, रवींद्र जड़ेजा, एडम मिल्ने, ब्रिजेश शर्मा, जोफ्रा आर्चर, कुलदीप सेन, क्वेना मफाका, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई और संदीप शर्मा।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : रजत पाटीदार (कप्तान), अभिनंदन सिंह, भुवनेश्वर कुमार, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, रसिख डार, सुयश शर्मा, स्वप्निल सिंह, विराट कोहली, वेंकटेश अय्यर, मंगेश यादव, कनिष्क चौहान, विहान मल्होत्रा, विक्की ओस्तवाल, सात्विक देसवाल।

सूर्यवंशी असली सुपरस्टार बन सकते हैं : स्मिथ

नई दिल्ली : बेहद प्रतिभावान वैभव सूर्यवंशी के प्रशंसकों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है और अब दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज ग्रीम स्मिथ ने आईपीएल 2026 में उनके प्रदर्शन के बाद 15 साल के इस भारतीय खिलाड़ी को 'असली सुपरस्टार' बताया है। सूर्यवंशी ने मंगलवार को बारिश से बाधित मैच में राजस्थान रॉयल्स की मुंबई इंडियंस पर 27 रन की जीत के दौरान दुनिया के सबसे अच्छे टी20 गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की पहली ही गेंद पर छक्का लगाया। इस युवा खिलाड़ी ने 14 गेंद में 39 रन की पारी के दौरान बुमराह के ओवर में दो छक्के जड़े। स्मिथ ने अपने ब्लॉग में लिखा आईपीएल ठीक वैसे ही शुरू हुआ है जैसा मैंने सोचा था, सपाट पिचों और बड़े स्कोर वाले मुकाबलों के साथ। हमेशा की तरह यह देखना दिलचस्प होगा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे पुराने सुपरस्टार कैसा प्रदर्शन करते हैं लेकिन मुझे लगता है कि राजस्थान रॉयल्स के युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी पर शुरुआती कुछ हफ्तों में नजर रखनी होगी।

लिया पक्ष | गुजरात टाइटंस के खिलाफ एक रन न लेने की हो रही आलोचना, मुकाबले में दिल्ली ने गंवा दिया था मैच

डेविड मिलर की मंशा में खोट नहीं निकाल सकते : गावस्कर

नयी दिल्ली, एजेंसी

भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल के रोमांचक मैच में एक रन लेने से इनकार करने वाले दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज डेविड मिलर का बचाव करते हुए कहा कि उनकी मंशा में कमी नहीं निकाल सकते ।

जीत के लिए 211 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली को दो गेंद में दो रन की जरूरत थी लेकिन आखिरी ओवर की पांचवीं गेंद पर मिलर ने एक रन लेने से इनकार कर दिया। वह आखिरी गेंद पर चूके लेकिन एक रन के लिये भागे लेकिन जोस बटलर के थ्रो पर कुलदीप यादव रन आउट हो गए। गावस्कर ने ''जियो हाटस्टार'' से कहा डेविड मिलर बहुत अच्छा खेल रहा था और उसे खुद पर भरोसा था कि वह मैच फिनिश करेगा। उसकी मंशा में कमी नहीं निकाल सकते।

प्रसिद्ध कृष्णा ने एक शानदार धीमा बाउंसर डाला जिसे वह खेल नहीं सका । दबाव के हालात में ऐसा हो जाता है। क्रिकेटर से कमेंटेटर बने गावस्कर ने कहा कि दबाव के हालात में मैच की स्थिति को लेकर चौकस रहना काफी अहम है जो भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ 1986 में टाई रहे मैच में दिखाई थी। चेन्नई में उस मैच में भारत 348 रन के लक्ष्य का पीछा कर रहा था। शास्त्री ने नाबाद 48 रन बनाये और सही समय पर एक रन लेकर भारत को 347 रन तक पहुंचाया जबकि आखिरी गेंद पर मनिंदर सिंह आउट हो गए। वह मैच ड्रॉ रहा। गावस्कर ने कहा इसी समय पर मैच के हालात को लेकर जागरूक रहना जरूरी है। मुझे इससे रवि शास्त्री का वह एक रन याद आता है जो 1986 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ उसने सही समय पर लेकर स्कोर बराबर कर दिया था।

इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान की तारीफ की जिन्होंने गुजरात के लिये चार ओवर में 17 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने कहा राशिद खान ने जबर्दस्त गेंदबाजी की । लेकिन एक ईकाई के रूप में गुजरात की गेंदबाजी उतनी अच्छी नहीं थी लेकिन खेल में ऐसा होता है।

अक्षर ने शांति बनाए रखने का किया आग्रह

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने गुजरात टाइटंस के हाथों एक रन की दिल तोड़ने वाली हार के बाद अपनी टीम से शांत रहने और अपना हौसला बनाए रखने की अपील की। अरुण जेटली स्टेडियम में बुधवार को मैच के बाद फ्रेंचाइजी द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में, अक्षर ने ड्रेसिंग रूम में अपने साथियों को संबोधित करते हुए, इस करीबी हार के बावजूद सकारात्मक बने रहने का आग्रह किया। अक्षर ने साथियों से कहा सीजन की शुरुआत में, मैंने कहा था, आप जानते हैं, अपनी भावनाओं पर काबू रखें और किसी भी स्थिति में शांत रहें। सभी, आप जानते हैं, दुखी हैं, बुरा महसूस कर रहे हैं। हम फिर भी मुस्कुरा सकते हैं, यह ठीक है। यह एक लंबा टूर्नामेंट है। मुझे लगता है कि अगर उसने वे छक्के नहीं मारे होते, तो मुझे नहीं लगता कि हम, आप जानते हैं, खेल में बने रहते। हम चेन्नई जाएंगे और फिर से शुरुआत करेंगे।

प्रीति, मीनाक्षी के नेतृत्व में भारत की स्वर्णिम सफलता

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप

उलानबटोर (मंगोलिया), एजेंसी

मौजूदा विश्व चैंपियन मीनाक्षी हुड्डा और एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति पवार के नेतृत्व में भारत ने बृहस्पतिवार को एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदकों की झड़ी लगा दी।

मीनाक्षी (48 किग्रा) और प्रीति (54 किग्रा) के अलावा प्रिया घंघास (60 किग्रा) और 'वर्ल्ड बॉक्सिंग कप' की स्वर्ण पदक विजेता अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) ने भी फाइनल जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम किए। भारत को सबसे बड़ा झटका 57 किग्रा वर्ग में लगा, जहां मौजूदा विश्व चैंपियन जैस्मीन लंबोरिया को थाईलैंड की दो बार की विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता पुनरावी रूएनरोस (पूर्व नाम जुतामास जितपोंग) से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। भारत को एक और रजत पदक अल्फिया पठान (80+ किग्रा) के रूप में मिला, जो फाइनल में कजाखस्तान की दीना इस्लामबेकोवा से 0-5 से हारकर उपविजेता रहीं। फाइनल में पहुंचने के साथ ही भारतीय मुक्केबाजों ने इस वर्ष होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों के लिए भी क्वालीफाई कर लिया, जो भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) की चयन नीति के अनुरूप है।

पदकों के साथ भारतीय मुक्केबाज। एजेंसी